ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

स्थानांतरण घोटाला, हर पद के लिए दर निर्धारण, कर्नाटक में अभूतपूर्व भ्रष्टाचार: अश्वथ नारायण @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 17 मई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-137

कर्नल श्रीकांत पुरोहित ने कोर्ट के समक्ष किया सनसनीखेज खुलासा

योगी आदित्यनाथ को आतंकी घोषित कराना चाहती थी कांग्रेस

मुंबई, 16 मई (एजेंसियां)। इस्लामिक आतंकवाद का बचाव करने के लिए कांग्रेस हिंदू आतंकवाद का फार्मूला लेकर आई थी और हिंदू धर्म के साधु-संन्यासियों को आतंकवादी साबित करने का कुचक्र कर रही थी। कांग्रेस पार्टी गोरखपुर के तत्कालीन सांसद योगी आदित्यनाथ को आतंकवादी साबित कर गिरफ्तार करने की योजना बना रही थी। कांग्रेस पार्टी के इस षडयंत्र में कौन-कौन नेता सक्रिय थे, इसे सब जानते हैं। दिग्विजय सिंह और पी चिदंबरम तो आतंकवाद की इस व्याख्या को स्थापित करने में ही लगे थे।

कांग्रेस के इसी कुचक्र में फंस कर बर्बाद हुए सेना के कर्नल श्रीकांत प्रसाद पुरोहित ने कोर्ट के समक्ष कांग्रेसी षडयंत्र और कांग्रेस के इशारे पर महाराष्ट्र एटीएस द्वारा किए गए अमानुषिक अत्याचार का विस्तार से खुलासा किया है। कांग्रेस के कहने पर महाराष्ट्र एटीएस ने तत्कालीन सांसद योगी आदित्यनाथ समेत विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कई वरिष्ठ पदाधिकारियों को गिरफ्तार करने की तैयारी भी कर ली थी। मालेगांव बम विस्फोट मामले में योगी आदित्यनाथ का नाम लेने के लिए एटीएस ने लेफ्टिनेंट कर्नल श्रीकांत प्रसाद पुरोहित को भीषण प्रताड़णा दी थी। एटीएस ने बम धमाके की जिम्मेदारी लेने के लिए कर्नल को लगातार यातनाएं दीं।

कर्नल पुरोहित ने बताया है कि महाराष्ट्र एटीएस उनसे उनके तथाकथित खुफिया मिशन के बारे में अनापशनाप बताने के लिए दबाव दे रही थी। कर्नल पुरोहित ने यह सभी खुलासे कोर्ट के सामने किए हैं।

कर्नल पुरोहित ने मुंबई के एक कोर्ट को बताया, मेरे साथ ऐसा व्यवहार किया गया जो किसी जानवर के साथ भी नहीं किया जाता। मेरे साथ युद्धबंदी से भी बदतर व्यवहार किया गया। हेमंत करकरे, परमबीर सिंह और कर्नल श्रीवास्तव लगातार इस बात पर जोर देते रहे कि मैं मालेगांव बम धमाके के लिए खुद को जिम्मेदार बता दूं। उन्होंने मुझसे कहा कि मैं आरएसएस और विहिप के वरिष्ठ नेताओं और उत्तर प्रदेश के तत्कालीन सांसद योगी आदित्यनाथ का नाम लूं। उन्होंने मुझे 3 नवम्बर 2008 तक भीषण यातनाएं दीं।

मालेगांव बम विस्फोट मामले में एटीएस की अमानुषिक प्रताड़ना के शिकार कर्नल पुरोहित, साध्वी प्रज्ञा और मेजर रमेश उपाध्याय।

कर्नल पुरोहित ने बताया कि यह सब कुछ तत्कालीन यूपीए सरकार और राज्य की कांग्रेस-एनसीपी सरकार की शह पर किया गया था। कर्नल पुरोहित ने कोर्ट से कहा, करकरे और परमबीर सिंह अपने कांग्रेसी एजेंडे के तहत बार-बार मुझ पर वह सब कहने के लिए प्रताड़ित कर रहे थे, जो मुझे आतंकवादी साबित करते। कर्नल पुरोहित ने कोर्ट से कहा कि कांग्रेस नेतृत्व हिंदू आतंकवाद का नैरेटिव गढ़ने में लगा था। कर्नल ने कहा, अचानक अगस्त 2008 में एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार ने अलीबाग में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक रैली में बयान दिया कि सिर्फ आतंकवादी सिर्फ इस्लामी ही नहीं हैं, बल्कि हिंदू आतंकवादी भी हैं। यह पहली बार था जब हिंदू आतंकवाद शब्द सामने आया था। इस बयान के बाद 29 सितंबर 2008 की दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई और उसमें हिंदुओं को आतंकवादी बताया गया।

इस्लामिक आतंकवाद के बचाव में लाया गया हिंदू आतंकवाद का फार्मूला

सेना के कर्नल, मेजर और साधु-संन्यासियों पर एटीएस ने ढाया अत्याचार

कर्नल पुरोहित ने आरोप लगाया कि एटीएस गवाहों से बंदूक की नोक पर बयान दिलवाती थी। उन्हें प्रताड़ित करती थी। कर्नल ने यह भी बताया कि उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था लेकिन इसे कागजों में नहीं दिखाया गया। उन्हें मारपीटा गया और उनका पैर तोड़ दिया गया। कर्नल पुरोहित ने अपने एक सीनियर कर्नल पीके श्रीवास्तव पर भी इस षडयंत्र में शामिल होने के आरोप लगाए हैं।

आतंकवाद की कांग्रेस-गढ़ित व्याख्या में हिंदू नेताओं को फंसाने की बात कर्नल पुरोहित के पहले भी मालेगांव मामले का एक गवाह बता चुका है। गवाह ने 2021 में मुंबई की विशेष एनआईए अदालत को बताया था कि एटीएस ने उसे उठाया और सात दिन तक बंद रखा। इस दौरान उसे प्रताड़ित किया गया और उसके परिवार को भी फंसाने की धमकी दी गई। गवाह ने बताया कि एटीएस ने उसे भाजपा के तत्कालीन सांसद योगी आदित्यनाथ के अलावा आरएसएस के इंद्रेश कुमार, देवधर, काकाजी और स्वामी असीमानंद का नाम लेने के लिए मजबूर किया था।

गौरतलब है कि सितंबर 2008 में मालेगांव की एक मस्जिद के पास हुए बम धमाकों में छह लोगों की मौत हो गई थी और 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल में बांधे गए विस्फोटक से धमाके को अंजाम दिया गया था। एटीएस ने इस मामले में शुरुआती जांच की थी। तीन साल बाद 2011 में इस केस को एनआईए के पास ट्रांसफर किया गया था।

आजमगढ़, प्रतापगढ़, जौनपुर समेत कई जनसभाओं में पीएम मोदी ने कहा

मैं जनता की ताकत से मैदान में हूं वे बाहरी ताकतों के सहारे हैं

आजमगढ़ के विकास से सपा के शहजादे के पेट में हो रहा दर्द

सपा-कांग्रेस बेचती है झूठ, तुष्टिकरण, परिवारवाद और भ्रष्टाचार

आजमगढ़, 16 मई (एजेंसियां)। आजमगढ़ की विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में माफिया, दंगाइयों और रंगदारी मांगने वालों की सफाई करके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भरपूर स्वच्छता अभियान चलाया है। पीएम मोदी ने कहा, भाजपा यदुवंश का सम्मान करने वाली पार्टी है, जिसने मध्य प्रदेश में डॉ. मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाया। पीएम मोदी ने कांग्रेस और सपा को चुनौती देते हुए कहा, वे देश-विदेश चाहे जहां से भी ताकत इकट्ठी कर लें, मैं भी मैदान में हूं और तुम भी मैदान में हो। मैं जनता की ताकत से मैदान में हूं और वे बाहरी ताकतों के सहारे मैदान में हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि सपा के शहजादे आतंकियों का सम्मान करते हैं और उनके कार्यकाल में दंगाइयों को छोड़ने का काम होता था। कांग्रेस और सपा भले ही दो दल दिखते हों मगर इनकी दुकान एक ही है, जो झूठ, तुष्टिकरण, परिवारवाद और भ्रष्टाचार का सामान बेचते हैं।

पीएम मोदी गुरुवार को लालगंज में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां लालगंज सीट से पार्टी प्रत्याशी नीलम सोनकर और आजमगढ़ सीट से प्रत्याशी दिनेश लाल यादव निरहुआ के समर्थन में वोट की अपील की। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि दो दिन पहले काशी में नामांकन के दौरान उत्सव का माहौल रहा। सिर्फ काशी में ही नहीं कन्याकुमारी से कश्मीर तक और अटक से कटक तक यही उमंग और उत्सव है।

मोदी और योगी पूर्वांचल की तस्वीर और तकदीर बदलेंगे : पीएम

लखनऊ, 16 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पूर्वांचल में आजमगढ़, जौनपुर, भदोही और प्रतापगढ़ की जनसभाओं को संबोधित किया और सभी जगह उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आने वाले 5 साल में मोदी और योगी मिलकर पूरे पूर्वांचल की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलने वाले हैं। इस दौरान पीएम मोदी ने सीएम योगी द्वारा माफिया के सफाए के साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़े बदलाव के लिए सीएम योगी की जमकर तारीफ की और पूर्वांचल को विकसित भारत का नया ग्रोथ इंजन करार दिया।

आजमगढ़ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माफिया और दंगाइयों के खिलाफ सीएम योगी द्वारा चलाए गए सफाई अभियान की तारीफ की। उन्होंने कहा कि सपा के गुंडाराज को आपने देखा है। बाजार सात बजे बंद हो जाते थे। माताएं बहनें घर से बाहर नहीं निकल पाती थीं, पढ़ाई के लिए भी बेटियां घर से नहीं निकल पाती थीं। आज भाजपा सरकार में यूपी का तेज विकास हो रहा है। एयरपोर्ट बने हैं, यूनिवर्सिटी बनी हैं। आज उत्तर प्रदेश में माफिया, दंगाइयों और रंगदारी मांगने वालों की सफाई करके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भरपूर स्वच्छता अभियान चलाया है।

इसी तरह, भदोही में भी पीएम ने माफिया के सफाए का जिक्र करते हुए कहा कि सपा सरकार में वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया हावी था। हर डिस्ट्रिक्ट में अलग माफिया का साम्राज्य था। हर जिले में इन लोगों ने एक-एक माफिया को ठेका देकर रखा था।

स्वाति मालीवाल प्रकरण में केजरीवाल का रवैया संदेहास्पद

जिससे स्वाति को पिटवाया उसे लेकर चल रहे साथ

अपने आवास में ही महिला सांसद के साथ कराई बदसलूकी

लखनऊ प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछे गए सवाल पर बोल नहीं पाए

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद एवं दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के साथ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर में हुई हिंसा और अभद्रता का मामला अरविंद केजरीवाल के पूरे चुनावी अभियान पर भारी पड़ रहा है। अरविंद केजरीवाल जहां भी जा रहे हैं, उनसे मुख्यमंत्री आवास में राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से हुई मारपीट पर प्रश्न पूछे जा रहे हैं। इससे अरविंद केजरीवाल का राजनीतिक अभियान पीछे छूट जा रहा है, जबकि स्वाति मालीवाल विवाद ज्यादा तेजी के साथ उभर कर सामने आ रहा है। स्वाति मालीवाल को केजरीवाल के घर में पीटने वाले केजरीवाल के पीए विभव कुमार लगातार केजरीवाल के ही साथ हैं। यहां तक कि लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीए केजरीवाल के साथ ही पाया गया। उस पर कोई कार्रवाई करने के बजाय अपने साथ लेकर घूमना भी आम आदमी पार्टी के लिए नई परेशानी का कारण बन रहा है। इससे लोकसभा चुनावों के ठीक बीच आम आदमी पार्टी की परेशानियां बढ़ गई हैं। गुरुवार को जब अरविंद केजरीवाल लखनऊ में सपा नेता अखिलेश यादव के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे, उस प्रेस कॉन्फ्रेंस पर भी स्वाति मालीवाल विवाद भारी पड़ गया। आम आदमी पार्टी नेता से स्वाति मालीवाल विवाद पर अब तक कोई कार्रवाई न करने पर प्रश्न पूछे गए। अरविंद केजरीवाल ने इस विषय पर कोई जवाब नहीं दिया।

जेल जाकर केजरीवाल की बुद्धि फिर गई है : योगी

बांदा, 16 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के बयानों पर तगड़ा पलटवार किया है। उन्होंने कहा है कि केजरीवाल की बुद्धि जेल जाने के बाद फिर गई है। अन्ना हजारे के सपनों पर पानी फेरने वाले केजरीवाल अब मेरा नाम लेकर बातें कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि अन्ना ने जिस कांग्रेस के खिलाफ आंदोलन किया था, केजरीवाल ने उसे ही अपने गले का हार बना लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि जेल जाकर उन्हें पता चल गया है कि अब वह कभी जेल के बाहर नहीं आने वाले हैं। उन्होंने अन्ना हजारे के सपनों पर पानी फेरने का काम किया है। इस पाप के लिए अन्ना हजारे उन्हें कभी माफ नहीं कर सकते। आम आदमी पार्टी ने सत्ता में पहुंचकर अपने इर्द-गिर्द भ्रष्टाचारियों का जमावड़ा लगा दिया है। अन्ना दुखी होते होंगे कि मेरे आंदोलन की उपज किस प्रकार की राजनीति करते हैं। केजरीवाल के जेल में होने से दिल्लीवासी खुश थे कि कम से कम उनकी खांसी बंद थी, अब ये फिर से दिल्ली वालों को खांसने के लिए मजबूर कर देंगे।

शेयर मार्केट

बीएसई : 72,987.03
-117.58 -0.16% ↓
एनएसई :22,200.55
-17.30 (-0.08%) ↓

कार्टून कॉर्नर

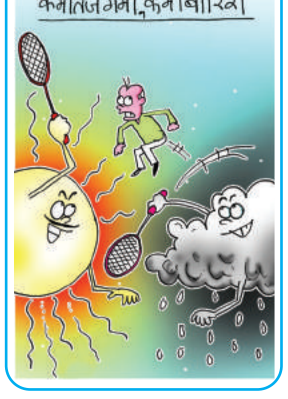

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 33⁰
न्यूनतम : 22⁰

भारतीय नागरिकता मिलने पर शरणार्थी भावना ने कहा

वहां हिंदू लड़कियों का जीना दुश्वार है, यहां खुश हूं

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान से आए हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के जरिए नागरिकता मिली है। नागरिकता मिलने के बाद शरणार्थी काफी खुश नजर आ रहे हैं। दिल्ली के आदर्श नगर में रहने वाले पाकिस्तान से आए हिंदू शरणार्थियों को सीएए के जरिए नागरिकता के कागजात मिले हैं। उनके चेहरों पर खुशी झलक रही है। मजनू का टीला में रहने वाले पाकिस्तानी शरणार्थियों को भी सीएए से नागरिकता मिलेगी।

पाकिस्तान की हिंदू शरणार्थी भावना भी उन लोगों में शामिल हैं जिन्हें सीएए के तहत भारत की नागरिकता मिली है। भावना ने कहा, पाकिस्तान में बहुत कठिनाइयां हैं। पाकिस्तान में हिंदू लड़कियों का जीना दुश्वार है। हिंदू लड़कियां वहां पढ़ नहीं सकतीं, अपने घरों से बाहर नहीं जा सकतीं। मुसलमान हिंदू लड़कियों का अपहरण कर लेते हैं और उन्हें जबरन इस्लाम में परिवर्तित कर निकाह करा देते हैं। लड़कियां इतनी डरी हुई रहती हैं कि वे बाहर नहीं जाती हैं। भावना ने कहा, जब मैं वहां थी तो मैं बहुत छोटी थी। मुझे अपने घर के अलावा और कुछ याद नहीं है, क्योंकि हम घर से बहुत कम निकलते थे। हमारे परिवार के बहुत से सदस्य अभी भी वहां हैं, जो भारत आना चाहते हैं। वे वीजा संबंधी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। हम अपने देश में आकर बहुत खुश हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने हमारी बहुत मदद की है, हम पीएम मोदी और अमित शाह को धन्यवाद देते हैं। मैं एक शिक्षक बनना चाहती हूं और महिलाओं को शिक्षित करना चाहती हूं।

सीएए के जरिए नागरिकता पाने वाले पाकिस्तान के एक और शरणार्थी ने कहा, जब हम 10 साल पहले यहां आए थे तो हमारे पास नागरिकता नहीं थी।

नागरिकता पाकर हम बहुत खुश हैं। हमें अपने बच्चों के स्कूलों में प्रवेश में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। अब हमारे बच्चों को उचित शिक्षा मिलेगी और हमारा भविष्य उज्ज्वल होगा।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 75,480/-
(प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 88,520/-
(प्रति किलोग्राम)

जीतो यूथ बेंगलूरु नॉर्थ की डिस्कवर वियतनाम यात्रा 17 से

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो यूथ बेंगलूरु नॉर्थ ने अपने प्राचीन समुद्र तटों, समृद्ध संस्कृति और जीवंत सड़कों के लिए प्रसिद्ध एक मनोरंजक यात्रा डिस्कवर वियतनाम के प्रस्थान की घोषणा की। यह बेंगलूरु यूथ चैप्टर की बेंगलूरु से प्रस्थान करने वाली पहली अवकाश अंतर्राष्ट्रीय यात्रा है, जहां 55 साहसी यात्री 17 मई से 25 मई तक 8 दिन और 9 रातों तक चलने वाली अविस्मरणीय यात्रा पर निकलेंगे, जिसमें हनोई, हालोंग बे, दा नांग और हो ची मिन्ह शामिल होंगे। यह गहन अनुभव शहर की खोज, सुंदर परिभ्रमण, टीम बॉन्डिंग गतिविधियाँ, ऐतिहासिक स्थलों की यात्रा और विविध वियतनामी संस्कृति में डूबने का वादा करता है।

ट्रैवेलबेल के तेजपाल और आर्यन के सहयोग से, जीतो यूथ बेंगलूरु नॉर्थ ने सभी प्रतिभागियों की सुरक्षा और आनंद सुनिश्चित करते हुए इस भ्रमण के हर पहलू की सावधानीपूर्वक योजना बनाई है।

आवास से लेकर जैन भोजन और दैनिक मनोरंजक गतिविधियों तक, हर विवरण को सोच-समझकर तैयार किया गया है। प्रस्थान से पहले, 12 मई 2024 को राजाजीनगर में जीतो कार्यालय में एक पूर्व-यात्रा बैठक आयोजित की गई थी। यह सभा यात्रियों के लिए जुड़ने, दैनिक यात्रा कार्यक्रम में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने और आवश्यक दस्तावेजों, स्थानीय नियमों और सुरक्षा प्रोटोकॉल पर आवश्यक जानकारी प्राप्त करने के अवसर के रूप में कार्य करती है। प्रत्येक यात्री को एक व्यापक यात्री किट प्राप्त हुई, जिसमें केबिन सामान, वीजा और टिकट शामिल थे, जो एक रोमांचक साहसिक कार्य के लिए मंच तैयार कर रहा था। बैठक में जीतो यूथ बेंगलूरु नॉर्थ के चेयरमैन मनीष कोठारी ने बताया कि कैसे इस तरह की यात्राएं हमारे सामुदायिक बंधन को मजबूत करने में मदद कर सकती हैं जिससे लोग बेहतर तरीके से जुड़ सकें। मुख्य सचिव खुशी पोरवाल ने बैठक की पूरी कार्यवाही पर नजर रखी। प्रबंधन समिति के सदस्य आशीष तपरावत ने पूरी बैठक का संचालन किया और भीड़ को उत्साहित किया। इस यात्रा के परियोजना संयोजक निशांत जैन (उपाध्यक्ष) और यश मेहता प्रबंधन समिति के सदस्य और खेल संयोजक ने उपस्थित यात्रियों और अभिभावकों को सफल यात्रा के लिए की गई सभी व्यवस्थाओं की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष ऋषभ सुराणा, उपाध्यक्ष ऋषभ बोहरा, संयुक्त सचिव निकिता बडेरा, एमसी सदस्य- लक्षित सोनेगरा, गौरव दलाल और अभिषेक सोलंकी भी बैठक में उपस्थित थे और उपस्थित सभी सदस्यों के साथ बातचीत की।

स्वच्छता पखवाड़े का समापन समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के प्रधान कार्यालय, नई दिल्ली की पहल पर तथा अपर केंद्रीय आयुक्त (मुख्यालय) अनिता सिन्हा दीक्षित के मार्गदर्शन में राजा राम मोहन रॉय रोड पर स्थित आंचलिक कार्यालय, बेंगलूरु व क्षेत्रीय कार्यालय, सेन्ट्रल में गत 1 से 15 मई के दौरान स्वच्छता पखवाड़े का सफल आयोजन किया गया। स्वच्छता पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य कार्यक्षेत्र को साफ सुथरा और स्वच्छ करना, आस-पास के क्षेत्र का रख-रखाव, पुराने रिकार्डों को नियमानुसार उनकी अवधारण अवधि के आधार पर छंटनी, ई-कचरे जैसे पुराने कंप्यूटर, प्रिंटर आदि की छंटनी एवं वृक्षारोपण इत्यादि था। इसमें कार्यालय के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों का सफल योगदान रहा। स्वच्छता पखवाड़े की अवधि समाप्त होने पर, मुख्य अतिथि अपर केंद्रीय आयुक्त (मुख्यालय) अनिता सिन्हा दीक्षित की गरीमामयी उपस्थिति तथा क्षेत्रीय कार्यालय, सेन्ट्रल के प्रभारी अधिकारी क्षेत्रीय आयुक्त (प्रथम) पी. सेंथिल कुमार की अध्यक्षता में समापन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान अनिता सिन्हा दीक्षित द्वारा कार्यालय परिसर में पर्यावरण को संरक्षित करने की दृष्टि से वृक्षारोपण किया गया तथा कर्मचारियों एवं आगन्तुक सदस्यों को पौधे वितरित किए गए। अनिता सिन्हा दीक्षित ने अपने अभिभाषण में, उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों व सदस्यों से अपील की कि हम सभी हमेशा स्वच्छता व पर्यावरण के प्रति जागरूक बनें एवं एक जिम्मेदार नागरिक बनकर सहयोग एवं संरक्षण करें। यह न केवल पखवाड़े की अवधि के दौरान बल्कि इसे सर्वदा ध्यान में रखें। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी का भी मानना था कि स्वच्छ पर्यावरण सिर्फ एक नागरिक कर्तव्य नहीं बल्कि हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है। समारोह में क्षेत्रीय आयुक्त (प्रथम) सुनील कुमार, क्षेत्रीय आयुक्त (प्रथम) जसवीर, क्षेत्रीय आयुक्त (द्वीतीय) कुमार राहुल व सहायक आयुक्त जे. हरी भी उपस्थित रहे। स्वच्छता पखवाड़े व समापन समारोह के आयोजन में अंचल के कनिष्ठ अभियंता मैदीन, लेखा अधिकारी अजय कुमार झा व नारायण एस. व कार्यालय रख-रखाव अनुभाग के सभी सहभागी कर्मचारियों का विशेष व सराहनीय योगदान रहा।

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

निर्धारित ट्रेड फेयर के लिए लगभग 80 प्रतिशत स्लॉट हुए बुक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन की गुरुवार को बैठक हुई, जहां इंस्टॉल बुकिंग संबंधित मुद्दों पर चर्चा की गई। निर्धारित ट्रेड फेयर के लिए लगभग 80 प्रतिशत स्लॉट बुक हो चुके हैं और अभी काफी बुकिंग की मांग हो रही है। बैठक में भोजन कमेटी, आवास प्रवास कमेटी सहित जो भी बाहर से व्यापारी आने वाले हैं उनके ठहरने के लिए व्यवस्था सहित कई विषयों पर चर्चा की गई। हर साल की तरह इस साल भी होने वाले ट्रेड फेयर का आयोजन आगामी 16 से 18 जुलाई को होगा। जिसको लेकर तैयारी जोरो पर जारी है, ताकि बड़े पैमाने पर व्यापार ट्रेड फेयर आयोजित किया जा सके। जिसमें फैशन शो के लिए भी चर्चा हुई। बैठक में आयोजनकर्ता कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, महावीर चंद्र मेहता, सचिव रविंद्र बंबोली, कोषाध्यक्ष प्रकाश जैन, सह सचिव सैंकी जैन, सह कोषाध्यक्ष विनोद चौहान के अलावा पूर्व अध्यक्ष ओकचंद जैन, मूल सिंह राजप-रोहित, राजेश चोपड़ा, महेंद्र जैन, महिपाल जैन, गौरव शर्मा, मनीष जैन सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

सामूहिक सामायिक दिवस का आयोजन 19 को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
समस्त जैन समाज जैन युवा संगठन बेंगलूरु द्वारा चतुर्विध संघ स्थापना दिवस पर 19 मई को चामराजपेट स्थित मराठा हॉस्टल, में प्रातः 8 बजे से 10 बजे तक सभी चारित्रात्माओं के सानिध्य में सामायिक आराधना दिवस मनाया जाएगा।

जैन युवा संगठन विगत 14 वर्षों से साशन स्थापना दिवस को सामायिक दिवस के रूप में मानता आ रहा है। इस दिन समस्त जैन समाज बेंगलूरु को एक सूत्र में पिरोते हुए सामूहिक रूप से अपने अपने आमना अनुसार 2 सामायिक का लक्ष्य सभी धर्मानुरागी भइयों और बहनों द्वारा किया जाएगा। आचार्य श्री प्रमाणसागरजी, मुनि बोधिप्रभविजयजी, मुनि मलयप्रभसागरजी, साध्वी सुशीलाकवारजी, साध्वी दर्शनप्रभाश्रीजी, साध्वी धर्मप्रभाजी, साध्वी मणिप्रभाजी, साध्वी विपुलदर्शनाजी, साध्वी अरिहंत प्रभाश्रीजी, साध्वी सिद्धप्रभाजी, साध्वी आगमश्रीजी, साध्वी प्रियस्वर्णजनाश्रीजी, साध्वी उदितयशाजी, साध्वी अमृतप्रभाश्रीजी, साध्वी प्रियेशुतअंजनाश्रीजी के पधारने की संभावना है। अध्यक्ष महेंद्र बागरेचा के नेतृत्व में समन्वय समिति के चेयरमैन दिलीप संचेती, सह चेयरमैन विपुल पोरवाल, प्रवीण लालवानी, मंत्री मदन मुणोत, उपाध्यक्ष महावीर मुणोत, पूर्व अध्यक्ष दिनेश खिवेसरा, पूर्व उपाध्यक्ष मुकेश बाबेल आयोजन की व्यवस्था में लगे हुए है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *नागरभावी स्थित डॉ अंबेडकर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित संस्कृत 2024 के अंतर्गत गुरुवार को खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। क्रिकेट, वॉलीबॉल, कबड्डी, थ्रो बॉल एवं विभिन्न स्पर्धा में 20 से भी ज्यादा महाविद्यालय की टीमों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सपने बड़े देखों क्योंकि मेहनत से सब कुछ संभव है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

आत्मा की उज्जवलता और निर्मलता हेतु तप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री ब्यावर संघ बेंगलूरु द्वारा तपस्या के द्वारा अपने कर्मों को क्षीण करने वाले वर्षीतप के तपस्वी विजयलक्ष्मी कोठारी और अक्षय श्रीश्रीमाल का शाल, माला से अभिनंदन किया गया। संघ के सहमंत्री और प्रवक्ता ललित डाकलिया ने बताया कि परमात्मा आदिनाथ ने अपने पूर्व भव में बैलों के मुंह पर छींका बांधा था, उसी की प्रतिक्रिया स्वरूप आदिनाथ के भव में दीक्षा लेने के बाद उन्हें छठ की तपस्या करने के पश्चात पारणे के लिए चार सौ दिनों तक आहार नहीं मिला था। उस काल में किसी को भी दान देने की कला नहीं आती थी। चार सौ दिनों के पश्चात आदिनाथ के सांसारिक पौत्र श्रेयांस कुमार ने परमात्मा को इक्षु रस का पारणा करवाया था। परमात्मा की इसी चार सौ उपवास की तपस्या के निमित्त वर्षीतप की आराधना की जाती है। संघ के चेयरमैन अरविन्द खिंवसरा, अध्यक्ष पदमचंद बोहरा, महामंत्री अरविन्द कोठारी, सहमंत्री ललित डाकलिया, कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा, भरत कोठारी, वर्धमान श्रीश्रीमाल ने तपस्यार्थियों का अभिनन्दन किया।

झील में डूबने से चार बच्चों की मौत

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले में स्थित एक झील में डूबने से चार बच्चों की मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने जानकारी दी कि गुरुवार को अपने गांव की एक झील में तैरने गए चार बच्चों की डूबने से मौत हो गई। यह हादसा हासन जिले के अलूर तालुक के मुथिगे गांव में हुआ। स्कूल से छुट्टी होने पर चारों बच्चे झील में तैरने गए थे, तभी यह हादसा हुआ। मृतकों की पहचान सात्विक (13), जीवन (13) विश्वा (12) और पृथ्वी (12) के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है।

शैक्षणिक सत्र 24-25 के लिये जीतो स्कॉलरशिप सेवा प्रारंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
समाज की शिक्षा, सेवा एवं आर्थिक सुधृढ़ता के लिये समर्पित जीतो बेंगलूरु की अति महत्वाकांक्षी योजना जैन बंधु के अन्तर्गत संचालित जीतो स्कॉलरशिप की शैक्षणिक सत्र 24-25 की शुरुआत जीतो कार्यालय में हुई। जीतो एपेक्स के सलाहकार समिति के अध्यक्ष तेजराज गुलेच्छा ने इस अवसर पर कहा कि जैन बंधु योजना के अन्तर्गत संचालित मासिक अर्थ सहयोग व स्कॉलरशिप सेवा से जीतो के स्थापना उद्देश्यों की पूर्ति हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा व प्रतिकूल व्यापारिक हालातों, कोरोना काल में बिगड़ी स्थिति तथा अन्य सामाजिक परिस्थितियों के कारण समाज के निम्न मध्यम परिवारों को अनेकों समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और ऐसी परिस्थिति में जैन बंधु जैसी जनुपयोगी योजना से जरूरतमंदों को राहत मिलती है।

उन्होंने परिस्थितिनुसार ज्यादा से ज्यादा सहायता पहुँचाने का निर्देश स्कॉलरशिप समिति को दिया। इस अवसर पर उप-स्थित जीतो बेंगलूरु साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने ज्यादा से ज्यादा स्कॉलरशिप जरूरतमंदों को जीतो कार्यालय तक भेजने का अनुरोध जीतो सदस्यों व समाज से किया। उन्होंने कहा कि अंतिम जरुरतमन्द तक पहुंचना जीतो का लक्ष्य है। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा ने पिछले कई वर्षो से गतिमान इस योजना के सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। जीतो जैन बंधु योजना के अध्यक्ष अशोक गजानन ने जरूरतमंदों से बिना किसी हिचकिचाहट के जीतो कार्यालय आकर स्कॉलरशिप फार्म के साथ आवश्यक दस्तावेज देने का अनुरोध किया।

योजना के मंत्री सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार योजना में समाज के आर्थिक रूप से कमजोर तबके को लाभांवितों की श्रेणी में रखा गया है। उन्होंने योजना में सहायक बन रहे आदर्श कॉलेज, अरिहंत कॉलेज, सीबी भंडारी कॉलेज, जैन कॉलेज एवं सुराणा कॉलेज के व्यवस्थापकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्कॉलरशिप समिति के नीतेश गांधी, निर्मल बाफना, दिलीप रायसोनी इत्यादि भी मौजूद थे।

इंटर जोन ऑनलाइन जीतो बिजनेस नेटवर्क रेफरल बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ और जीतो महिला विंग चेन्नई द्वारा इंटर जोन ऑनलाइन जीतो बिजनेस नेटवर्क रेफरल मीटिंग आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत सुनीता गांधी के स्वागत से हुई, जिसमें जेबीएन सत्र और उसके लाभ बताए गए। कार्यक्रम का संचालन चेन्नई जेबीएन कन्वेनर प्रियंका बरडिया ने किया। एपेक्स जेएलडब्ल्यू जेबीएन संयोजक ज्योति जैन ने सभा को संबोधित करते हुए रेफरल महत्व पर प्रकाश डाला क्योंकि यह महिलाओं के लिए अपने व्यवसाय में आगे आने का एक अवसर है और उन्होंने जेबीएन के नियमों की भी जानकारी दी। केकेजी जोन जेएलडब्ल्यू संयोजक यशमा जैन

ने बताया कि जेबीएन एक ऐसा मंच है जहां सभी एक साथ प्रगति करते हुए, विचारों का आदान-प्रदान कर सकते हैं। नया कनेक्शन बनाते और नेटवर्क बढ़ाते हुए एक सामान्य लक्ष्य साझा करते हैं। विभिन्न राज्यों से जुड़ने के लिए इंटरजोन मीटिंग के महत्व को भी साझा किया गया। जेएलडब्ल्यू चेन्नई चैप्टर जेबीएन सह संयोजक अंजना मरलेचा ने सभी रेफरल प्रतिभागियों का प्रश्नोत्तरी सत्र किया। जेएलडब्ल्यू बेंगलूरु दक्षिण की मुख्य सचिव मोनिका पिरगल बिनायकिया और जेएलडब्ल्यू संयोजक टीएनएपीटीएस जोन की संयोजक सरला भूतोरिया ने टीम को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दी। एसएसबी सह संयोजक रेखा ने प्रेरक वक्ता और संरक्षक बबीता रायसोनी का परिचय दिया। बबीता रायसोनी ने जेबीएन के महत्व को बताते हुए ऊर्जावान सत्र की शुरुआत की और कहा कि समय का निवेश करें। इसके लिए पहली ऑनलाइन बैठक में शामिल होकर सभी के साथ अपना परिचय बढ़ाए। नेटवर्किंग के महत्व का उपयोग करें और प्रत्येक बैठक में भाग लें। एक दूसरे से अपने अनुभव के बारे में बात करने से कुछ नया सीखने को मिलता है, यह तभी होता है जब आप समय का निवेश करते हैं। रचनात्मकता के लिए नवाचार महत्वपूर्ण है जो लीक से हटकर सोच कर किया जा सकता है और महिलाओं को सशक्त भी बनाता है। इस बैठक में कुल 45 प्रतिभागी शामिल हुए, प्रत्येक प्रतिभागियों ने 30 सेकेंड में अपने व्यवसाय का विवरण बताने का समय लिया। जेएलडब्ल्यू चेन्नई चैप्टर जेबीएन संयोजक प्रियंका बरडिया द्वारा संचालित सभी को अपनी व्यावसायिक प्रोफाइल प्रस्तुत की। चेन्नई जीतो महिला विंग की मुख्य सचिव सपना बेताला ने धन्यवाद व्यक्त किया।

मेंगलूरु, उडुपी में 19 मई तक येलो अलर्ट जारी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय मौसम विभाग ने आगामी 19 मई तक तटीय क्षेत्र के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें प्री-मानसून बारिश तेज होने की संभावना जताई गई है। इस अवधि के दौरान जुड़वां जिलों मेंगलूरु-उडुपी के विभिन्न हिस्सों में गरज के साथ बारिश होने का अनुमान है। बुधवार को बेल्टांगडी और सुलिया के कई इलाकों में काफी बारिश हुई। इसके अतिरिक्त, मेंगलूरु शहर में बादल छाए रहे, अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री और न्यूनतम 25 डिसे दर्ज किया गया। उडुपी जिले में मंगलवार देर रात तेज रफ्तार हवाओं और बारिश के कारण कुछ क्षेत्रों में नुकसान हुआ। उडुपी जिले में लगभग 120 बिजली के खंभे उखड़ने की सूचना है। साथ ही सात ट्रांसफार्मर और 1.32 किमी बिजली के तार को नुकसान पहुंचा है। मेस्कॉम को करीब 22 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है।

स्थानांतरण घोटाला, हर पद के लिए दर निर्धारण, कर्नाटक में अभूतपूर्व भ्रष्टाचार: अश्वथ नारायण

कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा ने आरोप लगाया है कि कर्नाटक में अभूतपूर्व स्तर पर भ्रष्टाचार है, विभाग में हर पद के लिए एक कीमत तय है। पूर्व मंत्री डॉ. सीएन अश्वथ नारायण, विधान परिषद सदस्य चलवादी नारायण स्वामी, पूर्व विधायक पी. राजीव ने पार्टी कार्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में सरकार पर जमकर हमला बोला। डॉ सीएन अश्वथ नारायण ने कहा कि सरकार भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। राशि चुकाने पर ही विभाग में सामरिक पदों का स्थानांतरण किया जाता है।

उन्होंने कहा कि हर विभाग में हर पद के लिए रेट तय है। प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गयी है। समाजवादी ताकतें, कट्टरपंथी हंस रहे हैं। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि सत्ता में एक साल पूरा कर चुकी सरकार आम लोगों को सुरक्षा देने में पूरी तरह विफल रही है।

एक साल में हत्या, रंगदारी, धर्मांतरण कराने वालों के तुष्टिकरण से कानून व्यवस्था खराब हो गयी है। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि शून्य विकास और निकम्मी सरकार कांग्रेस की एक साल की उपलब्धि है। सरकार शासन करने में विफल रही है। लोग कोस रहे हैं कि क्या ऐसी पार्टी कभी सत्ता में आयेगी। राष्ट्रीय अपराध आंकड़ों के अनुसार, राज्य में 60 फीसदी अपराध के मामले बढ़े हैं।

इसके लिए कौन जिम्मेदार है? सिर्फ एक महीने में हुब्बल्ली में दो नरसंहार हुए हैं। नेहा की हत्या के बाद अब अंजलि की हत्या कर दी गई है। इस सरकार में आम लोगों को कोई सुरक्षा नहीं है। हत्या और रंगदारी लगातार जारी है।

उन्होंने आलोचना की कि सरकार विद्रोही तरीके से व्यवहार कर रही है। लोगों को डर है कि कब क्या होगा। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो गयी है। मंत्री डॉ. जी परमेश्वर गृह विभाग संभालने में फेल हो गये हैं। उन्हें नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। सरकार ने जानबूझकर पेन ड्राइव मामले को दबाने की साजिश रची है।

पहली बार एफआईआर दर्ज होने पर भी प्रज्वल रेवन्ना को गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया? अगर आप वाकई पीड़ितों को न्याय चाहते हैं तो निष्पक्ष जांच होनी चाहिए थी। जब एसआईटी का गठन हुआ तो क्या खुफिया विभाग में विदेश जाने की संवेदनशीलता नहीं थी? सरकार ने प्रज्वल रेवन्ना को विदेश भेजने की योजनाबद्ध तरीके से योजना बनाई थी। अब वे इसका राजनीतिक इस्तेमाल कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव के मतदान के बाद इस मामले को लेकर कोई भी गंभीर नहीं है। पार्टी महासचिव पी. राजीव ने कहा क्या सरकार में जान है? या मर गया? सरकार महिलाओं, दलितों और निर्दोषों की रक्षा करने में विफल रही है। इसलिए राज्यपाल से मांग की जाएगी कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर को बर्खास्त किया जाना चाहिए। लोगों, संपत्ति की रक्षा करना और कानून व्यवस्था बनाए रखना सरकार का कर्तव्य है।

अब ठगों की जगह है

कर्नाटक, जो कभी शांति की भूमि हुआ करता था, अब ठगों की जगह है। मुख्य आरोपी को छोड़कर निर्दोषों के खिलाफ शिकायत दर्ज की जाती है। छात्रा अंजलि की हत्या से पहले आरोपियों ने धमकी दी थी कि तुम्हें भी नेहा की तरह जान से मार देंगे। हालांकि उसके रिश्तेदारों ने इसकी शिकायत की, लेकिन पुलिस ने इसे अंधविश्वास बताया। सबसे पहले उन्होंने मांग की कि इन अधिकारियों को स्थायी रूप से सेवा से बर्खास्त किया जाए।

सूखा राहत का पैसा कर्ज वसूली के रूप में जमा कर रहे बैंक : कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने मांग की है कि राज्य सरकार को बैंकों को चेतावनी देनी चाहिए कि वे किसानों को दी जाने वाली सूखा राहत की राशि जमा न करें। इस संबंध में उन्होंने पोस्ट किया कि राज्य सरकार को तत्काल किसानों को ऋण देने वाले सभी बैंकों के प्रमुखों की बैठक बुलाकर इस मामले पर गंभीरता से चर्चा करनी चाहिए और उन्हें निर्देश देना चाहिए कि वे सूखा राहत राशि को ऋण के रूप में जमा न करें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा किसानों के बैंक खातों में जमा की गयी सूखा राहत की राशि को किसानों के ऋण में जमा करने वाले बैंकों का व्यवहार वास्तव में क्रूर और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि पहले से ही भीषण सूखे और फसल की बर्बादी से जूझ रहे किसानों की आंखों में आंसू लाने का अमानवीय कृत्य गलत है, चाहे इसे किसी भी नजरिए से देखें, किसानों की पीड़ा का कोई अंत नहीं है। लेकिन उन्होंने अपने हाथ बांधे रखने के लिए राज्य की कांग्रेस सरकार की आलोचना की, जिसे उनके आंसू पोंछने और दाता के रूप में खड़े होने की उम्मीद थी।

हुब्बल्ली हत्या के बाद नेहा हिरेमथ के पिता का दावा

राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर हैं असफल

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
कांग्रेस पार्षद निरंजन हिरेमठ, एमसीए छात्रा नेहा हिरेमथ के पिता, जिनकी पिछले महीने कर्नाटक के हुब्बल्ली शहर में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी, ने शहर में हत्या की नवीनतम घटना पर राज्य के गृह मंत्री जी परमेश्वर की आलोचना की, जिसमें 20 साल की अंजलि अम्बिगेरा की उसके आवास पर एक पीछा करने वाले ने हत्या कर दी।

हुब्बल्ली में अंजलि के परिवार के सदस्यों से मिलने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा मैं राज्य सरकार और गृह विभाग को बताना चाहता हूं कि गृह मंत्री जी परमेश्वर असफल हैं। यदि आप (परमेश्वर) सक्षम नहीं हैं, तो बेहतर होगा कि आप इस्तीफा दे दें और घर जाएं। यदि आप हुब्बल्ली-धारवाड़ आयुक्त रेणुका सुकुमार को स्थानांतरित नहीं कर सकते, तो बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। हुब्बल्ली में पुलिस विभाग की विफलता के कारण हुई अंजलि की हत्या के जवाब में राज्य सरकार को एक बैठक बुलानी चाहिए और एक कुशल पुलिस अधिकारी की नियुक्ति करनी चाहिए। यहां तक कि पुलिस को आरोपियों की धमकियों के बारे में सूचित किया गया था, उन्होंने पूरी लापरवाही दिखाई और घटना के लिए वही जिम्मेदार हैं। निरंजन हिरेमथ ने कहा कि पुलिस आयुक्त रेणुका सुकुमार जवाब नहीं दे रही थीं और जब मेरी बेटी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई तो मैंने दृढ़ता से आग्रह किया कि उनका स्थानांतरण किया जाना चाहिए। अब, एक और घटना हुई है। निरंजन ने कहा हत्यारे ने एक सप्ताह पहले अंजलि को धमकी दी थी और परिवार के सदस्यों के सामने उसे चाकू मार दिया था, जो पुलिस की पूरी तरह से विफलता और कानून का कोई डर नहीं दिखाता है। मीडिया के एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, आज तक, गृह मंत्री परमेश्वर ने मेरी बेटी की हत्या के बाद मुझे एक बार भी फोन करने की जहमत नहीं उठाई। वह प्रचार करने के लिए पास के शहर में आए, लेकिन मेरे घर नहीं गए। हालांकि, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मुझसे और मेरे परिवार से मुलाकात की। मैंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को सूचित किया है कि हुब्बल्ली-धारवाड़ आयुक्त रेणुका सुकुमार सिस्टम चलाने में सक्षम नहीं हैं। वे उन्हें कितने दिनों तक सत्ता में रखना चाहते हैं और हमारे शहर को नष्ट करना चाहते हैं?

जेडीएस-भाजपा पेन ड्राइव मामले को छिपाने की कोशिश कर रही: प्रियांक खड़गे

मामले के बाद भी जेडीएस-भाजपा गठबंधन जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने आरोप लगाया है कि पेन ड्राइव मामले के बाद भी विधान परिषद चुनाव में जेडीएस-भाजपा गठबंधन जारी है, यानी दोनों पार्टियां मिलकर मामले को रफा-दफा करने की कोशिश कर रही हैं। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान यह मामला सामने आया था। इसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि शायद भाजपा जेडीएस से दूरी बना सकती है। लेकिन विधान परिषद चुनाव में भी गठबंधन जारी है। भाजपा ने जेडीएस को सीटें छोड़ दी हैं। इसका मतलब है कि भाजपा के लिए सत्ता महत्वपूर्ण है, लेकिन कोई कितना भी बड़ा अपराध कर ले, उसकी कोई गिनती नहीं है। हर बार वे सीबीआई जांच की मांग करते हैं। क्यों जरूरी है सीबीआई जांच? पिछले अवैध खनन और डीएसपी गणपति मामलों में सीबीआई ने क्या किया है? हमारी पुलिस जांच रिपोर्ट की मंजूरी के अलावा कोई प्रगति नहीं हुई है। जेडीएस-भाजपा की मंशा अमित शाह के माध्यम से मामले को रफा-दफा करने की है। इसलिए वे जांच को भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। वे हर बार मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और गृह मंत्री परमेश्वर का इस्तीफा मांग रहे हैं। जेडीएस नेताओं ने खुद माना है कि हमारे परिवार के बेटे ने गलती की है। यदि हां, तो कांग्रेसियों को इस्तीफा क्यों देना चाहिए? प्रियांक खड़गे ने मांग की कि प्रज्वल रेवन्ना के परिवार वालों को मामले की नैतिकता को देखते हुए अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। हुब्बल्ली के नेहा मामले में जमकर विरोध करने वाली भाजपा हासन के पेन ड्राइव मामले में तटस्थ क्यों है? कहां गायब हैं विपक्षी नेता आर अशोक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र? क्यों न हासन जाकर पीड़ितों को सांत्वना दी जाए। डर है कि वहां के लोग पथराव करेंगे? अगर राजनीतिक लाभ नहीं होगा तो भाजपा को पीड़ितों की परवाह नहीं होगी।

नेहा के मामले में व्यक्तिगत रुचि

कोडागु छात्रा हत्याकांड, हासन के पेन ड्राइव मामले में भाजपा की सांस नहीं फूल रही है। वहीं हुब्बल्ली मामले में अमित शाह से लेकर तमाम भाजपा नेता पीड़िता के घर पहुंचे। उन्होंने नेहा के मामले में व्यक्तिगत रुचि ली। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इसका मतलब उनका राजनीतिक लाभ है न कि लोगों की चिंता। केंद्र सरकार आरोपी प्रज्वल की गिरफ्तारी में कोई सहयोग नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी हो चुका है और केंद्र सरकार ने इंटरपोल को कोई पत्र नहीं लिखा है।

अंजलि की हत्या पर बहन बोली

शिकायत दर्ज होने पर अगर हमें सुरक्षा दी गई होती तो हमारी बहन जिंदा होती

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
हुब्बल्ली में हत्या की शिकार अंजलि की बहन यशोदा ने आक्रोश जताते हुए कहा कि पैसे देने वालों को पुलिस वाले देखते हैं, दस, बीस हजार देंगे तो छोड़ देंगे, महिलाओं के लिए ये कहां का न्याय है? पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बहन की मौत पर न्याय मिलना चाहिए, हत्यारे को गिरफ्तार कर हुब्बल्ली के चन्नम्मा सर्कल में पीटना चाहिए। अगर पुलिस ऐसा नहीं कर सकती तो हमें दे दो। हम खुद कार्रवाई करेंगे। फिर केस दर्ज कर हमें जेल भेज दो। भले ही हमारी जिंदगी बर्बाद हो जाए, हमें चिंता करने की जरूरत नहीं है। जब हमारी बड़ी बहन ने शिकायत की कि उसे परेशानी हो रही है, तो उन्होंने इसे अंधविश्वास कहकर खारिज कर दिया। अब हमारी बहन की हत्या कर दी गयी। अब कोई आ रहा है, हमारे लिए एक लाख, दो लाख, सोना दे रहा है। हमने उसे खो दिया है, हमें उसके पैसे का क्या करना चाहिए? हम काम करते हैं और खाते हैं। आपका पैसा नहीं चाहिए। उन्होंने मौत के लिए न्याय की गुहार लगाई। अगर हमें बहन की मौत का न्याय नहीं मिला तो हमारे परिवार के चारों लोग जहर खाकर आत्महत्या कर लेंगे। फिर भी क्या मामले को गंभीरता से लिया जाएगा? अब घर में मर्डर हो गया। कल सड़क पर, फुटपाथ पर हत्या होगी। क्या वे तब तक इंतजार करेंगे? हम पहले ही दो बहनों, अंजलि और नेहा को खो चुके हैं। उन्होंने मांग की कि हत्यारों को यही सजा मिलनी चाहिए। अगर हमारी सुरक्षा के लिए कार्रवाई की गई होती तो हमारी बहन नहीं मारी जाती। क्या शिकायत को अंधविश्वास कहकर खारिज करने वालों के घर में बेटियां नहीं हैं? क्या अब वह हमारी बहन को वापस लाएंगे? ज्ञातव्य है कि एक चौंकाने वाली घटना में, हुब्बल्ली शहर में बुधवार तड़के एक नाराज प्रेमी ने एक लड़की के घर में घुसकर उसकी चाकू मारकर हत्या कर दी थी। आरोपी ने पहले युवती को धमकी देते हुए चेतावनी दी थी कि उसका भी हाल नेहा हिरेमथ जैसा ही होगा, जिसकी हाल ही में हुब्बल्ली में एक कॉलेज परिसर में बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी सुबह 5.30 बजे महिला के घर में घुसा और जब वह सो रही थी तो उस पर हमला कर दिया। इससे पहले कि वह प्रतिक्रिया दे पाती, आरोपी उस पर हमला कर चुका था। परिवार द्वारा हमलावर को रोकने के प्रयासों के बावजूद, व्यक्ति ने महिला की हत्या कर दी और भागने में सफल रहा। आरोपी ने पीड़िता की दादी और दो बहनों की मौजूदगी में वारदात को अंजाम दिया। वह उसे पूरे घर में घसीटता रहा, लातें और चाकू मारता रहा। बाद में हत्यारे ने उसे रसोई में धकेल दिया जहां उसने उस पर फिर से चाकू से वार किया।

मैसूरु चलने का दबाव बना रहा था

यह घटना बेंडिगेरी पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में वीरपुरा ओनी इलाके में हुई। मृतक महिला की पहचान अंजलि अम्बिगेरा के रूप में हुई है, जबकि हत्यारे का नाम विश्वा है, जिसे गिरीश के नाम से भी जाना जाता है। इस घटना ने राज्य को झकझोर कर रख दिया, जो उसी शहर के एक कॉलेज परिसर में एक नाराज प्रेमी द्वारा एमसीए छात्रा नेहा हिरेमथ की नृशंस हत्या के बाद हुई। विश्वा घटनास्थल से भाग गया था। परिवार ने पुलिस को बताया कि उसने धमकी दी थी कि अगर उसने उसकी भावनाओं का जवाब नहीं दिया तो वह नेहा हिरेमथ की तरह उसे भी मार डालेगा। आरोपी अंजलि को ब्लैकमेल कर रहा था और उस पर अपने माता-पिता को बताए बिना अपने साथ मैसूरु चलने का दबाव बना रहा था। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला कि आरोपी का चोरी के मामलों में शामिल होने का इतिहास है और वह बाइक चोर के रूप में भी जाना जाता है। अंजलि की दादी गंगम्मा ने पहले पुलिस से संपर्क किया था और उन्हें आरोपियों की धमकियों के बारे में बताया था। हालाँकि, पुलिस ने शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया और उसे दूर भेजने से पहले उसे ज्यादा चिंतित न होने की सलाह दी।

ऑपरेशन की जरूरत नहीं, कांग्रेस विधायक ही सरकार गिराने के होंगे जिम्मेदार: शेट्टर

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर ने कहा कि सिद्धरामैया सरकार को गिराने के लिए ऑपरेशन कमल चलाने की जरूरत नहीं है, नाराजगी से उबल रहे कांग्रेस विधायक ही सरकार गिराने के लिए जिम्मेदार होंगे। शहर स्थित अपने आवास पर मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत में उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए धन जारी नहीं होने से सभी विधायक नाराज हैं और लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद किसी भी समय उनका असंतोष फूट सकता है। सीएम और डीसीएम के बीच सीएम कुर्सी की लड़ाई सरकार बनने के पहले से ही चल रही है। यह साफ नहीं है कि सिद्धरामैया 5 साल के लिए मुख्यमंत्री रहेंगे या आधे कार्यकाल के बाद छोड़ देंगे। सीएम की कुर्सी के लिए डीके शिवकुमार द्वारा की जा रही कवायद भी सरकार के पतन का कारण बनेगी।

प्रज्वल रेवन्ना ने एक्स अकाउंट का ब्लू टिक मार्क खो दिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
यौन उत्पीड़न मामले का सामना कर रहे हासन जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना ने अपने सोशल मीडिया एक्स अकाउंट से ब्लू टिक मार्क खो दिया है। कंपनी वेरिफाइड अकाउंट के तौर पर यूजर को ब्लू टिक देती है। कुछ दिन पहले जो नीला टिक मार्क था वह अब प्रज्वल के खाते में दिखाई नहीं दे रहा है। प्रज्वल का खाता विविध खाता स्थिति से बाहर है और एक्स कंपनी ने आधिकारिक खाते को अमान्य करने का कोई कारण नहीं बताया है। एक्स से पहले ऑफिशियल और संभ्रांत लोगों को ट्विटर अकाउंट इस्तेमाल करते समय ब्लू टिक मार्क दिया जाता था। इसी तर्ज पर प्रज्वल को भी दिया गया था। इसे अब बिना कोई कारण बताए रद्द कर दिया गया है। ट्विटर कंपनी संभालने के बाद उद्यमी एलन मस्क ने कई बदलाव किए हैं। ग्राहक पैसे देकर ब्लू टिक मार्क पा सकते हैं। प्रति माह एक निश्चित राशि का भुगतान करना होगा। प्रज्वल के मामले में, यह ज्ञात नहीं है कि क्या उसने ब्लू टिक मार्क पाने के लिए भुगतान नहीं किया था या उसने अपने ऊपर लगे हालिया आरोपों के बाद स्वेच्छा से ब्लू टिक खो दिया था।

बदसलूकी केस में स्वाति मालीवाल ने पुलिस में दर्ज कराई लिखित शिकायत

कहा- मेरे साथ जो हुआ वो बहुत बुरा था, पुलिस से जताई उचित कार्रवाई की उम्मीद

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने आखिरकार गुरुवार को तीन दिन बाद सीएम आवास पर अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव विभव कुमार के द्वारा की गई बदसलूकी के मामले में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

दिल्ली पुलिस की एक टीम स्वाति के घर पहुंची और उनका बयान दर्ज किया। करीब चार घंटे उनके आवास पर रही पुलिस टीम में स्पेशल सेल के अतिरिक्त आयुक्त पीएस कुशवाहा के अलावा उत्तरी जिला की अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अंजीथा चेपयाला मौजूद थीं।

स्वाति ने एक्स पर इस बात की पुष्टि करते हुए लिखा, मेरे साथ जो हुआ वो बहुत बुरा था। मेरे साथ हुई घटना पर मैंने पुलिस को अपना स्टेटमेंट दिया है। मुझे आशा है कि उचित कार्यवाही होगी।

पिछले दिन मेरे लिए बहुत कठिन रहे हैं। जिन लोगों ने प्रार्थना की उनका धन्यवाद करती हूं। जिन लोगों ने चरित्र हनन करने की कोशिश की, ये बोला की दूसरी पार्टी के इशारे पर कर रही है, भगवान उन्हें भी खुश रखे। देश में अहम चुनाव चल रहा है, स्वाति मालीवाल

ज़रूरी नहीं है, देश के मुद्दे ज़रूरी हैं। भाजपा वालों से खास गुजारिश है इस घटना पर राजनीति न करें। गौरतलब है सुश्री स्वाति के साथ मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर श्री केजरीवाल के निजी सहायक विभव कुमार ने दुर्व्यवहार किया था। इस घटना की पार्टी की ओर से बुधवार को निंदा की गई और कहा गया कि मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लिया है।

स्वाति मालीवाल मामले में महिला आयोग ने विभव कुमार को किया तलब

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय महिला आयोग ने राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट करने के मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव विभव कुमार को तलब किया है। महिला आयोग ने गुरुवार को विभव कुमार के कार्यालय को भेजे एक पत्र में उन्हें 17 मई सुबह 11 बजे आयोग के समक्ष पेश होने को कहा है। आयोग ने कहा है कि अगर निर्धारित समय पर वह आयोग के समक्ष पेश होने में विफल रहते हैं तो प्रावधानों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आयोग में अवर सचिव शालिनी रस्तोगी ने पत्र में कहा है कि आयोग ने सुश्री मालीवाल के साथ मारपीट के समाचारों पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग के कहा है कि समाचारों के अनुसार राज्यसभा सांसद एवं दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल के साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव विभव कुमार ने हिंसक हमला किया है।

सुश्री मालीवाल के साथ पिछले दिनों मुख्यमंत्री के आवास पर उनके निजी सचिव ने मारपीट की थी जिसके कारण दिल्ली पुलिस को फोन भी किया गया था। इसके बाद सुश्री मालीवाल थाने गई लेकिन बिना को शिकायत दर्ज कराये लौट गईं।

स्वाति मालीवाल के साथ अभद्रता करने के वालों पर संज्ञान लें राज्यसभा के सभापति

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने गुरुवार को कहा कि राज्यसभा की सांसद स्वाति मालीवाल के साथ अभद्रता करने वाले वालों पर सदन के सभापति जगदीप धनखड़ को संज्ञान लेना चाहिए। सुश्री मायावती ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में कहा कि महिलाओं के साथ कोई भी गलत काम करने वालों के

विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं उत्पीड़न के साथ ही किसी भी नेता द्वारा अन्य कोई भी गलत कार्य करने पर सख्त कार्रवाई के मामले में चाहे कोई भी पार्टी या इन्डी और अन्य गठबन्धन हो तो इन्हें दोहरा मापदण्ड नहीं अपनाना चाहिए अर्थात इन्हें बसपा के शीर्ष नेतृत्व से ज़रूर सबक लेना चाहिए।

बसपा प्रमुख ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सांसद के मुख्यमंत्री आवास पर अभद्रता के मामले पर कार्रवाई नहीं होना अनुचित है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में राज्यसभा के सभापति को संज्ञान लेना चाहिए। मायावती ने कहा, अतः आम आदमी पार्टी की महिला राज्यसभा सांसद के साथ सीएम आवास में अभद्रता के गंभीर मामले पर देश की नजर तथा दोषी के विरुद्ध अब तक कार्रवाई नहीं होना अनुचित है। ऐसे में राज्यसभा के सभापति एवं महिला आयोग को भी इस घटना का समुचित संज्ञान लेने की जरूरत है।

मुंबई में उद्धव के साथ गठबंधन से नाराज विश्वबंधु ने छोड़ी कांग्रेस

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे की कार्यशैली पर भी उठाए तीखे सवाल

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। मुंबई कांग्रेस के महासचिव रहे युवा नेता विश्वबंधु राय ने कांग्रेस पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के साथ गठबंधन कर पार्टी को बर्बाद करने और पार्टी में हिंदुओं के मुद्दे को महत्व नहीं देने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे को लिखे इस्तीफे में श्री राय ने कहा है कि महाराष्ट्र में कांग्रेस बहुत कमजोर हो गई है और इसकी दुर्दशा का सबसे बड़ा कारण हिंदुओं की बात करने वाले नेताओं को दरकिनार कर उनको महत्व नहीं देना तथा शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट से समझौता करना है। उन्होंने लिखा, महाराष्ट्र में कांग्रेस की दुर्दशा का कारण शिवसेना- यूबीटी के सामने घुटने टेकना है। विपक्ष के तौर पर सबसे ज्यादा विधायक कांग्रेस में हैं। फिर भी इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे में कांग्रेस की क्षमता का अपमान हुआ है। हमें जानबूझकर हारने वाली सीट दी गई है। सबसे बड़ा दुर्भाग्य है कि महाराष्ट्र में कांग्रेस ने क्षेत्रीय पार्टी के नेताओं के आगे घुटने टेक दिए हैं जिससे मुंबई कांग्रेस के हर कार्यकर्ता का मनोबल टूट गया है और उनका भविष्य अंधेरे में है।

श्री राय ने कहा हिन्दू नेताओं की खासतौर पर उपेक्षा हो रही है। हिन्दुओं से जुड़े मुद्दे पर कांग्रेस के नेता चुप्पी साधते हैं। सवाल है कि क्या हिन्दुओं की सुरक्षा तथा समस्याएं राष्ट्रहित का प्रश्न नहीं है। सवाल यह भी है कि क्या पार्टी हाईकमान ने पार्टी के वरिष्ठ हिन्दू नेताओं को चुप रहने की हिदायत दे रखी है।

उन्होंने श्री खडगे को तीखा पत्र लिखकर उनकी राजनीति पर भी सवाल उठाए और कहा मैं विश्वबंधु राय कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से त्याग पत्र देता हूं। दो दशक में मैंने जिला स्तर से मुंबई में प्रदेश महासचिव और आईसीसी सदस्य के तौर पर पार्टी की सेवा की है लेकिन अब पार्टी उद्देश्यों से भटक गई है इसलिए कांग्रेस में रहना नामुमकिन हैं। आप भी अध्यक्ष पद के साथ न्याय नहीं कर पा रहे हो। आप एक राष्ट्रीय पार्टी में सिर्फ दक्षिण भारतीयों और अपनी जाति तथा लोगों के समुदाय को विशेष प्राथमिकता देना चाहते हैं।

ओड़ीशा में कार-ट्रक की टक्कर से एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

भुवनेश्वर, 16 मई (एजेंसियां)। ओड़ीशा के क्योंझर जिले में रिमुली के पास राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 520 पर कार और ट्रक के बीच टक्कर से एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दुर्घटना बुधवार रात को उस समय हुई जब राजमार्ग पर कार और ट्रक के बीच टक्कर होने के बाद फिर एक अन्य ट्रक ने उसे पीछे से टक्कर मार दी , जिससे कार में सवार सभी लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और दमकल कर्मी

दुर्घटनास्थल पर पहुंचे और बड़ी मशक्कत के बाद कार से शवों को बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि सभी मृतक बारबिल के भद्रासाही निवासी हीरालाल पालेई के परिवार के सदस्य थे।

केजरीवाल को दो जून को करना होगा आत्मसमर्पण : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली आबकारी नीति कथित घोटाले के मामले में गिरफ्तारी के बाद एक जून तक अंतरिम जमानत पर 10 मई को तिहाड़ जेल से रिहा हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के चुनावी सभा के एक कथित बयान...अगर लोगों ने झाड़ू को वोट दिया तो मुझे वापस जेल नहीं जाना पड़ेगा पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की आपत्ति पर गुरुवार को कहा उसका आदेश बिल्कुल स्पष्ट है कि केजरीवाल दो जून को आत्मसमर्पण करना होगा।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की पीठ ने स्पष्ट किया कि उसने केजरीवाल के मामले को अपवाद नहीं बनाया है। उन्हें अंतरिम जमानत पर रिहा किया जाना उचित है। पीठ ने आगे कहा, हमारा आदेश बहुत स्पष्ट है। हमने एक समय सीमा तय की है कि अमुक तारीख के दौरान वह जमानत पर हैं और दो जून को केजरीवाल को आत्मसमर्पण करना होगा। यह शीर्ष अदालत का आदेश है। शीर्ष

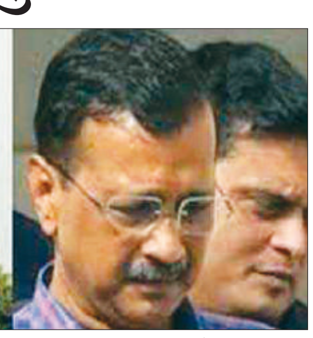

अदालत के समक्ष सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने श्री केजरीवाल की ओर से कथित तौर पर दिए गए उक्त बयान पर आपत्ति जताई थी। श्री मेहता ने पीठ के समक्ष श्री केजरीवाल के कथित बयान के संदर्भ में दावा करते हुए कहा, यह बयान शीर्ष अदालत के मुंह पर एक तमाचा है। मैं इस पर आपत्ति जताता हूं।

सॉलिसिटर जनरल ने श्री केजरीवाल का हवाला देते हुए कहा, आम आदमी पार्टी (आपा) संयोजक ने अपने सार्वजनिक भाषण में कहा-वे कहते हैं कि मुझे 20 दिनों में वापस जेल जाना होगा। अगर आप हमारी पार्टी के चुनाव चिह्न झाड़ू को वोट देंगे तो मुझे जेल नहीं जाना पड़ता। शीर्ष अदालत के समक्ष श्री मेहता ने पूछा, ऐसा कैसे हो सकता है कि अगर आप मुझे वोट देंगे तो मुझे दो जून को वापस जेल नहीं जाना पड़ेगा। इस पर पीठ ने फिर स्पष्ट किया, यह उनकी धारणा है। हमारा आदेश स्पष्ट है। शीर्ष अदालत प्रवर्तन निदेशालय की ओर से 2022 शराब नीति घोटाला मामले में उनकी 21 मार्च की गिरफ्तारी और ईडी की हिरासत को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री केजरीवाल द्वारा दायर याचिका पर दलीलें सुन रही थी। शीर्ष अदालत ने 10 मई को श्री केजरीवाल को उनकी याचिका पर एक जून तक चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दी थी।

केदारनाथ यात्रा मार्ग में यात्रियों की सुरक्षा में तैनात बल हो रहे मददगार साबित

रुद्रप्रयाग, 16 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड में हिमालय की उच्च पर्वत श्रृंखलाओं में स्थित ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग बाबा श्री केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा में तैनात राज्य और जिला स्तरीय आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ, डीडीआरएफ) और संभाग (सेक्टर) अधिकारी देवदूत की तरह मददगार साबित हो रहे हैं।

चारधाम यात्रियों की सुरक्षा के लिए तैनात बल दर्शन करने पहुंच रहे किसी तीर्थ यात्री का स्वास्थ्य खराब होने एवं घायल होने की स्थिति में मददगार साबित हो रहे हैं और बीमार या घायल श्रद्धालु को तत्काल यात्रा मार्ग में स्थापित चिकित्सा शिविर (एमआरपी) में उपचार हेतु पहुंचाया ही नहीं जा रहा है, बल्कि उनके जीवन को भी बचाया जा रहा है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने गुरुवार सेक्टर अधिकारी, भीमबली के हवाले से बताया कि छोटी लिनचोली में एक यात्री का स्वास्थ्य अति खराब होने के कारण, चलने में असमर्थ होने की सूचना मिली। इस पर यात्रा पड़ाव, भीमबली में तैनात डीडीआरएफ की टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मौके पर पहुंचकर घायल यात्री को एमआरपी, छोटी लिनचोली से एमआरपी, भीमबली लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद यात्री को गौरीकुंड के लिए रैफर किया गया।

उन्होंने बताया कि डीडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की टीम द्वारा उपचार हेतु गौरीकुंड लाया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा बताया गया कि उक्त यात्री की स्थिति सामान्य है।

श्री रजवार ने एक अन्य मामले की जानकारी देते हुए बताया कि भैरों मंदिर के पास एक यात्री की अचानक तबियत खराब होने पर डीडीआरएफ की टीम जंगलचट्टी द्वारा यात्री का रेस्क्यू कर गौरीकुंड अस्पताल उपचार हेतु पहुंचाया गया।

उन्होंने यह भी अवगत कराया कि गौरीकुंड गेट के ऊपर किसी यात्री द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि एक महिला यात्री केदारनाथ दर्शन करने घोड़े से जा रही थी। महिला यात्री घोड़े से गिरने के कारण घायल हो गई जिसे सूचना प्राप्त होते ही डीडीआरएफ की टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर उक्त महिला (शकुंतला देवी उम्र 65 वर्ष निवासी इंदौर, मध्य प्रदेश) को स्ट्रेचर के माध्यम से गौरीकुंड लाया गया। जिसका चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक उपचार करने के बाद महिला को सोनप्रयाग चिकित्सालय के लिए रैफर किया गया।

आपदा प्रबंधन अधिकारी ने यह भी अवगत कराया कि थारू कैंप के पास घोड़े की टक्कर से एक यात्री के घायल होने पर छोटी लिनचोली आरएमपी ले जाया गया। जहां उसे त्वरित उपचार दिलाया गया। व्यक्ति का स्वास्थ्य ठीक है।

उन्होंने बताया कि यात्रा मार्ग में तैनात सभी सुरक्षा बल की टीमें अपने दायित्वों का निर्वहन बड़ी कुशलता से करते हुए बीमार एवं घायल यात्रियों को सूचना प्राप्त होते ही तत्काल उपचार हेतु नजदीकी एमआरपी में पहुंचाकर यात्रियों को त्वरित गति से उपचार दिलाते हुए उनकी जान को बचाया जा रहा है।

उत्तराखंड के चारों धाम में रील और वीडियो बनाने पर प्रतिबंध, आदेश जारी

देहरादून, 16 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड स्थित गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बदरीनाथ परिसर में दर्शनों के बाद या पहले मोबाइल से सेल्फी, रील और वीडियो बनाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह प्रतिबंध परिसर में पचास मीटर तक लागू होगा। राज्य की मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने गुरुवार को इस संबंध में सचिव, संस्कृति, धर्मस्व, तीर्थाटन प्रबन्धन एवं धार्मिक मेला विभाग को एक पत्र जारी किया है। राज्य में चारधाम यात्रा सुचारू रूप से संचालित की जा रही है। सभी राज्यों से काफी अधिक संख्या में तीर्थयात्री दर्शन हेतु आ रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा तीर्थयात्रियों को सुव्यवस्थित रूप से दर्शन कराये जाने हेतु व्यवस्था बनायी गयी है, किन्तु वर्तमान में संज्ञानित हुआ है, कि कुछ व्यक्तियों द्वारा मंदिर परिसर में सोशल मीडिया हेतु वीडियोग्राफी/रिल्स बनायी जा रही है, जिससे उक्त वीडियोग्राफी को देखने हेतु मंदिर परिसर में एक स्थान पर भीड़ एकत्र होने के कारण श्रद्धालुओं को दर्शन करने में असुविधा हो रही है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए चारों धामों में मन्दिर परिसर की 50 मीटर की परिधि में सोशल मीडिया हेतु वीडियोग्राफी/रील्स बनाने के लिए पूर्णतः प्रतिबन्धित लगा दिया है।

कांग्रेस ने पिछड़ों को कभी नहीं दी उचित हिस्सेदारी : शाह

सीतामढ़ी, 16 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने आरोप लगाया कि आजादी के बाद से कांग्रेस ने कभी भी पिछड़ों को उचित हिस्सेदारी नहीं दी वहीं नरेंद्र मोदी सरकार ने न केवल उन्हें उचित सम्मान दिया बल्कि शासकीय सेवाओं एवं शैक्षणिक संस्थानों में उनके लिए आरक्षण सुविधाओं का भी विस्तार किया।

श्री शाह ने गुरुवार को यहां सीतामढी लोकसभा सीट से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मीदवार देवेश चंद्र ठाकुर के समर्थन में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के बाद से कांग्रेस ने कभी भी पिछड़ों को उचित हिस्सेदारी नहीं दी। काका कालेलकर समिति ने वर्ष 1955 में अपनी रिपोर्ट दी थी, जिसमें सरकारी सेवाओं में पिछड़ों को आरक्षण देने की सिफारिशें की गई थी लेकिन पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया था। इसी तरह मंडल आयोग ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल के दौरान

सरकारी सेवाओं में पिछड़ों को आरक्षण देने के लिए अपनी रिपोर्ट दी थी लेकिन फिर से उसके साथ वही किया गया, जो 1955 में काका कालेलकर समिति की रिपोर्ट के साथ किया गया था।

भाजपा नेता ने कहा, जब मंडल आयोग की सिफारिश को लागू करने के लिए लोकसभा में बहस हुई थी तो राहुल गांधी के पिता स्व. राजीव गांधी ने दो घंटे से अधिक समय तक सदन में इसका कड़ा विरोध किया था। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने केंद्र सरकार द्वारा संचालित सभी शैक्षणिक संस्थानों में पिछड़ों को आरक्षण दिया। पिछड़ा आयोग को भी इसी सरकार ने वैधानिक दर्जा दिया, जिसे कांग्रेस लंबे समय से नकार रही थी।

भाजपा बुलेट ट्रेन की रफ्तार से चार सौ का आंकड़ा पार करेगी : योगी

अमीनाबाद में रैली कर सीएम ने राजनाथ सिंह के पक्ष में की वोट की अपील

लखनऊ, 16 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमीनाबाद में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और सपा पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कांग्रेस और सपा का घोषणा पत्र पूरी तरह से झूठ का पुलिंदा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन लोगों ने भाषा, जाति और क्षेत्र के आधार पर जनता को बांटने का काम किया है। इनकी सरकारों के दौरान राजनीतिक स्वार्थ के लिए आतंकवाद और नक्सलवाद को बढ़ावा दिया गया। सीएम योगी ने यह भी आश्वस्त किया कि भारतीय जनता पार्टी बुलेट ट्रेन की रफ्तार से चार सौ सीटों के आंकड़े को पार करेगी। सीएम योगी यहां लखनऊ लोकसभा सीट पर पार्टी प्रत्याशी और देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के लिए जनता से वोट की अपील कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चार चरण में हुई अबतक की वोटिंग की आंच कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर पड़ चुकी है। अब उन्हें झूठ का सहारा लेना पड़ रहा है। सुबह कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कह रहे थे कि हम विचारधारा की लड़ाई लड़ रहे थे। मैं पूछना चाहता हूं कि उनकी कौन सी विचारधारा है। उन्होंने हमेशा देश में हमेशा विभाजन की राजनीति की है। भारत के विभाजन से लेकर स्वार्थ के लिए भाषा, जाति और क्षेत्र के आधार पर बांटने का काम किया है। अब इनके पास कोई आधार नहीं बचा तो भारत की आस्था पर प्रहार करने लगे हैं। इनका इतिहास इस बात के लिए कलंकित है। इन्हें जब भी मौका मिलता है तो ये राजनीतिक स्वार्थ के लिए आतंकवाद और नक्सलवाद को बढ़ावा देते हैं। सीएम ने कहा कि इनमें से एक श्रीराम के अस्तित्व को नकारता रहा है, जबकि दूसरा रामभक्तों पर गोली चलवाता था। सही मायनों में देखें तो अबतक जिस प्रकार की लहर देश में है, आज पूरा देश एक स्वर में कह रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार चार सौ पार।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष को भारत में कोई समर्थन नहीं मिल रहा है तो पाकिस्तान से अपने पक्ष में बयानबाजी कराई जा रही है। एक भारत है जिसने कोरोना काल में 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन की सुविधा दी, वहीं पाकिस्तान में 23 से 24 करोड़ की आबादी भूखों मर रही है। वहां एक किलो आटा के लिए सड़कों पर उपद्रव और मारपीट हो रहे हैं। उस पाकिस्तान का राग अलापने वाले कांग्रेस और सपा के लोग कहते हैं कि पाकिस्तान के खिलाफ न बोलो क्योंकि उसके पास एटम बम है। अगर उनके पास एटम बम है तो हमारे एटम बम क्या फ्रीज में रखने के लिए हैं। पूरा देश देख रहा है कि ये किसकी वकालत कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत का सम्मान पूरी दुनिया में बढ़ा है। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत की सुरक्षा पुख्ता हुई है, नक्सलवाद और आतंकवाद पर नकेल कसी गई है। देश में नये हाईवे बन रहे हैं, वंदे भारत और नमो भारत जैसी वर्ल्ड क्लास ट्रेनें चल रही हैं। नये एक्सप्रेस वे, मेट्रो, एम्स, आईआईटी, आईआईएम बन रहे हैं। अब यूथ ही नहीं शहर भी स्मार्ट बन रहे हैं। सीएम ने गरीब कल्याण की योजनाओं को गिनाते हुए कहा कि देश में 50 करोड़ लोगों को जनधन एकाउंट से सीधे उनके खाते में धनराशि भेजी जा रही है, 12 करोड़ शौचालय बने हैं, 10 करोड़ घरों को उज्जवला योजना से लाभान्वित किया गया है। मोदी जी के कार्यकाल में चार करोड़ गरीबों को आवास देने का काम हुआ है।

सीएम ने कहा कि भारत के हित के लिए अगर एक प्रधान है तो एक विधान भी होगा। भाजपा समान नागरिक कानून लागू करेगी। हमने अपने संकल्प पत्र में ये बात कही है। किसी योजना में हमने जाति, मत, मजहब को प्राथमिकता नहीं दी। सबका साथ सबका विकास आज देश का मंत्र बन गया है। इसके बावजूद कोई कहता है कि हमें विकास नहीं दिखाई दे रहा, तो जिसके पास आंख होते हुए भी नहीं दिखे उसे भगवान भी नहीं बचा सकता। कांग्रेस और सपा का घोषणापत्र भारत के खिलाफ षडयंत्र की बात करता है। कांग्रेस के 60 साल में देश का बेड़ा गर्क कर दिया गया। कांग्रेस के डीएनए का पार्ट ही इमरजेंसी है। इनके अंदर औरंगजेब की आत्मा घुस चुकी है। ये वरासत टैक्स लगाने की बात करते हैं। कहते हैं कि आपकी सम्पत्ति का सर्वे करा के बांट देंगे। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस झूठ बोलती है और कहती है कि भाजपा आएगी तो संविधान बदल देगी। जबकि हमने आरक्षण को मजबूती देते हुए एससी, एसटी और ओबीसी को उसका हक को देने का कार्य किया है। कांग्रेस और सपा का इतिहास इसम मामले में कालिख से पुता हुआ है। कांग्रेस ने रंगनाथ मिश्रा कमेटी और सच्चर कमेटी के आधार पर पिछड़ी जाति को मिलने वाले आरक्षण को काटकर मुसलमानों को देने का प्रयास किया, जिसका भाजपा ने प्रखर विरोध किया था।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजनाथ सिंह ने अटल जी के सपनों को लखनऊ में सच किया है। यहां का न केवल विकास हुआ है बल्कि लखनऊ की चिकनकारी पूरी दुनिया में धूम मचा रही है। आज यहां के एयरपोर्ट की चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। यहां बनने वाले मिसाइल की धमक से पाकिस्तान की पैंट गीली हो जाती है। लखनऊ को रिकॉर्ड मतों से राजनाथ सिंह को चुनकर तीसरी बार यहां से संसद में भेजना होगा।

इस अवसर पर रक्षामंत्री और सांसद प्रत्याशी राजनाथ सिंह, प्रदेश सरकार में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, एमएलसी डॉ महेन्द्र सिंह, जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी, एमएलसी और लोकसभा के संयोजक मुकेश शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, डॉ गुरमीत सिंह, भाजपा के पदाधिकारी और पार्षदगण सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

सीएम रहते जो मैं नहीं कर सका, उसे योगी जी ने कर दिखाया : राजनाथ

लखनऊ, 16 मई (एजेंसियां)। अपने संसदीय क्षेत्र में चुनाव प्रचार अभियान में जुटे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि सीएम रहते जो कार्य वो न कर सके वह भी योगी जी के करिश्माई नेतृत्व ने कर दिखाया है। उन्होंने कहा कि आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यों की चर्चा न केवल देश में बल्कि पूरी दुनिया में हो रही है। अमीनाबाद में आयोजित रैली में पहुंचे राजनाथ सिंह आंध्र प्रदेश की एक रैली में आई पैरों में चोट के कारण संक्षिप्त भाषण ही दे सके। उन्होंने बताया कि ज्यादा देर तक खड़े रहने में वो असमर्थ हैं।

अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने कहा कि सीएम योगी ने प्रदेश में करिश्माई काम किया है, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रहते जो काम वो नहीं कर पाए उसे भी योगी जी ने कर के दिखाया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि किसी राज्य के विकास की पहली शर्त होती है कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करना। इस कार्य के लिए योगी जी की चर्चा पूरे भारत में और दुनियाभर में हो रही है। यूपी हमारे लिए गौरव का विषय बन गया है। सीएम योगी के नेतृत्व में लक्ष्य तय किया गया है कि प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाना है। ऐसा होने पर भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से कोई रोक नहीं सकेगा।

राजनाथ सिंह ने कहा कि उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में चुनाव लड़ते वक्त कभी कोई वादा नहीं किया। बस निवेदन करता हूं कि आपका आशीर्वाद और शुभकामनाएं मिलें। यहां पर क्या विकास कार्य हुए हैं मुझे बताने की आवश्यकता नहीं है। लखनऊ में जो भी विकास हुआ है उसमें बहुत बड़ा सहयोग योगी आदित्यनाथ ने किया है। इसका पूरा श्रेय उन्हीं को जाता है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि अबतक हुई चार चरण की वोटिंग से जो रिपोर्ट हमें मिली है, उसके आधार पर हम 400 से अधिक सीटों के लक्ष्य को प्राप्त करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सबसे विश्वसनीय पार्टी है, जो कहती है वो करती है। 1951 से हम कहते रहे हैं कि संसद में जब हमें स्पष्ट बहुमत प्राप्त होगा तो हम क्या क्या करेंगे। 2014 में हमारी स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनी। हमने बहुमत मिलते ही कश्मीर से धारा 370 को समाप्त करने का काम किया। जम्मू कश्मीर का तेजी से विकास हुआ है। कांग्रेस की हुकूमत में हिन्दुस्तान का शायद ही कोई राज्य रहा हो जहां आतंकी घटना नहीं हुई। आज कश्मीर में एक दो बड़ी वारदात को छोड़कर देश में कहीं आतकी घटना नहीं हुई है। आज अयोध्या में राममंदिर बन गया है। राम अपनी कुटिया से भव्य मंदिर में विराजमान हो चुके हैं। अब भारत में रामराज्य हो कर रहेगा।

उन्होंने कहा कि आज भारत की प्रतिष्ठा पूरी दुनिया में बढ़ी है। भारत के प्रति धारणा बदल चुकी है। दुनिया मान चुकी है कि भारत विश्व का ताकतवर देश बन चुका है। जब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे तब हमारा देश अर्थव्यवस्था के मामले में दुनिया में 11वें स्थान पर था, आज मोदी जी के नेतृत्व में हम पांचवें स्थान पर पहुंच गये हैं। दुनिया की बड़ी-बड़ी संस्थाएं कह रही हैं कि भारत सबसे तेजी से विकास कर रहा है। 2027 तक भारत दुनिया की तीसरा सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन जाएगा।

उन्होंने अल्पसंख्यकों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हम आपके दिल में दहशत नहीं विश्वास और मोहब्बत भर के समर्थन प्राप्त करना चाहते हैं। उन्होंने विपक्ष को सलाह देते हुए कहा कि सार्थक राजनीति करें और सच बोलें। जनता की आंख में धूल झोंकने वाली राजनीति करने की कोशिश न करें। राजनाथ सिंह ने कहा कि हम राजनीति केवल सरकार बनाने के लिए नहीं करते। हम देश बनाने के लिए राजनीति करते हैं। राजनाथ सिंह ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जिमी कार्टर के शब्दों को दोहराते हुए कहा कि अगर भविष्य देखना हो तो भारत आओ, अगर भविष्य को महसूस करना चाहते हो तो भारत में आओ और अगर भविष्य में काम करना चाहते हो तो भारत आओ। उन्होंने अपील की कि भारत को विश्व की महाशक्ति बनाना है तो भाजपा और एनडीए के पक्ष में मतदान करें।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश सरकार में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, एमएलसी डॉ महेन्द्र सिंह, जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी, एमएलसी और लोकसभा के संयोजक मुकेश शर्मा, महापौर सुषमा खर्कवाल, भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, डॉ गुरमीत सिंह, भाजपा के पदाधिकारी और पार्षदगण सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

10 करोड़ आभा आईडी बनाने वाला उत्तर प्रदेश भारत का पहला राज्य बना

लखनऊ, 16 मई (एजेंसियां)। हेल्थ सेक्टर में नए नए कीर्तिमान बना रहे उत्तर प्रदेश ने अब एक और उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत 10 करोड़ आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) आईडी बनाने का कीर्तिमान स्थापित किया है। इतनी बड़ी संख्या में आभा आईडी बनाने वाला उत्तर प्रदेश भारत का पहला और एकमात्र राज्य है। उत्तर प्रदेश के बाद दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र का नम्बर आता है, जिसने 4.98 करोड़ से ज्यादा आभा आईडी बनाई हैं। वहीं 4.48 करोड़ से ज्यादा आभा आईडी बनाने वाला गुजरात तीसरे स्थान पर है। उल्लेखनीय है कि अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश ने आभा आधारित ओपीडी रजिस्ट्रेशन में 80 लाख के आंकड़े को पार कर भी नया रिकार्ड बनाया था। यह दोनों उपलब्धियां सीएम योगी द्वारा प्रदेश में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के प्रति लोगों में जागरूकता और सक्रिय भागीदारी के लिए किए गए प्रभावी प्रयासों का प्रतिफल है।

आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) की पहल है। यह आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) के तहत शुरू किया गया एक स्वास्थ्य बचत खाता है। इसे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को उनकी स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। आभा के साथ, नागरिक अपने चिकित्सा और स्वास्थ्य रिकॉर्ड को एक केंद्रीकृत खाते में संग्रहीत कर सकते हैं और इसे अपनी विशिष्ट आभा आईडी के माध्यम से एक्सेस कर सकते हैं। आभा आईडी नागरिक के आधार या मोबाइल नंबर से जुड़ी एक अद्वितीय 14 अंकों की पहचान संख्या है। यह उन्हें सभी सूचनाओं को डिजिटल रूप से संग्रहीत करने और उन तक पहुंचने में मदद करता है। इसमें उनकी हेल्थ हिस्ट्री, परामर्श विवरण, मेडिकल रिकॉर्ड और नुस्खे शामिल हैं।

दो साल में बाबा विश्वनाथ के दरबार में 139 देश के श्रद्धालुओं ने लगाई हाजिरी

वाराणसी, 16 मई (एजेंसियां)। काशी हमेशा से विदेशी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रही है। धर्म, अध्यात्म और संस्कृति को जानने की जिज्ञासा विदेशी पर्यटकों को सात समुद्र पार से काशी खींच लाती है।

नव्य भव्य श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के विस्तारित होने के बाद धाम में आने वाले श्रद्धालुओं के देशों के भक्तों की संख्या बढ़ गई है। बाबा के दरबार में 139 देशों के भक्तों ने पिछले दो सालो में हाजिरी लगाई है।

काशी को इतिहास से भी प्राचीन लिविंग सिटी का दर्जा प्राप्त है। सुप्रसिद्ध यूरोपियन लेखक और साहित्यकार मार्क ट्वेन ने काशी की कथाओं और आध्यात्मिक परंपरा पर मंत्रमुग्ध हो कर लिखा है, बनारस इतिहास से भी पुराना है, परंपरा से भी पुराना है, किंवदंतियों से भी पुराना है और इन सभी को जोड़कर तुलना करें तो इनकी संयुक्त आयु से भी दोगुना पुराना होने की प्रतीति देता है।

धरोहरों और विरासत को सदियों से संजो के रखने वाली काशी ने विशिष्ट संस्कृति और परंपराओं को जीवंत रखा है। विदेशी सैलानियों को काशी का यही कौतूहल खींच कर लाता है।

विदेशी सैलानियों में एक बड़ी संख्या में सैलानी श्रीकाशी विश्वनाथ जी के दर्शन करने भी आते हैं।

श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र ने बताया कि धाम के लोकार्पण के बाद लगभग 25 महीनों में बाबा के दरबार में 139 देशों के भक्तों ने हाजिरी लगाई है। वहीं यदि संख्यात्मक आंकड़ों की बात करें तो वर्ष 2019 के मुकाबले वर्ष 2023 में केवल श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने वाले विदेशी सैलानियों की संख्या में ही चार गुने से भी अधिक की वृद्धि हुई है।

उल्लेखनीय है कि अनेक गैर सनातन मतावलंबी काशी आते हैं, परंतु मंदिर में दर्शन नहीं करने जाते। अतः श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सीईओ द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों में ऐसे सैलानियों की गिनती इस संख्या में सम्मिलित नहीं है।

इसी प्रकार बड़ी संख्या में सारनाथ होते हुए बौद्ध परिपथ के विदेशी पर्यटक भी इस संख्या में सम्मिलित नहीं हैं। तंत्र, शाक्त, क्रिया योग, जैन, अघोरपंथ के बड़े आश्रमों एवं साधना स्थलों पर सीधे पहुंचने वाले इन विद्याओं के विदेशी साधक भी इस आंकड़े में सम्मिलित नहीं हैं।

काशी की दुनिया से अच्छी कनेक्टिविटी, सुरक्षा, मूल-भूत ढांचा में सुधार से बढ़ी सुविधाओं ने काशी में पर्यटकों का रुझान और बढ़ा दिया है। विदेशी सैलानी काशी के मंदिरों, धरोहर और संस्कृति को देखने ही नहीं आते बल्कि काशी को जीने भी आते हैं। विदेशी पर्यटक हिंदी, संस्कृत, संगीत और मंत्रो को सीखने के लिए काशी में कई दिनों तक रहते भी हैं।

जौनपुर के पत्रकार आशुतोष की हत्या में गो तस्कर जमीरुद्दीन गिरफ्तार

जौनपुर, 16 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में सोमवार (13 मई 2024) को पत्रकार आशुतोष श्रीवास्तव की हत्या कर दी गई थी। इमरानगंज बाजार में बाइकसवार अज्ञात हमलावरों ने सुबह 9:30 बजे उन पर गोलियां बरसाईं थीं। मृतक के भाई ने मंगलवार (14 मई) को नासिर जमाल सहित 4 को नामजद व 5 अन्य अज्ञात आरोपितों के खिलाफ तहरीर दी थी। नासिर जमाल समाजवादी पार्टी के नेता अबू आज़मी का रिश्तेदार है।

पुलिस ने इस तहरीर पर ऋखठ दर्ज करके नामजद आरोपित जमीरुद्दीन कुरैशी को मुंबई से गिरफ्तार कर लिया है। जमीरुद्दीन को जौनपुर लाने की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिरफ्तार हिस्ट्रीशीटर जमीरुद्दीन कुरैशी एक कुख्यात गोतस्कर है। उस पर कुल 16 मामले दर्ज हैं। जमीरुद्दीन शाहगंज थाना क्षेत्र के गाँव सबरहद का निवासी है। पुलिस के अनुसार वह हत्याकांड का मुख्य साजिशकर्ता है।

शाहगंज के डिप्टी एसपी ने बताया कि जमीरुद्दीन कुरैशी को महाराष्ट्र पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार किया गया है। उसकी गिरफ्तारी मुंबई के भिवंडी इलाके से हुई है। फ़िलहाल उसे भिवंडी थाने में रखा गया है। जौनपुर से पुलिस टीम जमीरुद्दीन को ट्रांजिट रिमांड पर लेने मुंबई निकल चुकी है। जमीरुद्दीन से पूछताछ के बाद मामले में और खुलासे होने की उम्मीद जताई जा रही है। जौनपुर पुलिस आशुतोष के अन्य हत्यारों को पकड़ने के लिए दिन-रात एक किए हुए है। पुलिस की कई टीमें देश के अलग-अलग हिस्सों में दबिश दे रही है। वहीं, मृतक पत्रकार की भाभी का बयान सामने आया है। उन्होंने बताया कि लगभग एक हफ्ते पहले आशुतोष को पुलिस ने थाने पर बुलवाया था। तब उन्हें जान का खतरा बताते हुए उनसे अपने घर में रहने के लिए कहा गया था।

दावा किया जा रहा है कि तब पत्रकार आशुतोष श्रीवास्तव की जान लेने के लिए दो शूटरों को सक्रिय बताया गया था। हालाँकि, आशुतोष श्रीवास्तव ने घर में बैठने से मना कर दिया था और वे हर दिन अपने काम पर निकलते रहे। अपनी जान का खतरा जानने के बाद आशुतोष श्रीवास्तव ने पुलिस से सुरक्षा की मांग भी की थी। घटना के दिन भी आशुतोष सुबह 9 बजे नाश्ता कर के निकले थे और बताया था कि वापस लौटकर वे खाना खाएंगे। उनकी हत्या में नामजद किए गए मुख्य आरोपित का नाम नासिर जमाल है।

सपा को बड़ा झटका, पार्टी के संस्थापक सदस्य रामहरि चौहान का इस्तीफा

मऊ, 16 मई (एजेंसियां)। सपा के संस्थापक सदस्य और पार्टी के राष्ट्रीय सचिव रामहरि चौहान ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। लोकसभा चुनाव के दौरान रामहरि के इस्तीफे को सपा के बड़े झटके के रूप में देखा जा रहा है। रामहरि ने अपने इस्तीफे में लिखा है कि लोकसभा चुनाव में सपा ने चौहान समाज के किसी भी व्यक्ति को टिकट नहीं दिया है। जबकि हमने हमेशा सपा का साथ दिया था। कहा कि पार्टी की गलत नीतियों और गलत निर्णय से वह क्षुब्ध हैं।

रामहरि ने लिखा कि पार्टी की निति निर्धारित करने वालों को जनता से कोई सरोकार नहीं है। एक तरफ सपा द्वारा पीडीए का नारा दिया जाता है, लेकिन जहां पर चौहान समाज की ताकत है, वहीं पर उसकी उपेक्षा हो रही है। बीते कई दिनों से समाज के लोग इस बात को लेकर नाराज हैं, लेकिन स्थानीय स्तर से लेकर प्रदेश तक उनकी बातों को नजर अंदाज किया जा रहा है। ऐसे में जहां पर कार्यकर्ता अपनी बात को रख न सके, उस माहौल में काम करना संभव नहीं है।

चौहान ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को पत्र लिखकर त्यागपत्र को स्वीकार करने का आग्रह किया है। वहीं सपा के इस दिग्गज नेता के पार्टी के इस्तीफे के बाद से सियासी गलियारों में चर्चाएं तेज हो गई हैं। उनके इस्तीफे को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। हालांकि अभी तक रामहरि चौहान ने अपने अगले राजनितिक कदम को लेकर कोई बयान नहीं दिया है।

त्वचा और बालों में लगाएंगे जोजोबा ऑयल, तो होंगे ये फायदे!

जोजोबा का तेल त्वचा को पोषित करने के साथ ही बालों को भी मजबूत, घना और स्वस्थ रखता है. इसका इस्तेमाल त्वचा और बालों से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने में कारगर है. ब्यूटी सोर्स की संस्थापक रागिनी मेहरा और ऑनलाइन स्टोर डेजर्ट स्प्लेंडर के संस्थापक शिव सिंह मन्न ने जोजोबा के तेल के ये लाभ बताए हैं।

» जोजोबा का तेल मुंहासों को नियंत्रित करता है, इसके इस्तेमाल से मुंहासे नहीं होते हैं और दाग-धब्बे भी दूर हो जाते हैं.

» यह त्वचा को नमी प्रदान करता है. यह अन्य तेलों की तुलना में हल्का होता है और त्वचा में गहराई से समा जाता है. यह त्वचा को मुलायम बनाता है और चमक लाता है. यह त्वचा को जवां बनाता है और उसमें कसाव ले आता है. यह सनबर्न को दूर करने के साथ ही जलन और खुजली भी दूर करता है.

» गर्मियों में बाल अक्सर उलझ जाते हैं और रुखे व बेजान हो जाते हैं. जोजोबा का तेल पसीने व अनचाही नमी को ब्लॉक कर बालों का रूखापन दूर करता है और उन्हें मुलायम बनाता है. वहीं यह स्कैल्प में नमी प्रदान करता है, जो अक्सर हानिकारक रसायन युक्त शैम्पू के इस्तेमाल से स्कैल्प से निकल जाता है.

» जोजोबा का तेल विटामिन ई और बी युक्त होने के साथ ही एंटीऑक्सीडेंट और मिनरल्स से समृद्ध होता है, जो त्वचा को पोषण और सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही नमी भी बरकरार रखता है. जोजोबा के तेल में उच्च स्तर के एंटीऑक्सीडेंट और पोषक तत्व होते हैं. जोजोबा तेजी से कोशिकाओं को रिजेनरेट करता है.

» जोजोबा तेल खासकर लैवेंडर जोजोबा तेल खुशबूदार फूलों की महक से समृद्ध होने के साथ ही सुकून का अहसास कराता है. यह शारीरिक और मानसिक थकान को दूर करता है, अगर तकिए पर इस तेल की कुछ बूंदें डाल दी जाए तो अच्छी नींद आती है.

सेहत की हर परेशानी को दूर कर देंगे नानी मां के ये नुस्खे

यह बात बिल्कुल सही है कि जान है तो जहान है। तंदुरूस्ती हो को हर काम आसानी से किया जा सकता है लेकिन आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में सेहत से जुड़ी छोटी-छोटी परेशानियां झेलनी आम बात हैं। बुखार,सर्दी-जुकाम,गला खराब,पेट दर्द के अलावा और भी बहुत सी दिक्कते हैं जो देखने में भले ही छोटी लगें लेकिन इनसे जिंदगी बेरंग सी हो जाती है। सेहत से जुड़ी इन मुश्किलों का सामना करने के लिए दादी-नानी के नुस्खे बेहद कारगर साबित होते हैं।

1. **मुलायम और चमकदार बाल :** पानी में अमरूद के पत्ते उबालकर इससे बाल धोएं।

2. **पसीने से छुटकारा :** अनार के पत्तों को पानी में उबाल कर इससे नहाएं।

3. **गले की इंफैक्शन दूर :** शहतूत खाने से फायदा मिलता है। इसका शरबत भी पी सकते हैं।

4. **खांसी गायब :** अनार का छिलका मुंह में रखकर चूसने से राहत मिलती है।

5. **दर्द से आराम :** सरसों के तेल में लहसून और अजवाइन डालकर गर्म कर लें। इससे बॉडी मसाज करें।

6. **भूख बढ़ाएं :** पुदीने के रस में 2 बूंद अदरक का रस और सेंधा नमक डालकर सेवन करें।

7. **बवासीर से आराम :** करेले के रस में थोड़ी-सी मिश्री डालकर खाएं।

8. **कब्ज :** सौंफ का चूर्ण और चुटकी भर काला नमक मिलाकर रात को खाएं, इससे कब्ज नहीं रहेगी।

मल्टीग्रेन आटे के चमत्कारी लाभ

गेहूं की रोटी स्वादिष्ठ अधिक, पौष्टिक कम होती है। अगर गेहूं में यदि अन्य अनाज को मिला कर आटा पिसवाया जाए तो ऐसे आटे से बनी रोटी की पौष्टिकता बढ़ जाती है। इस प्रकार के आटे को मल्टीग्रेन आटा या कौबिनेशन फ्लोर कहा जाता है।मल्टीग्रेन आटा-मल्टीग्रेन आटा का मतलब की अन्य अनाज जैसे दालों को गेहूं क आटे के साथ मिलाकर उसे मल्टी ग्रेन आटा बना दिया जाता है और यह बाजार में मल्टी ग्रेन आटे के नाम से बिकता है।

तनाव-हार्मोन में बदलाव से हो सकता हैं एक्ने

अगर आपके परिवार में एक्ने की हिस्ट्री रही है यानी आपके मां या पिता को भी यह समस्या रही है। तो भी आपको इससे बचाव की कोशिशें शुरू कर देनी चाहिए। एक्ने त्वचा का एक डिसऑर्डर है। यह मुंहासों का ही बिगड़ा हुआ रूप है। फर्क यह है कि आमतौर पर मुंहासे जहां बिना किसी विशेष उपचार के किशोरावस्था के बाद स्वयं ही ठीक हो जाते हैं, वहां एक्ने के साथ ऐसा नहीं होता और जब तक इसका सही ढंग से इलाज न हो, यह ठीक नहीं होता। इसके बारे में विस्तार से जानिये इस लेख में।

क्यों होता है एक्ने

त्वचा के नीचे स्थित सिबेशस ग्लैंड्स से त्वचा को नमी देने के लिए तेल निकलता है। ये ग्लैंड्स चेहरे, पीठ, छाती और कंधों पर सबसे ज्यादा होते हैं। अगर ये ज्यादा सक्रिय हो जाएं तो रोमछिद्र चिपचिपे होकर ब्लॉक हो जाते हैं और उनमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं जो एक्ने का कारण बनते हैं। सामान्य स्थिति में सूर्य की किरणें इनको पनपने नहीं देतीं। सिबेशस ग्लैंड्स की अति सक्रियता की प्रमुख वजह एंड्रोजन हार्मोन की अधिकता है। एंड्रोजन पुरुष सेक्स हार्मोन है और यह लड़के और लड़कियों दोनों में ही होता है। किशोरावस्था में इसका स्राव ज्यादा होता है।

कई लड़कियों को पीरियड्स से पहले बार-बार मुंहासे निकल आते हैं । जो बिगड़कर एक्ने का रूप ले सकते हैं। ऐसा ओव्यूलेशन के बाद प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन के ज्यादा स्राव के कारण होता है। इससे त्वचा पर छोटे-छोटे दानों के गुच्छे से बन जाते हैं। इसी तरह सिबेशस ग्रंथियों से उत्पन्न सीबम त्वचा के पिगमेंट (रंग निर्धारक तत्व) से मिलकर रोमछिद्रों को ब्लॉक कर देता है तो ब्लैकहेड्स बनते हैं। अगर त्वचा की अंदरूनी परत में सीरम जमा हो जाता है तो व्हाइटहेड्स बनते हैं। कई बार ब्लैकहैड्स और व्हाइटहेड्स त्वचा के भीतर फैलने के बाद फूट जाते हैं, जिससे बाहरी त्वचा पर एक्ने और फैल सकता है।

टॉक्सिन भी हैं कारण

शरीर में जरूरत से ज्यादा टॉक्सिन तत्व भी एक्ने का कारण हो सकते हैं। त्वचा का एक महत्वपूर्ण कार्य पसीने के जरिए शरीर से टॉक्सिक तत्वों को बाहर निकालना है। ऐसे में अगर टॉक्सिन यानी विषैले तत्व बहुत ज्यादा हो जाएं तो इस पूरी प्रक्रिया में त्वचा के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा एलर्जी, तनाव, जंकफूड, सैचुरेटड फैट, हाइड्रोजेनेटेड फैट और पशु उत्पादों के प्रयोग, कुपोषण और प्रदूषण से भी एक्ने की संभावना बढ़ जाती है। कुछ दवाओं जैसे स्टीरॉयड, ओरल कांट्रेसेप्टिव पिल्स और मिरगी की दवाओं के रिएक्शन से भी एक्ने हो सकता है।

एक्ने से बचाव

कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो एक्ने को रोका जा सकता है, कम से कम उसका ज्यादा बढ़ना तो कम किया ही जा सकता है। बेहतर होगा कि आप मुंहासे निकलते ही एक्ने की रोकथाम के उपाय शुरू कर दें -

- भोजन में ऐसी चीजें लें जिनमें फैट और मसालों की मात्रा बहुत कम हो। अधिक चिकनाई, तेज मीठा, स्टार्चयुक्त और मसालेदार भोजन से एक्ने की संभावना काफी बढ़ जाती है।
- रेशेदार पदार्थ अधिक मात्रा में लें। इससे पेट साफ रहता है और शरीर के विषाक्त पदार्थ भी बाहर निकल जाते हैं।
- ऐसी चीजें अपने भोजन में शामिल करें, जिनमें जिंक काफी मात्रा में हो। जैसे शेलफिश, सोयाबीन, साबुत अनाज, सूरजमुखी के बीज और सूखे मेवे। जिंक एंटी बैक्टीरियल होता है।
- खट्टी चीजें जैसे लो फैट दही पर्याप्त मात्रा में खाएं। प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थो और आयोडीन नमक का प्रयोग कम से कम करें। इनमें आयोडीन बहुत होता है और इससे एक्ने बढ़ता है। मछली और प्याज में भी आयोडीन पाया जाता है, इसलिए इनसे भी दूर रहें।
- शराब, मक्खन, कॉफी, चीज, चॉकलेट, क्रीम, कोको, अंडे, मांस, पोल्ट्री उत्पाद, सॉफ्ट और ब्रोमिनेटेड वेजिटेबल ऑयल का इस्तेमाल बिलकुल न करें।

- रोज कम से कम आठ-दस गिलास पानी जरूर पिएं ताकि विषाक्त पदार्थ बाहर निकल सकें। नियमित व्यायाम करें और ताजी हवा में अधिक देर तक रहें।
- जितना संभव हो त्वचा को तैलीय होने से बचाएं। बालों को रोजाना शैम्पू करें। एक्ने के लिए खासतौर पर निर्मित हर्बल साबुन इस्तेमाल करें, त्वचा को अच्छी तरह धोएं, लेकिन ज्यादा रगड़ें नहीं। ज्यादा रगड़ने से एक्ने और फैलता है।
- बालों में डैंड्रफ न होने दें। डैंड्रफ झड़कर जब त्वचा पर गिरता है तो वह भी एक्ने का कारण बनता है।
- अधिक मेकअप से बचें। अगर मेकअप जरूरी हो तो प्राकृतिक और वॉटर बेस्ड मेकअप प्रोडक्ट्स का ही इस्तेमाल करें। तेज केमिकल, डाई या तेलयुक्त प्रोडक्ट्स से दूर रहें।
- मेकअप ब्रश और स्पंज को हर बार इस्तेमाल करने के बाद अल्कोहल से धोएं और उन्हें अल्कोहल में ही डुबोकर रखें ताकि संक्रमण न हो।
- तनाव से दूर रहें। तनाव से हार्मोन परिवर्तन होता है, जिससे एक्ने बढ़ सकता है। कई त्वचा विशेषज्ञ एक्ने होने पर रोज कम से कम 15 मिनट धूप सेंकने, व्यायाम और पूरी नींद की सलाह देते हैं।

लेकिन ध्यान रखें कि मुहांसो के और भी कई कारण हो सकते हैं, इसलिए कोई भी उपाय करने से पहल सुझाव के तौर पर त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श जरूर कर लें। वह अपनी त्वचा के प्रकार के हिसाब से व मुहांसो के सही कारण को जांच कर आपको सही समाधान व उपचार देगा।

कैल्शियम से भरपूर ये फूड्स हड्डियों को रखेंगे मजबूत

पहले समय बढ़ती उम्र को लोगों के कमजोर हड्डियों की प्रॉबल्म सुनने को मिलती थी लेकिन बदलती जीवनशैली और खानपान की आदतों के कारण कम उम्र के व्यक्तियों को बी इस समस्या से गुजरना पड़ता है। कम उम्र में जोड़ों में दर्द रहना के कारण कैल्शियम युक्त खाना न लेना है। कुछ लोग अपना डाइट में दूध को शामिल करते है क्योंकि उसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम मौजूद होता है। केवल दूध पीना ही बेहतर नहीं, ऐसे कई फूड्स है जिनको खाने से हड्डियां मजबूत रहती है। आइए जानते है उन फूड्स के बारे में। बताया जाता है कि 100 ग्राम बादाम में लगभग 264 मिग्रा कैल्शियम होता है। अगर रोज मुट्ठी भर बादाम खाएं जाए तो इससे शरीर को भरपूर एनर्जी मिलती है और हड्डियां मजबूत रहती है।

बींस: बींस में भी भरपूर कैल्शियम, प्रोटीन जैसे न्यूट्रिएंटस होते है जो हड्डियों को उम्रभर के लिए मजबूत बनाए रखते है।

पालक: पालक में सभी जरूरी तत्व मौजूद होते है। 100 ग्राम पालक में लगभग 99 मिग्रा कैल्सियम होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाएं रखता है। इसलिए बेहतर होगा की अपने भोजन में पालक को शामिल करें।

भिंडी: भिंडी खाने वैसे तो कम लोग ही पसंद करते है लेकिन अगर आपको पता चलेगा कि भिंडी आपकी हड्डियों को मजबूत रखती है तो आप जरूर इसका सेवन करेंगे क्योंकि 10 ग्राम भिंडी में लगभग 82 मिग्रा कैल्शियम होता है।

पनीर: पनीर मे भरपूर मात्र मे कैल्शियम के अलावा विटामिन भी होता है। जो हड्डियों की मजबूती के लिए काफी उपयोगी होता है।

पुरुषों के लिए भी जरूरी है पर्सनल केयर

फेशियल

मेट्रो-सैक्सुअल मैन फेशियल कराने के विचार से नहीं घबराते और इसे त्वचा केयर के अपने रूटीन में शामिल करते हैं। आप अपने नजदीकी मेन सैलोन में जा सकते हैं और अपनी त्वचा प्रकार के अनुसार फेशियल करा सकते हैं। आपकी त्वचा के अनुरूप किए जाने वाले फेशियल में अनेकों त्वचा प्रॉब्लम्स जैसे ब्लैकहेड्स, ब्लेमिशेज और पिगमेंटेड त्वचा से निजात पाई जा सकती है। चूंकि ज्यादातर पुरुषों की त्वचा ऑयली होती है इसलिये एक क्लींजिंग मास्क ऑयलीनेस की रोकथाम कर सकता है जबकि ड्राई त्वचा प्रकार की अच्छी केयर हाइड्रेटेड मास्क से हो सकती है। फेशियल त्वचा पर के किसी समस्याग्रस्त हिस्से का सुधार फेशियल से किया जा सकता है ।

आज ही एक फेशियल जरूर आजमाएं!

अपनी त्वचा की सही देखभाल घर पर भी की जा सकती है। हालांकि प्रोफेशनल हेल्प आपकी त्वचा के लिये करिश्माई ढंग से बेहतर कार्य करती है। चाहे आप पुरुष हों या महिला इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योकि अच्छा दिखने की हसरत सभी की होती है। अपनी त्वचा की केयर करने का मतलब केवल सुंदरता के नजरिए से नहीं बल्कि अच्छे स्वास्थ्य के नजरिये से भी जुड़ा है।

महिलाओं की तरह पुरुषों को भी अपनी ग्रुमिंग की ओर ध्यान देना चाहिए। पुरुषों में ग्रुमिंग उनके व्यक्तिगत प्रभाव को बढ़ाती है। उनमें भी ग्रुमिंग की शुरुआत व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वस्थ बाल व नाखूनों की देखभाल, दांतों की सफाई, फेशियल, हेयर मेकअप, खुशबू और कपड़ों आदि से होती है। कुछ विशेष पर्सनल ग्रुमिंग की आदतें पुरुष अपने त्वचा केयर तरीके में शामिल कर सकते हैं जिनको हफ्ते बाद नहीं तो महीने में एक बार किया जाना चाहिए। तो चलिए पुरुष के लिए जरूरी ग्रुमिंग संबंधी आदतों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

समय से कराएं हेयर कट

बालों को समय-समय पर कट करवाते रहना चाहिए। इससे न सिर्फ आपको बेहतर लुक मिलता है बल्कि बालों की ग्रोथ भी ठीक रहती है। यदि लंबे बाल रखते हैं तो आपको हेयर स्टाइल सही रखने के लिए समय-समय

पर हेयर स्टाइलिंग करना चाहिये।

मेनीक्योर और पेडीक्योर

अब मेनीक्योर और पेडीक्योर केवल स्त्रीसुलभ गतिविधियां ही नहीं रही हैं क्योंकि पुरूष अब ग्रुमिंग की अच्छी आदतों की जरूरत समझने लगे हैं या समझने की जरूरत है। अपने हाथों और पैरों के नाखूनों की सही देखभाल करना न केवल आपके निजी रंगरूप व दिखावट के प्रति आपकी सजगता दर्शाता है बल्कि पर्सनल हाइजीन का संकेत भी देता है। गंदे, असमान नाखून, सामान्य स्वच्छता के लिहाज से बहुत भद्उे और गंदे लगते हैं। ड्राई त्वचा वाले बदबूदार पैर, कॉलस और बदरंग नाखून कभी आकर्षक नहीं लग सकते। इसलिये मेनीक्योर और पेडीक्योर महिलाओं की तरह पुरुषों की ग्रुमिंग का भी जरूरी हिस्सा होते हैं क्योंकि ओवरऑल ये हाइजीन के अलावा खुशनुमा शारीरिक दिखावट के लिये जरूरी होते हैं।

बालों की देखभाल

बालों की देखभाल की जरूरत केवल महिलाओं को ही नहीं, पुरुषों को भी होती है।

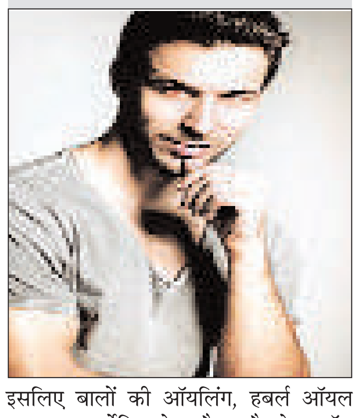

इसलिए बालों की ऑयलिंग, हबर्ल ऑयल मसाज, आयुर्वेदिक हेयर पैक और हेयर वॉश करवाएं आदि कराएं। बालों को साफ रखें और ज्यादा खींचे नहीं।

कोलेस्ट्रॉल से हैं परेशान तो अपनाएं ये टिप्स

कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने से शरीर में कई समस्याएं आ जाती हैं जैसें- दिल की समस्या और शरीर में मोटापा आदि। कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए लोग कई तरह की दवाइयों का सेवन करते हैं लेकिन इनके कई साइड इफेक्ट भी होते हैं। ऐसे में आप घरेलू चीजों से कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल कर सकते हैं।

1. रोज सुबह इसकी 2-3 कलियां खाने से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल रहता है।
2. ज्यादा घी या फिर तेल वाली चीजें का सेवन व करें। इससे कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ता है।
3.1 गिलास पानी में दालचीनी और धनिए के बीजों को उबालें। इसे ठंड़ा होने के बाद पी लें।
4. रोज सुबह थोड़ी फिजिकल एक्सरसाइज भी जरुर करें।
5. दिन में कम से कम 8-10 घंटे की नींद जरूर लें। पूरी नींद न लेने से भी कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ता है
6. 1 चम्मच ऐलोवेरा और 1 चम्मच आंवले को गिलास पानी में मिला कर पीने से काफी फायदा होता है।
7. सुबह खाली पेट 1 गिलास गर्म पानी में आधा नींबू का रस मिला कर पिएं। इससे कोलेस्ट्रॉल धीरे-धीरे कम होने लगेगा।
8. अपने खाने में ज्यादा मीठे का सेवन न करें।

रेसिपी

शीर-खुरमा

सामग्री

दो कप सेवई, चार लीटर दूध, एक कप चीनी आधा कप फ्रेश मलाई, बीस छोटी इलायची, आधा चम्मच इलायची पाउडर, एक चम्मच घी, आधा चम्म्च केसर, आधा चम्म्च गुलाब जल, एक कप बादाम, काजू और पिस्ता

विधि

सबसे पहले एक कढ़ाई में थोडा से घी गर्म करें। गर्म हो जाने के बाद इसमें सेवई ब्राउन होने तक भूनें। फिर इसमें थोड़ी सी चीनी डालकर फ्राई करते हुए इसमें धीरें-धीरे दूध डाले और हल्के हाथ चलाते रहे। जब दूध गाढ़ा हो जाए तो उसमें मेंवे और बची हुई चीनी डाल दे। सब कुछ मिल जाने के इसमें गुलाब जल और मलाई डाले और थोड़ी देर पकाए फिर गैस बंद कर दें। अब इसे एक सर्विंग बाउल में निकाल कर केसर और इलायची पाउडर डालकर गर्मागर्म सर्व करें।

राज कचौड़ी

सामग्री

दो कप मैदा, आधा कप सूजी, तीन चुटकी बेकिंग सोडा, तेल - तलने के लिये, कचौरी भरने की सामग्री, छोटे पीस में कटे हुए उबले आलू, उबली हुई मटर, दही, उबली हुई मूंग दाल, भुना हुआ जीरा, काला नमक, सादा नमक, सेव भुजिया, मीठी चटनी, हरी चटनी, अनार के दाने, लाल मिर्च पाउडर

विधि

एक बड़े बाउल में मैदा, सूजी और बेकिंग सोडा लेकर सबको मिलाकर गूंथ लें। इसके बाद हाथों में थोड़ा सा तेल लगा कर धीरें से नरम कर साफ गीले कपड़े से ढंक कर रख दें।अब एक कढ़ाई में तेल गरम होने के लिए रख दें। दूसरी तरफ गूंथे आटा की छोटी-छोटी गोली काटकर इसे तीन इंच के व्यास में बेल लें। इसके बाद इसे गरम तेल में तलें जब यह अच्छी तरह से फूल जाए तो इसे प्लेट पर निकाल लें।अब आप इसमें सामग्री भर सकती है ।इसके लिए पूड़ी को लेकर बीच से आराम से तोडिये और उसमें सबसे पहले आलू, मटर, उबली मूंग, थोड़ा सा जीरा, काला नमक, सादा नमक, लाल मिर्च पावडर, दही, मीठी चटनी, हरी चटनी, सेव भुजिया, अनार दाने, जीरा पावडर, दही और चटनी डालिए और सभी को सर्व कीजिये।

संपादकीय

मुद्रास्फीति के विरोधाभासी रुख

एक मुद्रास्फीति कम हुई है, तो दूसरी महंगाई दर बढ़ी है। आप अचंभित न हों, क्योंकि महंगाई हमारे जीवन का अंतरंग हिस्सा बन गई है। सरकार मानने को तैयार नहीं है, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) चिंतित है। अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति में मामूली गिरावट आई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा महंगाई दर 4.83 फीसदी है, जो बीती मार्च में 4.85 फीसदी थी। हालांकि यह दर 11 माह के दौरान सबसे कम मुद्रास्फीति है। इसी दौरान खाने-पीने की वस्तुओं, अनाज, फल, सब्जियों, मांस-मछली आदि की खुदरा महंगाई दर बढ़ कर 8.70 फीसदी हो गई है। मार्च में यह 8.52 फीसदी थी। भारत सरकार ने रिजर्व बैंक को लक्ष्य दिया है कि मुद्रास्फीति 4 फीसदी रहनी चाहिए। उसमें अधिकतम 2 फीसदी की बढ़-घट हो सकती है। खुदरा मुद्रास्फीति सबसे कम है, लेकिन 4 फीसदी से अधिक है। अनाज की कीमतों में 8.63 फीसदी, फलों में 5.22 फीसदी, मांस-मछली में 8.17 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जबकि अंडे, दालों, सब्जियों और मसालों की कीमतें कुछ कम हुई हैं। ये आंकड़े राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के हैं, जो मुद्रास्फीति की सरकारी स्थितियों का खुलासा करते हैं। अलबत्ता खुले और बेलगाम बाजार की कीमतें कुछ और ही होंगी, लिहाजा मुद्रास्फीति उन्हीं के मुताबिक तय होगी। कुछ सर्वेक्षणों में 22 अर्थशास्त्रियों ने अप्रैल माह में खुदरा महंगाई के 4.87 फीसदी पर स्थिर रहने का अनुमान जताया था। उनका कहना था कि मार्च के बाद से खाद्य पदार्थों की कीमतों पर दबाव बढ़ रहा है, जो काफी हद तक मौसमी है। क्रिसिल ने अपनी रपट में कहा है कि भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, जून तक तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावनाएं हैं, जिसका असर सब्जियों के उत्पादन पर पड़ेगा। नतीजतन अगले कुछ माह तक सब्जियां महंगी रह सकती हैं। दिलचस्प है कि देश में लोकसभा चुनाव जारी हैं। औसतन हर सर्वेक्षण में बेरोजगारी के बाद महंगाई दूसरा सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा रहा है। मतदाता भी सड़कों पर आंदोलित दिखाई दिए हैं। देश के औसत और कामगार तबके में, महंगाई के कारण, रोष भी दिखाई दिया है, लेकिन महंगाई चुनावी मुद्दा नहीं बन पाया है। हालांकि इस साल अच्छी बारिश होने की संभावनाएं और अपेक्षाएं हैं। मौसम विभाग ने दक्षिण-पश्चिम मानसून को 'सामान्य से ऊपर' आंका है। यदि ऐसा हुआ, तो कृषि-उत्पादन बेहतर होगा और कीमतें नियंत्रण में रह सकेंगी। गैर-खाद्य वर्ग में मुद्रास्फीति कपड़ा, जूते, घरेलू वस्तुओं, सेवाएं, मनोरंजन आदि वर्गों के मातहत रहती है। खाद्य मुद्रास्फीति से जुड़ी अनिश्चितताओं का एमपीसी पर भारी प्रभाव पड़ता है। खाद्य मुद्रास्फीति कई महीनों से 8 फीसदी से ऊपर चल रही है। एमपीसी की पिछली बैठक के बाद रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की टिप्पणी थी-एमपीसी को हर दम चौकस और जागरूक रहना चाहिए, क्योंकि खाद्य कीमतों की अनिश्चितताएं चुनौती देती रहती हैं। बहरहाल विश्व के प्रमुख विकसित देशों के केंद्रीय बैंकों ने दरों में कटौती आरंभ करनी है। हालांकि कुछ घटनाएं इस संभावना की ओर संकेत करती हैं कि इन देशों की नीतियों में विचलन हो सकता है। अमरीकी फेडरल रिजर्व की मार्च में हुई बैठक में पाया गया कि मुद्रास्फीति के मोर्चे पर प्रगति का अभाव है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 3.2 फीसदी से बढक़र 3.5 फीसदी हो गया। मंथन किया गया कि दरों में कटौती कब और कितनी करनी चाहिए। यह हमारे रिजर्व बैंक की एमपीसी की भी चिंता है। रिजर्व बैंक ने 2024-25 में 4.5 फीसदी मुद्रास्फीति का आकलन किया है, लेकिन खाद्य कीमतों में पर्याप्त अनिश्चितता रहेगी, एमपीसी ने यह अनुमान भी लगाया है। संभव है कि अर्थशास्त्र की यह भाषा पाठकों को समझ न आए अथवा कम समझ आए, लिहाजा हम स्पष्ट कर दें कि महंगाई काबू करने पर अभी कोई महत्वपूर्ण निर्णय सरकार या बैंक के विचाराधीन नहीं है। देश में सबसे अधिक मुद्रास्फीति का दौर इंदिरा गांधी की सरकार में रहा है। यूपीए सरकार के दौरान मुद्रास्फीति 12-14 फीसदी तक रही। औसत मुद्रास्फीति भी 7-8 फीसदी थी। महंगाई उस स्तर हो, जिसे आम आदमी भी वहन कर सके।

> सरकार मानने को तैयार नहीं है, जबकि भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) चिंतित है। अप्रैल में खुदरा मुद्रास्फीति में मामूली गिरावट आई है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा महंगाई दर 4.83 फीसदी है, जो बीती मार्च में 4.85 फीसदी थी। हालांकि यह दर 11 माह के दौरान सबसे कम मुद्रास्फीति है। इसी दौरान खाने-पीने की वस्तुओं, अनाज, फल, सब्जियों, मांस-मछली आदि की खुदरा महंगाई दर बढ़ कर 8.70 फीसदी हो गई है। मार्च में यह 8.52 फीसदी थी। भारत सरकार ने रिजर्व बैंक को लक्ष्य दिया है कि मुद्रास्फीति 4 फीसदी रहनी चाहिए। उसमें अधिकतम 2 फीसदी की बढ़-घट हो सकती है। खुदरा मुद्रास्फीति सबसे कम है, लेकिन 4 फीसदी से अधिक है। अनाज की कीमतों में 8.63 फीसदी, फलों में 5.22 फीसदी, मांस-मछली में 8.17 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

भारत में अनुमानित 1.8 करोड़ लोग अंतरराष्ट्रीय प्रवासी के रूप में काम करने के लिए विदेश जाते हैं

प्रवासी कामगारों से मजबूत होती अर्थव्यवस्था

ललित गर्ग

> मैक्सिको, चीन, फिलीपींस व फ्रांस जैसे देश भी इस सूची में भारत की तुलना में नीचले पायदानों पर है। भारत के लिये यह गौरव की बात है और इससे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनने के भारत के प्रयासों को भी बल मिलेगा। नया भारत एवं सशक्त भारत के निर्माण में विदेशों में रह रहे भारतीय कामगारों ने अपने खून-पसीने की कमाई से अर्जित धनराशि में से वर्ष 2022 में 111 बिलियन डॉलर अपने देश भेजे हैं।

इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) की 7 मई 2024 को जारी विश्व प्रवासन रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2024 में भारत विदेशों में काम करने वाले भारतीय कामगारों से सबसे ज्यादा धन पाने वाले देशों के रूप में सूचीबद्ध हुआ है। मैक्सिको, चीन, फिलीपींस व फ्रांस जैसे देश भी इस सूची में भारत की तुलना में नीचले पायदानों पर है। भारत के लिये यह गौरव की बात है और इससे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनने के भारत के प्रयासों को भी बल मिलेगा। नया भारत एवं सशक्त भारत के निर्माण में विदेशों में रह रहे भारतीय कामगारों ने अपने खून-पसीने की कमाई से अर्जित धनराशि में से वर्ष 2022 में 111 बिलियन डॉलर अपने देश भेजे हैं। यह आंकड़ा जहां विश्व में भारतीय श्रमशक्ति की गौरवपूर्ण गाथा को दर्शाता है, वहीं देश की अर्थव्यवस्था में उनके अमूल्य योगदान को दिखाता है। आईओएम की ताजा रिपोर्ट वैश्विक प्रवास पैटर्न में महत्त्वपूर्ण बदलावों का खुलासा करती है, जिसमें विस्थापित लोगों की रिकॉर्ड संख्या और अंतर्राष्ट्रीय प्रेषण में बड़ी वृद्धि शामिल है। पूरे विश्व में अनुमानित 281 मिलियन अंतर्राष्ट्रीय प्रवासियों के साथ, संघर्ष, हिंसा, आपदा और अन्य कारणों से विस्थापित व्यक्तियों की संख्या आधुनिक रिकॉर्ड में उच्चतम स्तर तक बढ़ गई है, जो 117 मिलियन तक पहुँच गई है, जो विस्थापन संकट को संबोधित करने की तात्कालिकता को रेखांकित करती है। भारत में अनुमानित 1.8 करोड़ लोग अंतरराष्ट्रीय प्रवासी के रूप में काम करने के लिए विदेश जाते हैं। भारतीय अंतरराष्ट्रीय प्रवासियों में सॉफ्टवेयर इंजीनियरों, डॉक्टरों आदि जैसे पेशेवरों का अनुपात बढ़ गया है। इनके वेतन ज्यादा होता है और वे बड़ी मात्रा में पैसा भारत भेजते हैं। इनके अलावा भारतीय कामगार भी बड़ी संख्या में विदेशों में अपने श्रम से धन अर्जित करके न केवल अपने परिवारों का पालन-पोषण करते हैं बल्कि भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करते हैं। निश्चित रूप से

यह उन कामगारों के भारत के प्रति आत्मीय लगाव एवं देशप्रेम को ही दर्शाता है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में योगदान करने वाले इन श्रमवीरों के प्रति देश कृतज्ञ है। निश्चित रूप से इसका भारतीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, वहीं दुनिया में भारतीय श्रम-शक्ति एवं प्रतिभाएं अपनी क्षमता, कौशल एवं प्रतिभा से विपुल आर्थिक, सामाजिक एवं विकासमूलक योजनाओं की नयी संभावनाओं के द्वार खोलती है, जिससे दुनिया में भारत की ताकत को नये पंख लगते हैं। भारतीय कामगारों, विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं एवं कौशल के लिए शीर्ष प्रवासन गलियारे संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और सऊदी अरब हैं जबकि राजनीतिक कारणों से भारत में प्रवेश करने वाले प्रवासियों की सबसे अधिक संख्या बांग्लादेश से आती है। प्रश्न है कि भारतीय कामगार एवं प्रतिभाएं जितनी बड़ी संख्या में विदेशों में जाकर अपनी क्षमताओं एवं प्रतिभा का लोहा मनवा रही है, विदेशी प्रतिभाएं उतनी संख्या में भारत नहीं आ रही है। वोट बैंक बढ़ाने के लिये बांग्लादेश आदि पडौसी देशों से गरीब एवं मुसलमानों का बड़ी संख्या में देश में आना, यहां के विकास को अवरोध करता है। इस तरह के लोगों के आने से देश में जनसंख्या बढ़ रही है, वही उनका भारत के विकास में योगदान नगण्य है और उनका भारत से कोई मजबूत एवं आत्मीय रिश्ता भी कायम नहीं हो पाता है, यह एक समस्या के रूप में भारत के विकास को बाधित करता है। दुनिया में भारतीय श्रम एवं कौशल की बड़ी मांग है। क्योंकि भारतीय मजबूर मेहनती, ईमानदार एवं कार्यनिष्ठ होते हैं। विकसित देशों में श्रमिकों की भारी कमी के बीच खेती, निर्माण और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में काम करने के वास्ते भारतीय कामगारों को विदेश भेजने के लिए विकसित देशों के साथ द्विपक्षीय समझौते करने का भारत सरकार का इरादा है। भारत सरकार उन देशों के साथ एग्रीमेंट करने जा रही है, जहां आबादी तेजी से घट रही है। वैसे हम पहले ही जापान और फ्रांस के साथ लेबर सप्लाई एग्रीमेंट कर चुके हैं। इजरायल के साथ भी एक करार है, जिसके तहत हजारों भारतीय वहां खेती और मजदूरी के लिए भेजे जा रहे हैं। यूनान ने भारत से संपर्क किया है कि वह कृषि क्षेत्र में काम करने वाले लगभग 10,000 कामगारों को उसके यहां भेजे। विदेशों से धन भेजने के आकंड़े का बढ़ना दर्शाता है कि प्रवासियों का अपनी मातृभूमि के बीच कितना मजबूत, आत्मीय व स्थायी संबंध है। लेकिन इसके साथ ही भारत सरकार का दायित्व बनता है कि इस उपलब्धि की खुशी मनाते वक्त प्रवासियों के सामने आने वाली चुनौतियों को भी पहचाना जाए और उनका समाधान किया जाये। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट बताती है कि प्रवासी कामगारों को वित्तीय शोषण, प्रवासन लागत के कारण बढ़ते ऋण दबाव, नस्लीय भेदभाव व कार्यस्थल पर दुर्व्यवहार जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जिनके निराकरण के लिए गंभीर प्रयास करने की जरूरत है। दुनिया की महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत अपने प्रवासी कामगारों की समस्याओं के समाधान के लिये संबंधित देशों से रणनीतिक तरीकों से रास्ता निकालना चाहिए। निस्संदेह, भारत सरकार को प्रवासी कामगारों की समस्याओं के समाधान के लिये हमारे दूतावासों के जरिये विशेष कदम उठाने चाहिए। दरअसल, खाड़ी सहयोग परिषद के राज्यों में जहां बड़ी संख्या में भारतीय प्रवासी कार्यरत हैं, उनके अधिकारों का उल्लंघन जारी है।

दृष्टि कोण

फनी वीडियो इतने भी फनी नहीं; इंटरनेट से लोगों तक पहुंचाना कितना जायज

फेसबुक इंस्टाग्राम या यूट्यूब संगीत के बाद सबसे ज्यादा देखे जाने वाले वीडियो में दर्शकों की पसंद फनी (मजाकिया) वीडियो या प्रैंक वीडियो ही हैं। खाली वक्त में जब करने के लिए कुछ खास न हो और हाथ में मोबाइल हो, तो लोग अक्सर इन वीडियो की तलाश में रहते हैं। जब स्क्रॉल करते हुए कुछ रोचक दिख जाता है, वे उसे देखने लगते हैं। इंसान सदियों से एक-दूसरे के साथ मजाक करता आ रहा है। प्रैंक या मजाक ज्यादातर सांस्कृतिक मानकों द्वारा निर्धारित होते हैं, जिनमें टीवी, रेडियो और इंटरनेट द्वारा स्थापित मानक भी शामिल हैं। लेकिन जब सांस्कृतिक और व्यावसायिक मानक मजाक करते वक्त आपस में टकराते हैं और अगर उन्हें जनमाध्यमों का साथ मिल जाए, तो उसके परिणाम भयानक साबित हो सकते हैं। दिसंबर, 2012 में जैसिंथा सल्दान्हा नामक भारतीय मूल की एक ब्रिटिश नर्स ने एक प्रैंक कॉल के बाद आत्महत्या कर ली थी। उसके बाद पूरी दुनिया में बहस चल पड़ी कि इस तरह का मजाक किसी के साथ करना और फिर उसे रेडियो टीवी या इंटरनेट के माध्यम से लोगों तक पहुंचा देना कितना जायज है? वर्ष 2012 में इंटरनेट इतने बहुआयामी माध्यमों के साथ हमसे नहीं जुड़ा था, लेकिन आज के हालात एकदम अलग हैं। आज हिट्स और क्लिक से पैसे कमाए जा सकते हैं। ऐसे में यह महत्वपूर्ण नहीं रह गया है कि क्या दिखाया जा रहा है, बस व्यूज मिलने चाहिए। ऐसे में भारत एक खतरनाक स्थिति में पहुंच रहा है, जिसमें प्रैंक वीडियो बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। दुनिया में ऑनलाइन प्रैंक वीडियो की शुरुआत यूटयूब और फेसबुक जैसी साइट्स के आने से बहुत पहले हो गई थी। वर्ष 2002 में इंटरेक्टिव फ्लैश वीडियो स्केयर प्रैंक के नाम से पूरे इंटरनेट पर फैल गया था। थॉमस हॉब्स उन पहले दार्शनिकों में थे, जिन्होंने यह माना कि मजाक के बहुत सारे कार्यों में से एक यह भी है कि लोग अपने स्वार्थ के लिए मजाक का इस्तेमाल सामाजिक शक्ति पदानुक्रम को अस्त-व्यस्त करने के लिए करते हैं। मजाक की श्रेष्ठता के सिद्धांतों को मनोविज्ञान और समाजशास्त्र के बीच संघर्ष और शक्ति संबंधों के संबंध में

समझा जा सकता है। विद्वानों ने माना कि संस्कृतियों में मजाक का इस्तेमाल अक्सर 'हिंसा को सही ठहराने और मजाक के लक्ष्य को अमानवीय बनाने के लिए' किया जाता है। इन चर्चाओं के बीच इंटरनेट पर मजाक का शिकार हुए लोगों की चिंताएं गायब हैं। सबसे मुख्य बात सही और गलत के बीच का फर्क मिटना है। इंटरनेट जिस गति से देश में पैर पसार रहा है, उस गति से लोगों में डिजिटल साक्षरता नहीं आ रही है, इसीलिए निजता के अधिकार जैसी जरूरी बातें कभी विमर्श का मुद्दा नहीं बनतीं। किसी ने किसी से फोन पर बात की, अपना मजाक उड़वाया, यह मामला यहां तक तो व्यक्तिगत है। लेकिन वही वार्तालाप अगर इंटरनेट के माध्यम से सार्वजनिक हो जाए, तो जिस कंपनी के सौजन्य से यह सब हुआ, उसे हिट्स, लाइक और पैसे मिले, लेकिन जिस व्यक्ति के कारण यह सब हुआ, उसे क्या मिला? यह सवाल अक्सर पूछा नहीं जाता। ऐसे सैकड़ों ऐप हैं, जिन्हें डाउनलोड करके आप मजाकिया वीडियो देख सकते हैं और ये वीडियो आम लोगों ने ही अचानक बना दिए हैं। कोई व्यक्ति मेन होल में गिर जाता है और उसका मजाकिया वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो जाता है और फिर अनंतकाल तक के लिए सुरक्षित भी हो जाता है। हमने उस वीडियो को देखकर खूब हंसते हैं, पर कभी उस परिस्थिति में खुद को रखकर नहीं सोचते। इंटरनेट ने निहायत निजी चीजों को सार्वजनिक कर दिया है। ये निजी चीजें जब चारों ओर बिखरी हों, तो हम उन असामान्य परिस्थिति में घटी घटनाओं को भी सार्वजनिक जीवन का हिस्सा मान लेते हैं, जिससे एक परपीड़क समाज का जन्म होता है। यही कारण है कि कोई दुर्घटना होने पर लोग मदद करने के बजाय वीडियो बनाने में लग जाते हैं। मजाकिया और प्रैंक वीडियो पर कहकहे लगाइए, लेकिन जब उन्हें इंटरनेट पर डालना हो, तो क्या डाला जाए और क्या नहीं, इस पर जरूर विचार करें। यह फैसला कोई सरकार नहीं करेगी, हमें ही करना है।

कुछ अलग

सुरक्षा मानकों की अनदेखी से दुर्घटनाएं

बैजनाथ की छोटा भंगाल घाटी के चहरना लम्बाडग गांव में केयू हाइड्रो कंपनी के 25 मेगावाट के हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में पिछले शुक्रवार को परियोजना का पेनस्टोक फट जाने और हेड रेस टनल (एचआरटी) में रिसाव से मुल्थान बाजार में हुई तबाही को प्रदेश सरकार ने गंभीरता से लिया है और घटना की जांच के लिए पांच सदस्यीय तकनीकी कमेटी का गठन किया गया है। यह कमेटी टनल के डिजाइन के अलावा उपकरणों की मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल जांच कर सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। केयू हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट की सुरंग के अंदर पाइप से पानी का रिसाव होने से बाढ़ और भूस्खलन जैसी परिस्थितियां उत्पन्न हो जाने से स्थानीय नागरिकों को होटलों में ठहराया गया है। केयू हाइड्रो कंपनी प्रबंधन ही मलबे में तबदील हो चुके मुल्थान गांव के प्रभावितों के नुकसान की सारी भरपाई करेगा। हिमाचल प्रदेश अपने पनबिजली संसाधनों में बेहद समृद्ध है। भारत की कुल क्षमता का लगभग पच्चीस प्रतिशत इसी राज्य में है। अनुमानतः प्रदेश की पांच बारहमासी नदियों पर विभिन्न जलविद्युत परियोजनाओं के निर्माण से राज्य में लगभग 27436 मेगावाट पनबिजली पैदा हो सकती है। राज्य की कुल पनबिजली क्षमता में से, 10519 मेगावाट का दोहन अभी भी किया जा रहा है, जिसमें से केवल 7.6 प्रतिशत हिमाचल प्रदेश सरकार के नियंत्रण में है, जबकि शेष क्षमता का दोहन केंद्र सरकार द्वारा किया जा रहा है। चूंकि हिमाचल प्रदेश में बड़ी संख्या में जलविद्युत परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं, तो सुरक्षा एवं दुर्घटनाओं से बचाव को प्राथमिकता में रखना अनिवार्य हो जाता है। बांध सुरक्षा अधिनियम 2021 के निर्देशों के अनुसार बांध के सुरक्षित निर्माण, संचालन, रखरखाव और पर्यवेक्षण के लिए बांध मालिक जिम्मेदार होंगे और मानसून के मौसम से पहले और बाद में और प्रत्येक भूकंप, बाढ़, आपदा या संकट के किसी भी संकेत के दौरान और उसके बाद एक आपातकालीन कार्य योजना तैयार करनी होगी, निर्दिष्ट नियमित अंतराल पर जोखिम मूल्यांकन अध्ययन करना होगा और विशेषज्ञों के एक पैनल के माध्यम से एक व्यापक बांध सुरक्षा मूल्यांकन तैयार करना शामिल रहेगा। लापरवाही पाए जाने पर बांध परियोजना मालिकों के लिए अपराध और दंड का प्रावधान भी किया गया है। मई 2019 में भी हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में 100 मेगावाट की सैंज जलविद्युत परियोजना के बांध में आई भारी दरारों के कारण गंभीर रिसाव के बाद अपना संचालन बंद करना पड़ा था। इस तरह की दुर्घटनाएं कोई नई बात नहीं है, लेकिन सवाल यह उठता है कि सुरक्षा मानकों पर नजर रखने वाली संबंधित एजेंसियों ने क्या किया? मीडिया रिपोर्टें बताती हैं कि पिछले सात वर्षों में लापरवाही के कारण दुर्घटनाओं के 16 मामले दर्ज किए गए हैं जिससे जान-माल को भारी नुकसान हुआ है। पहाड़ों में बड़ी संख्या में बन रहीं सुरंगें चाहे वे जलविद्युत परियोजनाओं से जुड़ी हों अथवा फोरलेनिंग से वहां भूस्खलन और प्राकृतिक हादसों से संपत्ति और जानमाल को खतरा बढ़ता जा रहा है। हिमाचल की जलविद्युत नीति 2006 में बनाई गई थी। अब हिमाचल प्रदेश 17 वर्षों के बाद हाइड्रो, बायोमास और सौर ऊर्जा विकास के क्षेत्र में नई चुनौतियों का समाधान करने के लिए अपनी जल विद्युत नीति में बदलाव करने जा रहा है। हिमालय का पर्यावरण और भूकंपीय गतिविधि क्षेत्र इसकी नदी घाटियों को भूस्खलन हेतु प्रवण बनाती है। चूंकि जलविद्युत परियोजनाओं में वृद्धि देखी जा रही है, लिहाजा जिला कांगड़ा के उपमंडल बैजनाथ की मुल्थान तहसील में लंबाडग पनविद्युत परियोजना के पेनस्टोक के फटने की वजह से आई तबाही निर्माणाधीन और परिचालन परियोजनाओं में सुरक्षा निगरानी और जवाबदेही में भूमिका की ओर इशारा करती है और भविष्य के लिए कड़े सुरक्षा मानकों को लागू करने की ताकीद करती है।

देश दुनिया से

पीओके के हाथ से निकल जाने के डर से सहमा पाकिस्तान

> जीवन निर्वाह की जरूरतों को पूरा न कर पाने से जनता में भारी आक्रोश एवं सरकार के खिलाफ नाराजगी चरम सीमा पर पहुंच गयी है। गेहूं के आटे और बिजली की ऊंची कीमतों के खिलाफ जबरदस्त आंदोलन चल रहा है। प्रदर्शनकारियों एवं सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पों में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गयी जबकि 100 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में अधिकतर पुलिसकर्मी हैं। पीओके के लोग पाकिस्तान सरकार की नाकामी के खिलाफ सड़कों पर हैं। पाकिस्तान को पीओके के हाथ से निकल जाने का डर सताने लगा था। पीओके की आवाज दबाने के लिए पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल को तैनात किया है एवं आन्दोलनकारियों को दबाने की दमनकारी कोशिशें की जा रही है। पीओके के बगावती तेवर देख पाकिस्तान के हाथ-पांव फूल गये हैं।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पाकिस्तान सरकार की तानाशाही, उदासीनता, उपेक्षा एवं दोगली नीतियों के कारण हालात बेकाबू, अराजक एवं हिंसक हो गये हैं। जीवन निर्वाह की जरूरतों को पूरा न कर पाने से जनता में भारी आक्रोश एवं सरकार के खिलाफ नाराजगी चरम सीमा पर पहुंच गयी है। गेहूं के आटे और बिजली की ऊंची कीमतों के खिलाफ जबरदस्त आंदोलन चल रहा है। प्रदर्शनकारियों एवं सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़पों में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गयी जबकि 100 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में अधिकतर पुलिसकर्मी हैं। पीओके के लोग पाकिस्तान सरकार की नाकामी के खिलाफ सड़कों पर हैं। पाकिस्तान को पीओके के हाथ से निकल जाने का डर सताने लगा था। पीओके की आवाज दबाने के लिए पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार ने चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल को तैनात किया है एवं आन्दोलनकारियों को दबाने की दमनकारी कोशिशें की जा रही है। पीओके के बगावती तेवर देख पाकिस्तान के हाथ-पांव फूल गये हैं। दरअसल, अक्टूबर 1947 में पाकिस्तान के कब्जे के बाद से ही पीओके लगातार सरकार की उपेक्षा, उत्पीडन एवं उदासीनता झेल रहा है। उसकी समस्याओं और विकास पर ध्यान देने की बजाय पाकिस्तान का जोर वहां आतंकियों के ट्रेनिंग कैंप खोलने पर ज्यादा रहा। पाकिस्तान की सरकार ने पीओके का इस्तेमाल भारत में अशांति, आतंक एवं हिंसा फैलाने के लिये किया है, वह पीओके के माध्यम से कश्मीर को हडपने की हर संभव कोशिश करता रहा है, लेकिन वहां के निवासियों की जरूरतों पर कभी ध्यान नहीं किया। यूं तो अभी समूचे पाकिस्तान के हालात बद से बदतर हैं, गरीबी, महंगाई एवं आर्थिक दिवालियापन से घिरा है, दुनियाभर से आर्थिक सहायता प्राप्त करने के लिये झोली लिये घूम रहा पाकिस्तान भारत में अशांति एवं आतंक फैलाने से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल, पाकिस्तानी कमरतोड़ महंगाई एवं जनसुविधाओं से जूझ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 3 अरब डॉलर के कर्ज की मंजूरी देते समय कड़ी शर्तें लगाई थीं, जिसके कारण स्थिति और खराब हो गई है। बिजली दरों में बढ़ोतरी से दिक्कतें बढ़ गई हैं और पाकिस्तान में लोग सड़कों पर उतरने को मजबूर हो गए हैं। इन्हीं जर्जर एवं जटिल हालातों के बीच पीओके के हालात पाकिस्तान के लिये नया सिर दर्द बन गया है। पाकिस्तान के सुरक्षा बल प्रदर्शनकारियों के मुजफराबाद मार्च को दबाने की जितनी कोशिश कर रहे हैं, विरोध प्रदर्शन उतना ही उग्र हो रहा है। पीओके की अवामी एक्शन कमेटी के मार्च और धरने के आह्वान के बाद बेकाबू होते हालात 1955 के अवज्ञा आंदोलन की यादें ताजा कर रहे हैं, जब पीओके के लोगों और पाकिस्तानी फौज में सीधा टकराव हुआ था। अब फिर पीओके के लोगों के उबलते गुस्से ने पाकिस्तानी हुकूमत के माथे पर बल बढ़ा दिए हैं, समस्या को अनियंत्रित एवं अनिश्चित हालात में पहुंचा दिया है। पीओके के सबसे उत्तरी इलाके गिलगित बाल्टिस्तान के लोग पिछले कुछ दिनों से पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के साथ मिलाए जाने की मांग कर रहे हैं। पीओके में आजादी के नारे लगने एवं उसे लद्दाख के साथ मिलाए जाने की मांग के बाद शहबाज शरीफ सरकार और पाकिस्तानी सेना दोनों सकते में है। पाकिस्तान के अत्याचार के खिलाफ पीओकी की जनता जिस तरह खड़ी हो गई, उसने पाकिस्तानी नीति निर्माताओं को तनाव में ला दिया है। हजारों की संख्या में कश्मीरी लोग पीओके में जगह-जगह सड़कों पर उतर आए तो पाकिस्तान को पीओके के हाथ से निकल जाने का डर सताने लगा है। पीओके में विरोध को दबाने के लिए पाकिस्तानी दमन चक्र शुरू हो गया है। इसमें पाकिस्तान रेंजर्स और फ्रंटियर कोर को भी लगाया गया है। पीओके के सभी 10 जिलों में इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी गई हैं। भाजपा की मोदी सरकार के मुख्य एजेंडे में पीओके को पाकिस्तान से मुक्त कराकर भारत में शामिल करना पहले से निश्चित है। पीओके का ताजा संघर्ष एवं आन्दोलन भाजपा की राह को निश्चित ही आसान करेंगी। भारत के विभाजन के तुरंत बाद पाकिस्तान द्वारा जम्मू और कश्मीर की रियासत पर आक्रमण करने के बाद पीओके बनाया गया था। पाकिस्तानी सेना और आदिवासी हमलावरों के हमले के तहत, महाराजा हरिसिंह ने भारत से सैन्य मदद मांगी, जिसके बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तानी सेना को पूरी रियासत पर कब्जा करने से रोक दिया। अब, लगभग सात-आठ दशक से अधिक समय के बाद, जबकि पाकिस्तान भारी वित्तीय, राजनीतिक और मानवीय संकट में फंस गया है, जबकि भारत अपने आर्थिक, राजनैतिक और वैज्ञानिक मापदंडों में तेजी से आगे बढ़ रहा है और अपनी सैन्य शक्ति को सशक्त कर रहा है। जम्मू-कश्मीर में विकास की गंगा बह रही है, वहां के लोग शांति, शिक्षा, व्यापार एवं विकास की दृष्टि से नये कीर्तिमान गढ़ रहे हैं जबकि पीओके कम मानव विकास के साथ आर्थिक प्रगति से वंचित जनजीवन से जुड़ी समस्याओं से जूझ रहा है।

आप का नजरिया

चुनाव का सबसे बड़ा युद्ध

हिमाचल का सबसे बड़ा चुनाव (उपचुनाव) धर्मशाला में प्रदेश की सियासत से मुखातिब है। यह भौगोलिक अपेक्षाओं, हिमाचल के पुनर्गठन, ऊपरी-निचले हिमाचल के संतुलन, विकास के मॉडल, नए नेतृत्व की डगर और कांगड़ा के भंवर पर खड़ा पुकार रहा है। विडंबना यह है कि करीब डेढ़ साल बाद ही सुक्खू सरकार को धर्मशाला के मंच पर अपना पक्ष, सफाई और वचनबद्धता को प्रमाणित करने की चुनौती मिली है। ऐसे में मंगलवार के दिन नामांकन पत्र पेश नहीं हुए, बल्कि सियासत का स्रोत, मतदाता का होश और नेताओं का कोष भी देखा गया। जाहिर तौर पर यहां सुधीर शर्मा का मुकाबला, देवेंद्र सिंह जग्गी से नहीं, बल्कि सीधे मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के निजाम से है, इसलिए चुनाव में तिनके तिनके बटोरे जा रहे हैं। प्रदेश की सबसे बड़ी बिसात पर सत्ता की इज्जत का सवाल इसलिए भी है क्योंकि कांग्रेस से छीना गया साम्राज्य, इसी दुर्ग की कैद में है। अगर सुक्खू अपने दल-बल के साथ चढ़ाई करके सुधीर शर्मा को परास्त करते हैं, तो सारे जख्म मिट जाएंगे वरना प्रतिकूल परिणाम की आंच राजनीति के जाने कौनसे अध्याय लिखेगी। नामांकन पत्र दाखिल करके भाजपा ने अनुराग ठाकुर की विरासत में सुधीर शर्मा का घोंसला बनाया है, तो सरकार ने जग्गी पर अपना चेहरा लगाया है। हिमाचल की राजनीति पुनः शांता कुमार के दौर में लौट कर ज्वालामुखी कांड को याद कर रही है। तब प्रेम कुमार धूमल का पक्ष और उनके पैरोकार सामने आए थे। अब धर्मशाला में सुधीर बनाम सुक्खू के बीच यह उपचुनाव तय करेगा कि हिमाचल की अगली सियासत में किसका दांव भारी पड़ेगा। यह खेल इतना भी आसान नहीं कि आसान सी शब्दावली पर लड़ा जाए। अब न सुधीर बागी और न ही सरगना रहा, वह अपने अस्तित्व की मचान पर अपने दौर के विकास पर लड़ रहा है। इसीलिए सुधीर शर्मा की नुक्कड़ बैठकों में बतौर विधायक एवं उसके मंत्रित्व काल का विकास योद्धा बनकर उभर रहा है। सुधीर शर्मा के पास महज तर्क नहीं, विकास के अध्याय और विजन की चौपाटी है। नुक्कड़ सभाओं तक कंक्रीट के रोड, हैंडपंपों का पानी, खेल के मैदान ही नहीं, स्मार्ट सिटी का पैगाम भी पहुंच रहा है। धर्मशाला अपने रोपवे से विधानसभा के इस रोचक चुनाव को देख रहा है, तो कहीं उन मील पत्थरों को भी निहार रहा है, जहां जदरांगल में केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर की उदास आंखों में तीस करोड़ का भुगतान या चैतड़ू आईटी पार्क के रुके हुए अरमान दिखाई दे रहे हैं। धर्मशाला स्वाभाविक रूप से हर सरकार के दौर का मुआयना है और उन सियासी परंपराओं का अनुसरण भी जो वीरभद्र सिंह की हर पारी को यहां पहुंचाती रही। ठाकुर राम लाल के मंत्रिमंडल की बैठक से शुरू हुआ यह सफर शीतकालीन राजधानी तक पहुंचा। भले ही धूमल सरकार ने धर्मशाला में हिमाचल भवन का नामोनिशान मिटाया, लेकिन अपने कार्यकाल में मुख्यमंत्री सचिवालय बनवा कर मंत्रियों को धर्मशाला में बैठाया। प्रेम कुमार धूमल ने भले ही आरंभिक तौर पर कांगड़ा के विभाजन से सत्ता के केंद्र में जिला के पालमपुर, देहरा व नूरपुर की नेतागिरी को आगे बढ़ाया, लेकिन उस वक्त के शिखर पर रहे रविंद्र सिंह रवि का चमत्कार अस्त हो गया। कमोबेश वर्तमान सरकार में भी जिला के कद्दावर नेता सुधीर शर्मा की उपेक्षा में बंटे कैबिनेट रैंक केवल चुगलखोरी में तबदील हो चुके हैं।

अमेरिका–चीन विवाद से भारत के लिए कई क्षेत्रों में खुल सकते अवसर, फियो ने कही ये बात

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका और चीन में शुल्क विवाद से भारत के लिएफेस मास्क, पीपीई, एल्युमीनियम और स्टील समेत कई क्षेत्रों में अवसर के नएद्वार खुल सकते हैं।फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, अमेरिका के इस कदम से दोनों देशों के बीच टैरिफ युद्ध शुरू हो जाएगा। ऐसे में चीन की ओर से जवाबी कार्रवाई की आशंका है। इससे भारत और अन्य प्रतिस्पर्धियों को आपूर्ति के अंतर का फायदा उठाने का अवसर मिल सकता है।भारत इसका लाभ उठाकर अमेरिकी और यूरोपीय बाजारों में अपनी उपस्थिति बढ़ा सकता है।दरअसल, अमेरिका ने अपने सबसे बड़े कारोबारी भागीदार चीन के कुछ उत्पादों पर शुल्क में 100 फीसदी तक बढ़ोतरी की है।

चीन से ईवी आयात घटा रहे पश्चिमी देश

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, अमेरिका और यूरोपीय संघ चीन से इलेक्ट्रिक वाहनों के आयात में कटौती कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा ईवी, बैटरी और कई अन्य नई टेक्नोलॉजी वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाने से चीन इन उत्पादों को भारत सहित अन्य बाजारों में डंप करने के लिए मजबूर हो सकता है। चीनी फेस मास्क, सीरिंज, सूई और चिकित्सा दस्ताने पर ज्यादा शुल्क भारत के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर पेश करते हैं। अमेरिका को चीन 420 अरब डॉलर का निर्यात करता है।टैरिफ विवाद से चीन के निर्यात में 18 अरब डॉलर की कमी आईहै। अमेरिका के बाजार में बढ़ सकता है हमारा कारोबार मांग वाले उत्पादों का उत्पादन और निर्यात को बढ़ाकर भारत अमेरिकी बाजार में व्यापार को बढ़ा सकता है। भारत को ईवी और सेमीकंडक्टर जैसे उत्पादों पर कोई निर्यात लाभ नहीं मिल सकता है, क्योंकि भारत इनका आयातक है। लेकिन, लंबे समय में भारत 2025 से बड़े पैमाने पर सेमीकंडक्टर उत्पादन शुरू करने के साथ इसमें से कुछ को अमेरिका और यूरोप के अन्य देशों में निर्यात करने में सक्षम होगा। भारत में चार चिप संयंत्रों पर काम चल रहा है। ईवी तंत्र भी गति पकड़ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

संतुष्ट न होने पर 10 में से नौ ठुकरा देते हैं नौकरी, युवाओं को आर्थिक हालात में सुधार की उम्मीद

नई दिल्ली। दुनियाभर में मिलेनियल्स व जेन जी अर्थव्यवस्था और सामाजिक हालात को लेकर आशावादी हैं। ज्यादातर युवाओं को उम्मीद है कि उनके देश के आर्थिक व सामाजिक हालात में आगे चलकर सुधार होगा। मिलेनियल्स यानी 1983 से 1994 के बीच पैदा हुए लोग और जेन जी 1995 से 2005 के बीच पैदा हुए लोग दुनिया के श्रम बल का सबसे अहम हिस्सा हैं। डेलॉइट की सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों पीढ़ियों के 10 में से नौ लोग नौकरी की संतुष्टि को अहम मानते हैं और वे ऐसी नौकरियों के प्रस्तावों को ठुकराने को तैयार रहते हैं, जो उनकी नैतिकता और मान्यताओं के अनुरूप नहीं होती हैं। संर्वेक्षण में 44 देशों के 22,800 से अधिक जेन जी और मिलेनियल को शामिल किया गया। 24 नवंबर, 2023 से 13 फरवरी, 2024 के बीच किए गए इस सर्वे का लक्ष्य यह पता लगाना था कि दोनों पीढ़ियां अपने आसपास की दुनिया में होने वाले बदलावों को कैसे समझती हैं। डेलॉइट इंडिया की चीफ पीपल एंड एक्सपीरिएंस अधिकारी दीप्ति सागर कहती हैं कि दोनों पीढ़ियां दुनिया में बदलाव के वाहक हैं। खासतौर पर जेनएआई को लेकर उत्साहित हैं और मानते हैं कि नई तकनीक उनके कार्य–जीवन संतुलन पर सकारात्मक प्रभाव डालेगी।

नौ साल में कृषि क्षेत्र का बजट 300 फीसदी बढ़ा, स्टार्टअप की संख्या कई गुना बढ़कर 7,000 पार

नई दिल्ली । कारोबार के अनुकूल माहौल और सरकार के समर्थन से पिछले नौ साल में कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्रों में स्टार्टअप की संख्या कई गुना बढ़कर 7,000 से अधिक हो गई है। 2014–15 से पहले इनकी संख्या 50 से कम थी। नौ वर्षों की इस अवधि में कृषि के लिए बजट आवंटन में भी 300 फीसदी का उछाल आया है। यह 30,000 करोड़ रुपये से बढ़कर 1.3 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया फार्मर एसोसिएशंस (एफएआईएफए) की जारी भारत के कृषि परिवर्तन शीर्षक वाली रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार का एक दशक लंबा प्रयास सराहनीय है। इसमें व्यापक दृष्टिकोण को स्वीकार किया गया है, जिससे कृषि क्षेत्र में एक सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। इन योजनाओं से किसानों की स्थिति में आया सुधार रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना ने किसानों की स्थिति बदलने में अहम भूमिका निभाई है। इन योजनाओं की मदद से किसानों की वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है। जैविक खेती को बढ़ावा देने, महिला किसानों को सशक्त बनाने, बुनियादी ढांचा मजबूत करने एवं सेवाओं को डिजिटल बनाने के लिएसरकार ने रणनीति बनाई है।

शहरी बेरोजगारी मार्च तिमाही में घटकर 6.7 फीसदी, महिलाओं की बेरोजदारी दर में गिरावट

नई दिल्ली । देश में शहरी बेरोजगारी दर मार्च तिमाही में मामूली घटकर 6.7 फीसदी पर आ गई है। एक साल पहले समान अवधि में यह 6.8 फीसदी थी। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) के अनुसार, शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए शहरी बेरोजगारी पिछले साल अप्रैल–जून और जुलाई–सितंबर में 6.6 फीसदी थी। अक्तूबर–दिसंबर में यह 6.5 फीसदी थी। एनएसओ की ओर से जारी 22वें पीरियाडिक लेबर फोर्स सर्वे के मुताबिक, शहरी क्षेत्रों में महिलाओं के बीच बेरोजगारी दर इस साल जनवरी–मार्च में घटकर 8.5 प्रतिशत हो गई। एक साल पहले इसी तिमाही में यह दर 9.2 प्रतिशत थी। अप्रैल–जून 2023 में यह 9.1 फीसदी, जुलाई–सितंबर 2023 में 8.6 फीसदी और अक्तूबर–दिसंबर 2023 में 8.6 फीसदी थी। पुरुषों में बढ़कर 6.1 फीसदी शहरी पुरुषों में बेरोजगारी दर इस साल जनवरी–मार्च में बढ़कर 6.1 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई। एक साल पहले की अवधि में 6 प्रतिशत थी। अप्रैल–जून 2023 में यह 5.9 फीसदी, जुलाई–सितंबर 2023 में 6 फीसदी और अक्तूबर–दिसंबर 2023 में 5.8 फीसदी थी। शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में श्रम बल भागीदारी दर 2024 की जनवरी–मार्च तिमाही में बढ़कर 50.2 प्रतिशत हो गई।

वाणिज्य मंत्रालय बोला– भारतीय मसालों का रिजेक्शन रेट बहुत कम

वित्त वर्ष 24 में करीब 14.15 मिलियन टन मसालों का निर्यात, केवल 200 किलो वापस मंगाया

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)।

भारतीय मसालों के निर्यात पर वैश्विक स्तर पर कड़ी नजर रखी जा रही है। ऐसे में वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि इन वस्तुओं का रिजेक्शन रेट बेहद कम है। वहीं, निर्यात सैंपल की विफलता भी कम है। वाणिज्य मंत्रालय के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा,हमारी ओर से प्रमुख देशों को निर्यात किए गए मसालों की कुल मात्रा के मुकाबले अस्वीकृति दर 1 प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय रिकॉल और अस्वीकृति आंकड़ों पर नजर रखता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि वित्त वर्ष 24 में भारत ने लगभग 14.15 मिलियन टन मसालों का निर्यात किया, जिसमें से केवल 200 किलोग्राम के मसाले की एक छोटी मात्रा को ही वापस मंगाया गया।

एक सैंपल का प्रभावित होना कोई बड़ी बात नहीं – अधिकारियों ने बताया कि भारतीय निर्यात के लिए सैंपल फेलियर 0.1 प्रतिशत से 0.2 प्रतिशत के निचले स्तर पर बना हुआ है, जबकि अन्य देशों से आने वाले मसाले का सैंपल फेलियर 0.73 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि एक सैंपल का प्रभावित होना कोई बड़ी बात नहीं है। भारत कई बार कई देशों के सैंपल को खारिज भी कर देता है।

सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग में मसालों पर बैन के बाद आया मंत्रालय का बयान – हाल ही में सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग ने एमडीएच और एवरेस्ट दोनों कंपनियों के कुछ प्रोडक्ट्स में पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की लिमिट से ज्यादा मात्रा होने के कारण उन्हें बैन किया था। इन प्रोडक्ट्स में इस पेस्टिसाइड की ज्यादा मात्रा से कैंसर होने का खतरा है। हॉन्गकॉन्ग के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने कहा था कि एमडीएच ग्रुप के तीन मसाला मिक्स– मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला पाउडर और करी पाउडर में एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा पाई गई है। एवरेस्ट के फिश करी मसाला में भी यह कार्सिनोजेनिक पेस्टिसाइड पाया गया है। तब से भारतीय मसालों को वैश्विक जांच का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के रेगुलेटर मासालों की जांच कर रहे हैं। इसी के बाद अब वाणिज्य मंत्रालय ने इसके निर्यात और रिजेक्शन को लेकर बयान दिया है।

भारत ने सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग से डीटेल्स मांगी है – 23 दिन पहले एमडीएच और एवरेस्ट मसालों के बैन के मामले में भारत ने सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग के फुड रेगुलेटर्स यानी खाद्य नियामक से डीटेल्स मांगी हैं। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने सिंगापुर और हांगकांग दोनों में भारतीय दूतावासों को इस मामले पर एक डीटेल्ड रिपोर्ट भेजने का भी निर्देश दिया था। मिनिस्ट्री ने एमडीएच और एवरेस्ट से भी डीटेल्स मांगी थी।

मसालों में तय मानकों से कम कीटनाशक की अनुमति – 11 दिन पहले 6 मई को फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने उन सभी मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया था, जिसमें यह दावा किया जा रहा था कि भारतीय फूड कंट्रोलर जड़ी–बूटियों और मसालों में तय मानक से 10 गुना ज्यादा कीटनाशक मिलाने की अनुमति देता है। एफएसएसएआई ने एक प्रेस रिलीज में बताया था कि इस तरह की सभी खबरें झूठी और बेबुनियाद हैं। भारत में मैक्सिमम रेसिड्यू लेवल यानी कीटनाशक मिलाने की लिमिट दुनियाभर में सबसे कड़े मानकों में से एक है। कीटनाशकों के एमआरएल उनके रिस्क के आकलन के आधार पर अलग–अलग फूड मटेरियल के लिए अलग–अलग तय किए जाते हैं। कुछ कीटनाशकों के लिए बढ़ाई थी लिमिट हालांकि एफएसएसएआई ने माना था कि कुछ कीटनाशक, जो भारत में केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और रजिस्ट्रेशन कमेटी से रजिस्टर्ड नहीं हैं, उनके लिए यह लिमिट 0.01 एमजी/केजी से 10 गुना बढ़ाकर 0.1 एमजी/केजी की गई थी। यह वैज्ञानिक पैनल के रिकमेंडेशन पर ही किया गया था। सीआईबी × आरसी कीटनाशकों की मैन्युफैक्चरिंग, इम्पोर्ट–एक्सपोर्ट, ट्रांसपोर्ट और स्टोरेज आदि को रेगुलेट करते हैं। मिर्च पाउडर में माइक्लोबुटानिल की सीमा 2 एमजी/केजी मिर्च पाउडर में मिलाए जाने वाले माइक्लोबुटानिल के लिए कोडेक्स ने 20 एमजी/केजी की लिमिट तय की है। जबकि एफएसएसएआई इसे केवल 2 एमजी/केजी तक मिलाने की परमिशन देता है। एक अन्य पेस्टिसाइड स्पाइरोमेसिफेन के लिए कोडेक्स ने 5 एमजी/केजी की लिमिट तय की है, एफएसएसएआई इसके लिए 1 एमजी/केजी तक की ही अनुमति देता है। काली मिर्च के लिए मेटालैक्सिल और मेटालैक्सिल–रू के यूज के लिए कोडेक्स ने 2एमजी/केजी की लिमिट तय की है। जबकि एफएसएसएआई इसे केवल 0.5एमजी/केजी तक मिलाने की अनुमति देता है। सीआईबी और आरसी के पास 295 से ज्यादा कीटनाशक रजिस्टर्ड भारत में सीआईबी और आरसी के पास 295 से ज्यादा कीटनाशक रजिस्टर्ड हैं। इनमें से 139 कीटनाशकों का इस्तेमाल मसालों में किया जा सकता है। जबकि कोडेक्स ने टोटल 243 कीटनाशकों को एडॉप्ट किया है।

कोल इंडिया-ओएनजीसी और एनएमडीसी विदेश में और तेज करेंगे खनिजों की खोज

पहले से ही चिली-ऑस्ट्रेलिया में कर रहे काम

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने कहा कि सरकारी कंपनियां कोल इंडिया, ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) और राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) विदेशों में महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और सक्रिय रूप से करेंगे। कोल इंडिया और एनएमडीसी पहले से ही चिली और ऑस्ट्रेलिया में काम कर रहे हैं। ओवीएल सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) की विदेशी निवेश कंपनी है। इन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) की विदेश में पहले से ही किसी न किसी तरह की मौजूदगी है।

केंद्रीय खान सचिव वीएल कांथा राव ने अपतटीय खनन पर एक कार्यशाला के अवसर पर कहा कि सचिवों के समूह (संसाधनों पर) ने फैसला लिया है कि कोल इंडिया, एनएमडीसी, ओएनजीसी विदेश लिमिटेड समेत अन्य कंपनियां आगे बढ़ें और विदेशों में महत्वपूर्ण खनिज पर भी ध्यान दें। यह एक आसान तरीका है। ये कंपनियां पहले से ही विदेशों में कारोबार कर रही हैं। हालांकि खनिज विदेश इंडिया लिमिटेड (काबिल) विदेशों में खनिज संपत्तियों की खोज के लिए गठित तीन सार्वजनिक उपक्रमों का एक संयुक्त उद्यम है। इसका स्वामित्व तीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लि. (नाल्को), हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) और मिनरल एक्सप्लोरेशन एंड कंसल्टेंसी लिमिटेड (एमईसीएल) के पास है।

बिजली उत्पादन में घटी कोयले की खपत, 64 साल में पहली बार 50 फीसदी से नीचे आई

नई दिल्ली । देश में बिजली उत्पादन में कोयले की हिस्सेदारी 64 साल में पहली बार घटकर 2024 की पहली तिमाही में 50 फीसदी से नीचे आ गई है। 1960 के दशक के बाद ऐसा पहली बार हुआ है। जलवायु परिवर्तन के दौर में ये अच्छे संकेत हैं। इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस की पावरअप पर नवीनतम तिमाही रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। इसके मुताबिक, जनवरी–मार्च में देश की बिजली उत्पादन क्षमता में जोड़ी गई रिकॉर्ड 13,669 मेगावाट (मेगावाट) बिजली में नवीकरणीय ऊर्जा का हिस्सा 71.5 फीसदी रहा। इसी के साथ भारत 2030 तक नवीकरणीय ऊर्जा का चलन बढ़ाकर 50 फीसदी से अधिक ले जाने के लक्ष्य से आगे निकल गया है। भारत 2030 तक ऊर्जा की नवीकरणीय क्षमता को तीन गुना करने का लक्ष्य रखने वाले कुछ देशों में से एक है।

सरकार ने क्रूड ऑयल पर विंडफॉल टैक्स घटायाः 8,400 से घटाकर 5,700 प्रति मीट्रिक टन किया, डीजल, पेट्रोल और एटीएफ पर छूट बरकरार

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां) ।

सरकार ने घरेलू स्तर पर उत्पादन किए जाने वाले क्रूड ऑयल के एक्सपोर्ट पर स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी , यानी विंडफॉल टैक्स को घटा दिया है। अपनी रेगुलर रिव्यू में सरकार ने विंडफॉल टैक्स को 8,400 रुपए प्रति मीट्रिक टन से घटाकर 5,700 रुपए प्रति मीट्रिक टन कर दिया है। यह बदलाव लागू हो गया है। सरकार हर 15 दिन पर विंडफॉल टैक्स रिव्यू करती है।

इससे पहले 1 मई को घटा था विंडफॉल टैक्स

इससे पहले सरकार ने 1 मई को विंडफॉल टैक्स 9,600 रुपए प्रति मीट्रिक टन से घटाकर 8,400 रुपए प्रति मीट्रिक टन कर दिया था। उससे पहले विंडफॉल टैक्स को लगातार बढ़ाया जा रहा था।

एक महीने पहले 16 अप्रैल की समीक्षा में विंडफॉल टैक्स को 6,800 रुपए प्रति टन से बढ़ाकर 9,600 रुपए प्रति टन कर दिया गया था।

डीजल, पेट्रोल और एटीएफ पर छूट बरकरार

वहीं दूसरी ओर सरकार ने डीजल, पेट्रोल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी एयरक्राफ्ट में इस्तेमाल होने ईंधन पर एक्सपोर्ट ड्यूटी को शून्य पर बनाए रखने का फैसला लिया है। यानी घरेलू रिफाइनरों को डीजल, पेट्रोल और एटीएफ के निर्यात पर मिल रही छूट आगे भी बरकरार रहने वाली है। इससे उन घरेलू कंपनियों को फायदा होता रहेगा, जो रिफाइनरी चलाती हैं ।

सरकार दयालुतापूर्ण पूंजीवाद को अपनाए : नारायणमूर्ति बोले बेहतर शैक्षणिक संस्थानों के लिए फंडिंग बढ़ाना जरूरी

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)।

आईटी उद्योग के दिग्गज एनआर नारायणमूर्ति और क्रिस गोपालकृष्णन को उम्मीद है कि आगामी सरकार ईमानदार उद्यमियों को खुली छूट देगी और देश के लिए धन सृजन में तेजी लाने में किसी भी बाधा को दूर करेगी। इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायणमूर्ति ने कहा कि वे चाहते हैं कि नई सरकार दयालुतापूर्ण पूंजीवाद को अपनाए क्योंकि अतीत में समाजवादी और कम्युनिस्ट व्यवस्था ने संतोषजनक परिणाम नहीं दिए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 99 प्रतिशत ईमानदार उद्यमियों को तेजी से आगे बढ़ने और देश में बहुत सारी नौकरियां पैदा करने के लिए मदद दी जानी चाहिए। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वालों को दंडित किया जाना चाहिए। आईटी क्षेत्र के दोनों दिग्गजों ने निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों की ओर से देश में अनुसंधान और उच्च शैक्षणिक संस्थानों के लिए फंडिंग बढ़ाने का भी समर्थन किया।

ईटी से बातचीत में एक्सिलर वेंचर्स के चेयरमैन कृष गोपालाकृष्णन ने कहा कि हमें प्राइवेट और पब्लिक दोनों तरह के रिसर्च के लिए फंडिंग बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, अमेरिकी विश्वविद्यालयों– एमआईटी, हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, आदि को देखें– उन्हें अरबों डॉलर की फंडिंग मिलती है, इसलिए मुझे उम्मीद है कि हमारे पूर्व छात्र हमारे संस्थानों में अधिक योगदान देंगे। उन्होंने आगे कहा कि हमारे के संस्थान मुख्य रूप से सरकारी फंडिंग पर निर्भर करते हैं। मैं इस मामले में उद्योग जगत की अधिक भागीदारी देखना चाहता हूं। नारायणमूर्ति ने उनसे सहमति जताई और कहा कि अकादमिक संस्थानों में कुछ चीजों को बदलने की जरूरत है जबकि कॉरपोरेट जगत में पहले से ही काफी नवाचार हो रहा है। उन्होंने कहा, यदि कोई युवा उद्यमी किसी नए विचार पर काम शुरू करता है, तो हमें यह नहीं मानना चाहिए कि वे सभी विफल हो जाएंगे। एक बार जब सरकार नए विचारों, नए आइडियाज पर ध्यान देना शुरू कर देगी, तो चीजें बदलेंगी। उन्होंने कहा, एक बार जब कंपनी कुछ वृद्धि हासिल कर लेती है तो उन्हें (जिन संस्थानों को शेयर दिए गए थे) लाभांश मिलेगा, जो अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण होगा और उनका मूल्य बढ़ता रहेगा। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों को भी देखना होगा कि अब से 20 या 50 साल बाद हमारा भविष्य क्या होगा।

लड़कियों को मिले पूरा हक, तकनीक के क्षेत्र में हो बराबर हिस्सेदारी, बोलीं ईशा अंबानी

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां) ।

चौथी औद्योगिक क्रांति के इस डिजिटल युग में भारत को अगर वर्ल्ड लीडर के तौर पर उभरना है तो लड़कियों को आगे लाना होगा। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और सूचना व संचार टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में लड़कियों की भागीदारी बढ़ानी होगी। दूरसंचार विभाग द्वारा आयोजित 'गर्ल्स इन आईसीटी इंडिया – 2024' में लड़कियों से बात करते हुए रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड की निदेशक ईशा अंबानी ने उन्हें प्रौद्योगिकी को एक करियर के रूप में चुनने के लिए प्रोत्साहित किया। ईशा ने कहा, टेक्नोलॉजी क्षेत्र में महिलाओं और पुरूषों का अनुपात बराबर होना चाहिए। इसके लिए हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है।

'गर्ल्स इन इनफार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (जीआईसीटी) इंडिया– 2024' का आयोजन दूरसंचार विभाग–भारत सरकार, अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (दक्षिण एशिया), इनोवेशन सेंटर– दिल्ली और संयुक्त राष्ट्र की अन्य एजेंसियों ने मिलकर किया था। ईशा अंबानी बोलीं– सरकार आवश्यक सुधार कर रही है, इसके परिणाम भी दिख रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए ईशा अंबानी ने कहा कि सरकार आवश्यक सुधार कर रही है, और इसके परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। पिछले दशक में टेक्नोलॉजी कार्यबल में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 6 प्रतिशत बढ़ा है, पर उद्योग जगत को भी अपना योगदान देना होगा। लड़कियों पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें ऐसे तरीके और साधन तैयार करने होंगे, जिससे महिलाओं के करियर में स्थिरता सुनिश्चित हो सके। साथ मिलकर, हम एक ऐसा भविष्य बना सकते हैं जहां हमारी बेटियों को कल का नेतृत्वकर्ता बनने के समान अवसर मिलें। केवल कागज पर विविधता और समावेशिता दिखाने से बदलाव नहीं आएगा: ईशा ईशा अंबानी ने अपनी मां नीता अंबानी का जिक्र करते हुए कहा कि वे बार बार कहती हैं कि एक आदमी को सशक्त बनाओ तो वह एक परिवार का पेट भरेगा। जबकि एक महिला को सशक्त बनाया जाए तो वह पूरे गांव को खाना खिलाएगी। उन्होंने आगे कहा कि मुझे मेरी मां की बात पर पूरा विश्वास है कि महिलाएं जन्मजात लीडर होती हैं। उनकी सहज निस्वार्थता उन्हें बेहतर लीडर बनाती है। महिला कर्मचारियों को उनके करियर के आरंभ से ही प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। केवल कागज पर विविधता और समावेशिता दिखाने से बदलाव नहीं आएगा।

दिमाग में लगी चिप में छोटे तार हटने से टूटा मस्क का सपना, असफल परीक्षण पर मरीजों का खुलासा

वॉशिंगटन। दिग्गज कारोबारी एलन मस्क के 'न्यूरालिंक' ने एक ब्रेन–कंप्यूटर इंटरफेस (बीसीआई) बनाकर पक्षाघात (लकवा) पीड़ित रोगियों के दिमाग में चिप लगाकर तकनीकी रूप से इलाज का मानव परीक्षण पिछले दिनों किया। हालांकि, इसमें आई खराबी से परिचित पांच लोगों ने खुलासा किया कि मरीज के दिमाग के अंदर के छोटे तार अपनी जगह से हट गए थे और इस बारे में कंपनी पहले से जानकारी रखती थी। दरअसल, कंपनी का सिस्टम जिसे 'लिंक' कहते हैं, उसमें 64 थ्रेड्स में 1,024 इलेक्ट्रोड का इस्तेमाल करके नर्व साइन रिकॉर्ड किए जाते हैं। ये बाल से भी पतले होते हैं। इन्हीं से बने ब्रेन चिप में आई खराबी से कंपनी के परीक्षण को बड़ा झटका लगा। एक माह में चिप कमजोर पड़ी कंपनी ने खुलासा किया कि मनुष्य की खोपड़ी में न्यूरालिंक के पहले चिप ट्रांसप्लांट को एक बड़ा झटका लगा, क्योंकि डिवाइस मरीज के ब्रेन से अलग होने लगी। नोलैंड के एक व्यक्ति के मस्तिष्क में चिप जोड़ने के लिए फरवरी में सर्जरी की गई थी। ट्रांसप्लांट के एक महीने के भीतर डिवाइस की कार्यक्षमता कम हो गई क्योंकि स्मॉल कंप्यूटर को ब्रेन से जोड़ने वाले डिवाइस के धागे हटने लगे।

ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने वाले एकमात्र पहलवान अमन की बढ़ी परेशानी, ट्रायल के पेंच में फंसे

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां) ।

पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने वाले एकमात्र भारतीय पुरुष पहलवान अमन सहरावत इस बात से नाखुश हैं कि खेलों की तैयारी पर अपना ध्यान लगाने की जगह उन्हें अब भी एक और ट्रायल के लिए वजन घटाने के बारे में चिंता करनी होगी।

अंडर-23 विश्व चैंपियन 20 साल के अमन ने हाल में इस्तांबुल में विश्व क्वालिफायर के जरिए पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया। भारत के पुरुष पहलवानों ने 11 और वजन वर्ग में चुनौती पेश की, लेकिन उनमें से कोई क्वालिफाई नहीं कर पाया। अमन ने कहा- मुझे कई बार अपना वजन कम करना पड़ा है। मुझे कब तक ऐसा करना होगा इससे काफी कमजोरी आती है। मुझे समझ नहीं आता कि मैं अब दोबारा ट्रायल जीतने के बारे में सोचूं या ओलंपिक की तैयारी शुरू करूं। मुझे लगता है कि अगर मुझे दोबारा ट्रायल से गुजरने को कहा जाता है तो ओलंपिक के लिए अच्छी तैयारी नहीं कर सकूंगा। ट्रायल के खत्म होने तक ओलंपिक बेहद करीब होगा तो फिर हम तैयारी कब शुरू करेंगे मेरे नजरिए से ट्रायल नहीं होने चाहिए। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता और एशियाई चैंपियनशिप के विजेता अमन को विश्वास है कि वह खेलों में पदक के दावेदार होंगे। उन्होंने कहा- मैं खुद को दुनिया में शीर्ष तीन में देखता हूं। रूस और अल्बानिया के पहलवान मजबूत हैं और उनके साथ करीबी मुकाबला होगा, अन्य को मैं संभाल सकता हूं। अमन 2023 विश्व चैंपियनशिप में अल्बानिया के जेलिमखान अबाकारोव से हार गए थे जहां सर्बिया के स्टीवन एंड्रिया मिसीसी चैंपियन बने थे। रूस के दो बार के विश्व चैंपियन जावुर उगुएव भी मजबूत प्रतिद्वंद्वी हैं जिन्होंने टोक्यो ओलंपिक खेलों के स्वर्ण पदक मुकाबले में रवि दहिया को हराया था। जब भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ट्रायल आयोजित करेगा तो संभवतः अमन को रवि को हराना होगा। रवि और सोनीपत में आयोजित अंतिम ट्रायल में पुरुषों के 57 किग्रा वर्ग के शीर्ष तीन पहलवानों को एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करनी होगी और उसका विजेता कोटा हासिल करने वाले अमन के साथ मुकाबला करेगा। दस साल की उम्र में छत्रसाल स्टेडियम से जुड़ने वाले अमन ने कहा- अगर ये ट्रायल नहीं होते तो मैं ट्रेनिंग के लिए रूस जा चुका होता। यह बेहतर होगा कि मैं रूस में अच्छे पहलवानों के साथ ट्रेनिंग करूं। मुझे लगता है कि मैंने भारत में पर्याप्त ट्रेनिंग की है और अब समय है कि मैं अपने प्रतिद्वंद्वियों के साथ ट्रेनिंग करूं। अमन का कहना है कि सिर्फ वजन घटाना ही समस्या नहीं है। उन्होंने कहा- उबरना भी काफी महत्वपूर्ण होता है। अगर दोबारा ट्रायल हुए तो ट्रायल, वजन घटाना और उबरने की प्रक्रिया में ओलंपिक से पहले काफी समय खराब हो जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

हरभजन ने 2007 टी20 विश्व कप में एमएस धोनी की खिताब जीतने वाली कप्तानी पर अंतर्दृष्टि साझा की

नई दिल्ली । अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप 2024 से पहले, भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने पूर्व कप्तान एमएस धोनी के नेतृत्व कौशल के बारे में विस्तार से बताया, जिसने 2007 में मेन इन ब्लू को इस प्रारूप का उद्घाटन चैंपियन बनाया था। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में दो कट्टर प्रतिद्वंद्वियों - भारत और पाकिस्तान के बीच रोमांचक शिखर मुकाबले में, परिणाम अंतिम ओवर में तय किया गया क्योंकि धोनी की अगुवाई वाली टीम ने पांच रन से मैच जीत लिया। अनुभवी स्पिनर ने अंतिम निर्णय लेने से पहले अपने निर्णय लेने और टीम के सदस्यों को शामिल करने के लिए धोनी को श्रेय दिया। बहुत से लोग नहीं जानते हैं, धोनी बहुत नए कप्तान थे, इसलिए उन्हें हम सभी के समर्थन की ज़रूरत थी। ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड जैसी टीमों के खिलाफ मैच से पहले, हमारा कोर ग्रुप खेल के दौरान एक साथ इकट्ठा होकर आगे की रणनीति तैयार करता था। हरभजन ने एक विशेष रूम में कहा, उदाहरण के लिए, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक मैच में, मैंने महत्वपूर्ण 17वां या 18वां ओवर फेंका क्योंकि अगर हम केवल 4 रन देने में कामयाब रहे, तो इससे हमें काफी बचत हुई। 157 रनों का बचाव करते हुए, भारत मैच में मुश्किल स्थिति में था जब हरभजन ने अपने 17 वें ओवर में मिस्बाह-उल-हक के तीन छक्कों की मदद से 19 रन लुटा दिए। आखिरी तीन ओवरों में 35 रनों की जरूरत थी, धोनी ने अगला ओवर तेज गेंदबाज एस श्रीसंत को दिया जिसमें उन्होंने 15 रन दिए और सोहेल तनवीर का एक विकेट लिया। पाकिस्तान के लिए समीकरण 12 गेंदों में 20 रन का था और उसके हाथ में दो विकेट थे। हरभजन को फिर से महत्वपूर्ण 19वां ओवर दिया गया क्योंकि धोनी ने अंतिम ओवर के लिए मध्यम तेज गेंदबाज जोगिंदर शर्मा को बचाया। हरभजन ने केवल सात रन देकर और उमर गुल का एक विकेट लेकर अपने कप्तान को सही साबित किया. फिर जोगिंदर ने अपने ओवर की तीसरी गेंद पर पाकिस्तान के कप्तान का विकेट लेकर भारत के लिए हाई-ऑक्टेन मुकाबले में टीम को जीत दिलाकर इतिहास रच दिया। स्मृति को याद करते हुए, 43 वर्षीय खिलाड़ी ने फाइनल मुकाबले के अंतिम ओवर के लिए सही गेंदबाज चुनने के पीछे धोनी के सामूहिक नेतृत्व कौशल की सराहना की। उस समय, बल्लेबाज आज की तरह एक ओवर में 25 रन नहीं बनाते थे। निर्णय लेना हमेशा टीम का प्रयास होता था। जब आप एकजुट टीम के रूप में एक साथ खेलते हैं, तो आप अधिक प्रतियोगिताएं जीतते हैं। धोनी एक महान श्रोता थे, सामूहिक निर्णय लेते थे इससे टीम को फायदा हुआ। यह व्यक्तिगत प्रदर्शन के बारे में नहीं था बल्कि हम के रूप में खेलने के बारे में था। अनुभवी ऑफ स्पिनर हरभजन ने कहा, इसी तरह अब सवाल यह है कि क्या रोहित शर्मा ऐसा कर सकते हैं रोहित अकेला नहीं है; यह हम के बारे में है। यदि हम व्यक्तिगत उपलब्धियों के बजाय सामूहिक सफलता के बारे में सोचकर एकजुट टीम के रूप में खेलें तो जीत सकते हैं। लेकिन अगर हम केवल व्यक्तिगत लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, तो चीजें मुश्किल हो जाती हैं। यह सब हम मानसिकता के बारे में है, और तभी चीजें जीवन में आती हैं। दो एशियाई क्रिकेट दिग्गज 9 जून को न्यूयॉर्क में आगामी टी20 विश्व कप में एक और रोमांचक भिड़ंत के लिए तैयार हैं।

फिटनेस पर विशेष ध्यान दे रहे धोनी, 42 की उम्र में लगा रहे चौके और छक्के : रायुडू

हैदराबाद । पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने कहा है कि चेन्नई महेन्द्र सिंह के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने अपनी फिटनेस पर काफी ध्यान दिया है। इसी कारण वह 42 साल की उम्र में भी खेल रहे हैं। रायुडू ने कहा कि बढ़ती उम्र को देखते हुए धोनी ने पिछले कुछ साल में अपनी फिटनेस पर विशेष जोर दिया है क्योंकि वह जानते हैं कि 40 के दशक में सब कुछ इतना आसान नहीं रहता है। इसी कारण वह 42 साल की उम्र में भी विकेटकीपिंग करते हुए फिट नजर आते हैं। वह अनुभवी विकेटकीपर के रूप में सजग हैं और बल्लेबाजी के दौरान डेथ ओवरों में छक्के भी लगा रहे हैं। धोनी ने अब तक 13 मैचों में 226.26 की स्ट्राइक रेट से 136 रन बनाए हैं। इस आईपीएल सत्र में उनका 68 का औसत चेन्नई के सभी बल्लेबाजों में सबसे अच्छा है। इस सत्र में वह केवल 2 बार आउट हुए हैं।

भारतीय फुटबॉल का पोस्टर बॉय, जिसने गोल के मामले में मैजिकल मेसी को दी टक्कर, रचे कई कीर्तिमान

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां) ।

सुनील छेत्री ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत साल 2005 में पाकिस्तान के खिलाफ की थी। वह सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल (94) करने वाले चौथे खिलाड़ी है। वहीं, क्रिस्टियानो रोनाल्डो, अली डेई और लियोनेल मेस्सी के बाद सक्रिय खिलाड़ियों में सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। उन्हें साल 2011 में अर्जुन पुरुस्कार और 2019 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने बताया कि वह अपना आखिरी मुकाबला छह जून को कुवैत के खिलाफ खेलेंगे। छेत्री ने इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो जारी कर दी।

छेत्री ने अपने शानदार करियर में छह बार एआईएफएफ प्लेयर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीता। अंतर्राष्ट्रीय मंच पर छेत्री 2008 में एएफसी चैलेंज कप, 2011 और 2015 में एसएएफएफ चैंपियनशिप, 2007, 2009 और 2012 में नेहरू कप के साथ-साथ 2017 में इंटरकांटिनेंटल कप में खिताब जीतने वाली भारतीय टीमों का हिस्सा रहे हैं।

सुनील ने शौकिया तौर पर फुटबॉल खेलने की शुरुआत साल 2002 में की थी। 17 की उम्र में वह मोहन बागान क्लब से जुड़े। उन्होंने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल 20 की उम्र में भेजा। एफसी चैलेंज कप फाइनल 2008 में ताजिकिस्तान के खिलाफ सुनील ने तीन गोल किए थे। उनके इन्हीं गोल के दम पर भारतीय टीम ने 27 सालों बाद एएफसी एशियन कप के लिए क्वालिफाई किया था। 2010-11 में सुनील को कंसास सिटी विजार्ड फुटबॉल लीग ने अपनी टीम के लिए साइन किया था। भारत की आजादी के बाद विदेश में प्रोफेशनल लीग ज्वाइन करने वाले वह दूसरे खिलाड़ी बने।

2013 में पुर्तगाली क्लब से हटने के बाद छेत्री बेंगलुरु फुटबॉल क्लब से जुड़े। इस दौरान उन्होंने 23 मुकाबलों में 14 गोल और सात एसिस्ट किए। 2015 में सुनील ने 50 अंतरराष्ट्रीय गोल पूरे किए थे। वह ऐसा करने वाले पहले भारतीय फुटबॉलर बने थे।

2017 में किर्गिस्तान के खिलाफ सुनील ने 69वें मिनट में गोल दागकर इतिहास रचा था। उनके इस गोल की बदौलत 2019 एशिया कप के लिए भारत ने क्वालिफाई किया था। इस गोल के साथ वह फीफा की शीर्ष 100 रैंकिंग में शुमार हो गए थे।

साल 2018 में इंटरकॉन्टिनेंटल कप के दौरान सुनील, डेविड विला के साथ दुनिया के तीसरे सबसे एक्टिव अंतरराष्ट्रीय गोल स्कोरर बने थे। हाल ही में चार जून को सुनील ने अपना 100वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। केनिया के खिलाफ इस मुकाबले में उन्होंने दो गोल दागे। वह 100 वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले दूसरे भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी हैं।

हरमनप्रीत को भारत सहित इन चार टीमों के टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद

ढाका । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है भारतीय टीम इस साल अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचेगी। साथ ही कहा कि भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका की टीमें भी अंतिम चार में पहुंचेंगी। महिला टी20 विश्व कप तीन से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश में खेला जाएगा। हरमनप्रीत के अनुसार हाल के समय में उनकी टीम ने बांग्लादेश का दौर किया है और उस अनुभव का लाभ भी टीम को विश्वकप में मिलेगा। इसमें भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में शामिल किया गया है जबकि ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड की टीमें हैं। हरमनप्रीतम के अनुसार भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच सकती हैं क्योंकि इन सभी टीमों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। हरमनप्रीत ने कहा, 'क्योंकि ये सभी टीमें बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं इसलिए उम्मीद है कि ये चारों ही सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती हैं।

नीरज चोपड़ा को नेशनल एथलेटिक्स फेडरेशन कप में गोल्ड

82.27 मीटर थ्रो फेंककर पहला स्थान हासिल किया, कर्नाटक के डीपी मनु को सिल्वर

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां) ।

नेशनल एथलेटिक्स फेडरेशन कप में नीरज चोपड़ा ने गोल्ड मेडल जीत लिया है। 2020 के टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतने के बाद नीरज भारत में पहली बार किसी कॉम्पिटिशन में हिस्सा ले रहे थे। उन्होंने अपने चौथे अटैम्प्ट में 82.27 मीटर का थ्रो फेंका, इसी थ्रो से उन्होंने पहला स्थान हासिल कर गोल्ड मेडल जीता। भुवनेश्वर में आयोजित कप में नीरज हरियाणा के लिए खेल रहे थे। कॉम्पिटिशन में कर्नाटक के डीपी मनु ने सिल्वर मेडल जीता, वहीं महाराष्ट्र के उत्तम बालासाहेब पाटिल तीसरे स्थान पर रहे। मनु का बेस्ट थ्रो 82.06 मीटर और पाटिल का बेस्ट थ्रो 78.39 मीटर दूर गया। पांचवें नंबर पर रहे किशोर जेना एशियन गेम्स सिल्वर मेडलिस्ट किशोर जेना अपने होमग्राउंड पर मेडल नहीं जीत सके। वह पांचवें नंबर पर रहे, उनका बेस्ट थ्रो 75.49 मीटर का रहा। हालांकि वह पेरिस ओलिंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके हैं। उन्होंने एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने के लिए 87.54 मीटर लम्बा थ्रो फेंका था, जो ओलिंपिक में क्वालिफाई करने के लिए काफी रहा। तेजिंदर पाल सिंह और जेस्विन एल्ड्रिन ने जीता गोल्ड एशियन गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट शॉटपुटर तेजिंदर पाल सिंह तूर और लॉन्ग जंपर जेस्विन एल्ड्रिन ने अपने-अपने इवेंट में गोल्ड मेडल जीते, लेकिन दोनों ही पेरिस ओलिंपिक का क्वालिफाइंग मार्क नहीं छू सके। शॉटपुट में तूर ने 20.38 मीटर के साथ गोल्ड जीता। पर वह पेरिस ओलिंपिक के क्वालिफाइंग मार्क 21.50 मीटर से पीछे रह गए। तूर का श्रेष्ठ थ्रो 21.77 मीटर का रहा है। मध्य प्रदेश के समरदीप सिंह (18.93) ने सिल्वर और यूपी के आर्यन त्यागी (18.07) ने ब्रॉन्ज मेडल जीते। वहीं लॉन्ग जंप में एल्ड्रिन ने 7.99 मीटर की छलांग के साथ गोल्ड जीता। केरल के मोहम्मद अनीस ने 7.83 के साथ सिल्वर और मध्य प्रदेश के आदित्य कुमार सिंह ने 7.81 मीटर के साथ ब्रॉन्ज जीता।

आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद भी टी20 विश्वकप के लिए इन गेंदबाजों को नहीं मिली भारतीय टीम में जगह

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां) ।

आईपीएल में इस बार पावरप्ले में शानदार प्रदर्शन के बाद भी तीन भारतीय गेंदबाजों इशांत शर्मा, संदीप वारियर और तुषार देशपांडे को अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप के लिए अवसर नहीं मिला है। दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपरजायंट्स के बीच मैच में शानदार गेंदबाजी कर तीन विकेट लेने वाले अनुभवी इशांत शर्मा ने दिल्ली की जीत में अहम भूमिका निभाई पर वह विश्वकप के लिए शामिल नहीं हैं। इशांत ने दिल्ली कैपिटल्स की ओर से पहले ही ओवर में केएल राहुल को आउट किया। इसके बाद अपने दूसरे ओवर में क्विंटन डिकॉक और अपने तीसरे ओवर में दीपक हुड्डा को आउट किया। इसके साथ ही ईशान आईपीएल पावरप्ले में 3 विकेट लेने वाले पांचवें गेंदबाज बन गए। इशांत से पहले संदीप वारियर और तुषार देशपांडे ने भी इस सत्र में पावरप्ले में 3 विकेट लिए थे ये ये दोनो भी विश्वकप के लिए शामिल नहीं हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के संदीप वारियर ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ ही पावरप्ले में 3 विकेट लिए थे जबकि तुषार देशपांडे ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ तीन विकेट लिए थे। इसके अलावा न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट और श्रीलंका के नुवान तुषारा ने भी इस आईपीएल सत्र में पावरप्ले में 3 विकेट लिए हैं। बोल्ट ने मुंबई इंडियंस जबकि नुवान ने केकेआर के खिलाफ ये कारनामा किया था।

क्रिकेट के बाद अब मेजबानी की दुनिया में धमाल मचाने आए शिखर, चैट शो धवन करेंगे का टीजर जारी

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां) ।

शिखर धवन एक नए चैट शो धवन करेंगे के साथ होस्ट के रूप में अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार हैं, जिसका प्रीमियर 20 मई को जियो सिनेमा प्रीमियम पर होगा। क्रिकेटर पिछले कुछ दिनों से अपने चैट शो धवन करेंगे को लेकर खबरों का हिस्सा बने हुए हैं, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे है। अब शिखर ने टीजर जारी कर अपने प्रशंसकों को खास तोहफा भी दे दिया है।

धवन करेंगे में नजर आए शिखर धवन

धवन करेंगे में क्रिकेट के उस्ताद शिखर धवन को एक नए अवतार में देखा जाएगा, जो अक्षय कुमार, हरभजन सिंह, तापसी पन्नू, भुवन बम, ऋषभ पंत जैसे प्रमुख मेहमानों का स्वागत करेंगे। इस चैट शो के अंदर अनफिल्टर्ड बातें और कुछ मजेदार गेम सेगमेंट्स देखने तो मिलेगा। अब आखिरकार शिखर के चैट शो धवन करेंगे का धमाकेदार टीजर सामने आ चुका है, जिसे सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है।

चैट शो का टीजर जारी

ओटीटी प्लेटफॉर्म ने टीजर साझा करते हुए लिखा, आपका पसंदीदा गब्बर आ रहा है एक नए अंदाज में। गपशप स्टोरी और मस्ती से भरे नए शो के लिए तैयार हो जाइए, केवल शिखर धवन के साथ। इसमे देश के सबसे बड़े मेहमान शामिल होंगे। हालिया रिलीज टीजर में वह अक्षय कुमार और तापसी पन्नू भी खूब मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं।

शो को लेकर उस्ताहित हैं क्रिकेटर

इस शो में मनोरंजन जगत से लेकर भारतीय दिग्गज नजर आएंगे, जिनकी झलक टीजर में दिख रही है। अपने इस टॉक शो के बारे में बताते हुए शिखर ने कहा, मैं अपने ए-गेम को सामने लाने के लिए तैयार हूं, टॉक शो को अपनी सकारात्मक उर्जा से भर दूंगा, जिसे क्रिकेट प्रेमी पहले से ही पहचानते हैं। यह सिर्फ मनोरंजन के बारे में नहीं है। यह मेरे प्रशंसकों के साथ एक व्यक्तिगत जुड़ाव है।

अफ्रीका की टी-20 वर्ल्ड कप टीम में सिर्फ एक अश्वेत खिलाड़ी

कगिसो रबाडा हैं शामिल, पूर्व सीएसए अध्यक्ष और पूर्व खेल मंत्री ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां) ।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए चुनी गई साउथ अफ्रीकी टीम को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। टीम में केवल एक अफ्रीकी अश्वेत खिलाड़ी को शामिल किए जाने को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं और क्रिकेट साउथ अफ्रीका की आलोचना की जा रही है। साउथ अफ्रीका के पूर्व खेल मंत्री फिकिले मबालुला और साउथ अफ्रीका क्रिकेट और इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष रे माली ने भी दो अफ्रीकी अश्वेत खिलाड़ियों को जगह नहीं दिए जाने पर नाराजगी जाहिर की है। दरअसल साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम में प्लेइंग इलेवन में दो अफ्रीकी अश्वेत खिलाड़ी सहित 6 अश्वेत खिलाड़ी को शामिल किया जाना जरूरी है। वहीं 2 जून से अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए साउथ अफ्रीका की जो 15 सदस्यीय संभावित टीम चुनी गई है, उसमें केवल एक अफ्रीकी अश्वेत खिलाड़ी कगिसो रबाडा को शामिल किया गया है। वहीं लुंगी एनगिडी को रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है। जबकि टीम में पांच अन्य अश्वेत खिलाड़ियों में रीजा हेंड्रिक्स, ब्योर्न फोर्टुइन, केशव महाराज, तबरेज शम्सी और ओटनील बार्टमैन को जगह दी गई है। क्या कहा पूर्व अधिकारियों साउथ अफ्रीका के पूर्व खेल मंत्री फिकिले एमबालुला ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए चुनी गई टीम पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट में लिखा- टी-20 वर्ल्ड कप के लिए केवल एक अफ्रीकी खिलाड़ी को टीम में चुना गया है। यह सम्मानता लाने के लक्ष्य से उलट है। इसमें साउथ अफ्रीकी लोगों का उचित प्रतिनिधित्व नहीं है। वहीं क्रिकेट अफ्रीका और इंटरनेशनल क्रिकेट के अध्यक्ष रह चुके रे माली ने कहा कि हमने खेल में बहुत हासिल कर लिया है, लेकिन हम क्रिकेट के मामले में पिछड़ रहे हैं। हमने आगे बढ़ने के बजाय एक कदम पीछे ले लिया है। इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि आज के समय में साउथ अफ्रीका क्रिकेट टीम में अश्वेत खिलाड़ियों की संख्या ज्यादा क्यों नहीं हो सकती है। हमने उन लोगों को धोखा दिया है जिन्होंने हमें इस देश के लिए एकता पर बातचीत करने के लिए कहा था। वनडे और टी-20 टीम के कोच ने टीम चयन पर रखा अपना पक्ष अफ्रीका में टीम चयन को लेकर फिलहाल अभी कोई चयन कमेटी नहीं है। टी-20-वनडे टीम के कोच रॉब वाल्टर और टेस्ट टीम के कोच शुकी कोनराड ही टीम का चयन करते हैं। टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर उठाए जा रहे सवालों के बीच वनडे और टी-20 के कोच रॉब वाल्टर ने अपना पक्ष रखा है।

उन्होंने क्रिक इंफो से बातचीत में कहा है कि घरेलू सर्किट में चयन के लिए इतनी गहराई मौजूद नहीं है। हमें सिस्टम को आगे बढ़ाने की जरूरत है, ताकि कुछ सालों में हमारे पास विकल्प हों और हम जब 2027 वनडे वर्ल्ड कप का आयोजन करें, तब टीम थोड़ा अलग दिखे और हम नियमों का पालन कर सकें।

उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की भारतीय मूल के लोगों से अपील- ज्यादा संख्या में राजनीति में आएं

वॉशिंगटन, 16 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने अपने एक बयान में बड़ी बात कही है, उन्होंने कहा कि अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की जितनी जनसंख्या उसके अनुपात में राजनीति में भारतीय मूल के लोग कम हैं। कमला हैरिस ने भारतीय मूल के लोगों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में राजनीति में आने की अपील की। कमला हैरिस डेमोक्रेटिक थिंक टैंक इंडियन अमेरिकन इंपैक्ट के वार्षिक सम्मेलन डेसिस डिसाइड में बतौर मेहमान शामिल हुईं, उसी दौरान उन्होंने भारतीय मूल के लोगों को राजनीति में आने के लिए कहा।

जनसंख्या के लिहाज से निर्वाचित सदस्यों की संख्या कम

कार्यक्रम में बोलते हुए कमला हैरिस ने कहा बीते वर्षों में, भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक ज्यादा संख्या में निर्वाचित प्रक्रिया का हिस्सा बने हैं, लेकिन ये संख्या अभी भी उनकी बढ़ती जनसंख्या के सही अनुपात को नहीं दर्शाती है। अभी अमेरिकी कांग्रेस में भारतीय मूल के पांच निर्वाचित सदस्य हैं, जिनमें डॉ. एमी बेरा, राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना, प्रमिला जयपाल और श्री थानेदार का नाम शामिल है। इंडियन अमेरिकन इंपैक्ट का मानना है कि 2024 के चुनाव में भारतीय मूल के निर्वाचित सदस्यों की संख्या पांच से बढ़कर 10 हो सकती है।

अमेरिका में भारतीय मूल का समुदाय दूसरा सबसे बड़ा अप्रवासी समुदाय

अमेरिका में भारतीय मूल का समुदाय दूसरा सबसे बड़ा अप्रवासी समुदाय है और 2024 के चुनाव में कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच भारतीय मूल का समुदाय कई राज्यों में अहम साबित हो सकता है। कमला हैरिस ने वॉशिंगटन में आयोजित हुए कार्यक्रम डेसिस डिसाइड में थिंक टैंक इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट की भी तारीफ की और कहा कि यह थिंक टैंक काफी अच्छा काम कर रहा है, साथ ही उन लोगों को भी धन्यवाद देना चाहती हूं, जो चुनाव लड़ रहे हैं और आपको चुनाव जरूर लड़ना चाहिए। हैरिस ने कहा आपको पता होना चाहिए कि आप अकेले नहीं हैं।

न्यूज ब्रीफ

शी जिनपिंग से मिले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, यूक्रेन युद्ध में समर्थन जुटाने की कोशिश

बीजिंग। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने चीन पहुंचे। वह चाहते हैं कि युक्रेन में चल रहे युद्ध के लिए चीन का समर्थन करे। अपने इस कार्यकाल में यह पुतिन की पहली विदेश यात्रा है। मार्च में वह पुनः निर्वाचित हुए हैं। लगभग छह माह पहले भी वे चीन गए थे। रूस के राष्ट्रपति दो दिवसीय राजकीय यात्रा के लिए चीन गए थे। यूरोप के तीन देशों के दौरे से पिछले हफ्ते लौटे शी जिनपिंग ने मॉस्को के साथ बीजिंग के संबंधों, सस्ते रूसी ऊर्जा आयात और पावर ऑफ साइबेरिया पाइपलाइन के माध्यम से स्थित गैर शिपमेंट सहित विशाल प्राकृतिक संसाधन तक पहुंचने की आलोचना को खारिज किया। वहीं रूसी राजनीतिक विशलेषक का कहना है कि पुतिन की चीन यात्रा चीन-रूस संबंध को बढ़ाना है। हालांकि दोनों ही नेताओं ने स्पष्ट रूप से मित्रता के बारे में बात नहीं की है। उन्होंने बताया कि दोनों ही नेता मुलाकात पर व्यापक साझेदारी और रणनीतिक साझेदारी पर बात करना चाहते हैं। एक ओर चीन यूक्रेन संघर्ष में एक तटस्थ पक्ष होने का दावा करता है। वहीं दूसरी ओर बीजिंग में विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों, विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग और आम हित के अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। क्रेमलिन ने कहा, दोनों नेता वार्ता के बाद एक संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हैं, और दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने के अवसर पर एक शाम में भाग लेंगे। पुतिन ने अपनी यात्रा से पहले एक साक्षात्कार में यूक्रेन संकट को हल करने में मदद करने के लिए बीजिंग की इच्छा की सराहना की थी। पुतिन चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग से भी मिलेंगे। साथ ही व्यापार और निवेश प्रदर्शनी के लिए पूर्वोत्तर शहर हार्बिन की यात्रा करेंगे। दरअसल पश्चिम में आर्थिक साझेदारी जांच के दायरे में आ रही है। चीनी बैंकों को अमेरिका के प्रतिबंधों का डर है। क्योंकि उन्हें वैश्विक वित्तीय प्रणाली से अलग किया जा सकता है। उन्होंने रूसी व्यवसायों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन, जिन्होंने पिछले महीने बीजिंग में शी से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा था कि यूक्रेन में रूस को युद्ध के लिए चीन ने समर्थन दिया है। उसने रूस को रॉकेट, ड्रोन और टैंकों का उत्पादन बढ़ाने में मदद की है। जबकि प्रत्यक्ष हथियारों के निर्यात में कमी को रोक दिया है। लेन-देन में आई कमी चीनी सीमा शुल्क आंकड़ों के अनुसार, यूक्रेन पर हमले के बाद से चीन-रूस व्यापार में तेजी आई है। वर्ष 2023 में व्यापार 240 अरब डॉलर हो गया है। लेकिन मार्च और अप्रैल के दौरान रूस को चीनी निर्यात में गिरावट आई।

पर्यटक की घड़ी खोई तो भारतीय लड़के ने लौटाई, पुलिस ने ईमानदारी के लिए प्रमाण-पत्र देकर किया सम्मानित

दुबई। दुबई की पर्यटक पुलिस ने एक भारतीय लड़के को सम्मानित किया। उसने एक घड़ी लौटाई जो उसे अपने पिता के साथ टहलते समय मिली थी। पुलिस ने लड़के को उसकी ईमानदारी और अच्छे फैसले के लिए सम्मानित किया। पुलिस विभाग ने इस जानकारी को सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा किया है। लड़के का नाम मुहम्मद अयान यूनिस है। पुलिस ने एक्स पर लिखा, दुबई पुलिस ने पर्यटक की खोई हुई घड़ी लौटाने के बाद ईमानदारी के लिए बच्चे को सम्मानित किया। उन्होंने पर्यटक पुलिस विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर खलफान ओबेद अल जल्लाफ, लेफ्टिनेंट कर्नल मुहम्मद अब्दुल रहमान और कैप्टन शहाब अल सादी की एक तस्वीर साझा की, जिसमें लड़के को एक प्रमाण पत्र देते हुए दिखाया गया है। पर्यटक दुबई आया था। उसने अपनी घड़ी खो दी थी। घड़ी खोने के बाद पर्यटक अपने देश के लिए रवाना हो चुका था। हालांकि, दुबई पुलिस ने पर्यटक से संपर्क किया और उसे अपनी घड़ी लौटाई। अपनी घड़ी पाने के बाद पर्यटक ने दुबई पुलिस की कार्रवाई पर संतोष जाहिर किया। ब्रिगेडियर जल्लाफ ने कहा कि लड़के के व्यवहार यूएई के उच्च नैतिक मानकों को दिखाता है। उन्होंने आगे दूसरों को मोहम्मद अयान यूनिस से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित किया। लड़के ने पुलिस को घड़ी लौटाने के लिए स्मार्ट पुलिस स्टेशन में उपलब्ध खोया-पाया सेवाओं का इस्तेमाल किया। यह एक ऐसी सुविधा है जिसके जरिए मालिक अपनी खोई हुई संपत्तियों को फिर से पा सकता है।

जून-सितंबर में एक मंच पर होंगे वर्तमान और पूर्व राष्ट्रपति, बाइडन की बहस की चुनौती ट्रंप ने की स्वीकार

वॉशिंगटन, 16 मई (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और उनके प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप के बीच जून और सितंबर में बहस के लिए आमने-सामने होने वाले हैं। दरअसल, दोनों ही नेता व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में शामिल हैं। राष्ट्रपति चुनाव से पहले ट्रंप और बाइडन दोनों ने बहस का निमंत्रण स्वीकार किया। पहली बहस 27 जून को सीएनएन और दूसरी बहस 10 सितंबर को एबीसी न्यूज की तरफ से आयोजित की गई है।

राष्ट्रपति बाइडन ने स्वीकार किया बहस का निमंत्रण - राष्ट्रपति जो बाइडन ने पुष्टि की कि उन्होंने बहस के लिए सीएनएन के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा, मुझे 27 जून को बहस के लिए सीएनएन की तरफ से निमंत्रण मिला। मैंने इसे स्वीकार कर लिया। अब ये आपके ऊपर है डोनाल्ड ट्रंप। जैसा कि आपने कहा, कभी भी, कहीं भी। एक अन्य पोस्ट में राष्ट्रपति बाइडन ने कहा, मैंने एबीसी न्यूज के निमंत्रण को भी स्वीकार कर लिया है। बहस 10 सितंबर को आयोजित की जाएगी। ट्रंप का कहना है कि वह अपने परिवहन की व्यवस्था खुद करेंगे। मैं भी अपना विमान लाऊंगा। मैं इसे अगले चार वर्षों तक रखने की योजना बना रहा हूं।

बहस के लिए तैयार होकर ट्रंप ने किया बाइडन पर पलटवार - 2020 में राष्ट्रपति के पद से हटने के बाद एक बार फिर व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लड़ने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने भी निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। इस बात की घोषणा करते हुए उन्होंने बाइडन की आलोचना की और उन्हें अमेरिका के इतिहास का सबसे खराब राष्ट्रपति बताया। एक्स पर पोस्ट करते हुए पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, बाइडन के खिलाफ 27 जून को बहस में शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात। वह अमेरिका के इतिहास का सबसे खराब राष्ट्रपति है। लोकतंत्र के लिए खतरा। मैंने 10 सितंबर को एबीसी के बहस का निमंत्रण भी स्वीकार कर लिया। डीजेटी आपका धन्यवाद।

इससे पहले राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक वीडियो में अपने प्रतिद्वंद्वी को बहस के लिए चुनौती देते हुए दिखे। उन्होंने कहा, 2020 में डोनाल्ड ट्रंप मुझ से दो बहस हार गए थे। इसके बाद से उन्होंने बहस नहीं की। अब वह ऐसा दिखा रहे हैं, जैसे वह फिर से बहस करना चाहते हैं। बाइडन ने आगे कहा, खैर, मेरा दिन बनाओ दोस्त। मैं इसे दो बार भी करूंगा। इसलिए दिन चुने डोनाल्ड। मैंने सुना कि आप खाली हैं।

बाइडन के तंज पर ट्रंप ने भी पलटवार करते हुए उन्हें सबसे खराब बहस करने वाला बताया। ट्रंप ने आगे कहा, वे (बाइडन) दो वाक्यों को एक साथ नहीं बोल सकते। वह अमेरिका के इतिहास का सबसे खटिया राष्ट्रपति है। इसी के साथ उन्होंने बाइडन पर विनाशकारी खुली सीमा नीति, उच्च कर, कमजोर विदेश नीति समेत कई अन्य मुद्दों पर घेरा। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि वह दो से ज्यादा बहस के लिए तैयार हैं। बता दें कि नवंबर में बाइडन और ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव के लिए एक दूसरे के आमने-सामने हैं।

फ्रांस शासित न्यू कैलेडोनिया में नए विधेयक को लेकर हिंसा, चार की मौत, 12 दिनों के लिए आपातकाल लागू

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में सांसदों द्वारा नए विधेयक पर सहमति बनाने के बाद देश से हजारों किलोमीटर दूर न्यू कैलेडोनिया में दंगे भड़क गए। दरअसल, न्यू कैडेलोनिया, ऑस्ट्रेलिया के पास एक क्षेत्र है, जिस पर फ्रांस का शासन है। पेरिस में पास हु नए विधेयक के अनुसार, 10 वर्षों से न्यू कैलेडोनिया में रहने वाले फ्रांसीसी निवासियों को प्रांतीय चुनावों में मतदान करने की अनुमति दी जाएगी। इस फैसले से कुछ स्थानीय नेताओं को डर है कि इससे वहां के मूल निवासियों (कनक) के वोट की अहमियत कम हो जाएगी। इस विधेयक को लेकर पिछले तीन दिनों से न्यू कैलेडोनिया में हिंसा जारी है। इस दौरान शीर्ष फ्रांसीसी अधिकारी ने कहा कि सशस्त्र बलों को न्यू कैलेडोनिया के दो हवाई अड्डों और बंदरगाहों की रक्षा करने के लिए तैनात किया गया है। बता दें कि इस हिंसक दंगों में चार लोगों की मौत हो गई। इस हिंसक प्रदर्शन को देखते हुए फ्रांस ने आपातकाल की घोषणा की। फ्रांस के उच्चायुक्त लुई ले फ्रैंक ने कहा कि तीन नगर पालिकाओं में जेंडरमेस को पांच हजार प्रदर्शनकारियों का सामना करना पड़ा, जिसमें से तीन से चार हजार राजधानी नौमिया से थे। उन्होंने आगे कहा, दो सौ लोगों को गिरफ्तार किया गया। 64 जेंडरमेस और कई पुलिसकर्मी घायल हुए। फ्रांस में आपातकाल की घोषणा फ्रांस ने न्यू कैलेडोनिया में आपातकाल की घोषणा की।

इमरान खान की पार्टी को 9 मई की हिंसा के लिए माफी मांगनी होगी, बिलावल भुट्टो की चेतावनी

इस्लामाबाद, 16 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान पीपल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने चेतावनी दी है कि इमरान खान और उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ ने अगर बीते साल 9 मई को हुए दंगे के मामले में माफी नहीं मांगी तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि पीटीआई गंभीर राजनीतिक पार्टी नहीं है।

बिलावल का आरोप- हिंसा में शहीदों के स्मारकों को पहुंचाया गया नुकसान

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में बोलते हुए बिलावल भुट्टो ने कहा कि किसी को भी आतंकी घटनाएं अंजाम देने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। विपक्षी नेताओं ने बीते साल 9 मई को उन शहीदों के स्मारकों का अपमान किया, जिन्होंने देश के लिए अपनी जान दी। गौरतलब है कि बीते साल 9 मई को इमरान खान की गिरफ्तारी के विरोध में पाकिस्तान में हिंसा हुई थी। इस हिंसा के दौरान पीटीआई समर्थकों ने सेना के कई शीर्ष अधिकारियों के घरों के साथ ही सार्वजनिक संपत्ति को भी भारी नुकसान पहुंचाया था। हालांकि इमरान खान और उनकी पार्टी ने हिंसा के आरोपों को नकार दिया है।

पीटीआई का लोकतंत्र, संविधान में कोई विश्वास नहीं

बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि पीटीआई गंभीर पार्टी नहीं है और उनमें देश की राजनीति करने की कोई इच्छा नहीं है, उनके नेता जेल में रो रहे हैं। पीपीपी नेता ने कहा वे (पीटीआई) अपने निजी हित साधना चाहते हैं। मैं उनके गैर-गंभीर रवैये की आलोचना करता हूं। एक तरफ वे दावा करते हैं कि वह पाकिस्तान के संविधान की सर्वोच्चता की लड़ाई लड़ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ वे सिर्फ सैन्य प्रतिष्ठान से बातचीत करने की बात कर रहे हैं। पीपीपी नेता ने कहा पीटीआई और सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल के नेताओं का लोकतंत्र, संविधान, कानून में कोई विश्वास नहीं है। बिलावल भुट्टो ने पाकिस्तानी नेताओं से पाकिस्तान के आगामी बजट को लेकर सुझाव देने की भी अपील की। उन्होंने अपील की कि सरकार देश के आयात विवाद को सुलझाने के लिए भी कड़े कदम उठाए और इस मामले में दोषी लोगों की जवाबदेही तय की जाए।

कौन है रॉबर्ट फिको जिन पर दिनदहाड़े बरसाई गईं गोलियां, अभी कैसी है हालत

ब्रातीस्लावा, 16 मई (एजेंसियां)।

स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर राजधानी ब्राटीस्लावा के हैंडलोवा शहर में कई गोलियां बरसाई गई। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्लोवाक गणराज्य के विदेश मंत्री जुराज ब्लानार ने इस बात की पुष्टि की कि प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको पर जानलेवा हमला हुआ है। बता दें कि रॉबर्ट फिको पिछले साल अक्तूबर में चौथी बार सत्ता संभालीं। सत्ता संभालने के बाद ही उन्होंने देश की विदेश नीति को रूसी समर्थक विचारों की तरफ मोड़ दिया। अपने वर्तमान कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री फिको ने यूक्रेन के बारे में कई भड़काऊ बयान दिए। अपने इन भड़काऊ बयानों के कारण ही उन्होंने दुनिया का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित किया। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री ने रूस-यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने के लिए कीव से मॉस्को को क्षेत्र सौंपने के लिए भी आह्वान किया था, जिसे यूक्रेन ने खारिज कर दिया। पांच बिंदुओं में जानें स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री के बारे में सब कुछ

रॉबर्ट फिको का जन्म 15 सितंबर 1964 को हुआ था। उन्होंने वकील स्वेतलाना फिकोवा से शादी की, जिनसे उन्हें एक बेटा भी हुआ। हालांकि, स्वेतलाना ने मीडिया को बताया कि वे दोनों अब अलग हो चुके हैं। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री तेज कारों और फुटबॉल में दिलचस्पी रखते हैं। उन्हें महंगी घड़ियों का भी शौक है। वह अंग्रेजी में भी निपुण हैं। 2018 में एक पत्रकार की हत्या के बाद उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार उजागर हुआ, जिसके बाद फिको को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। लेकिन बाद में वह अपने पद पर वापस आ गए। प्रधानमंत्री फिको ने कई विवादास्पद बदलाव भी किए, जिनके चलते देशभर में जबरदस्त प्रदर्शन हुए। इनमें मीडिया से जुड़े एक कानून में बदलाव भी शामिल है। आलोचकों का कहना है कि इससे स्लोवाकिया में सार्वजनिक टीवी और रेडियो की निष्पक्षता पर असर पड़ेगा। प्रधानमंत्री फिको का पसंदीदा कहावत है- धैर्य हमेशा लाल गुलाब लाता है।

सिंगापुर के नए प्रधानमंत्री बने लॉरेंस वोंग, राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ, पीएम मोदी ने भी दी बधाई

सिंगापुर, 16 मई (एजेंसियां)।

अर्थशास्त्री लॉरेंस वोंग ने सिंगापुर के चौथे प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली है। 51 वर्षीय वोंग 72 वर्षीय पूर्व प्रधानमंत्री ली सीन लूंग की जगह लेंगे। ली सीन लूंग ने बीते दो दशकों से सिंगापुर के प्रधानमंत्री बने रहे। वोंग और लूंग दोनों ही नेता सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) से जुड़े हैं। बता दें कि पीएपी बीते पांच दशक से सिंगापुर की आर्थिक प्रगति को आगे बढ़ाने की जिम्मेदार रही है। इससे पहले वोंग सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अब वह प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के रूप में सरकार का नेतृत्व करेंगे। राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम ने वोंग को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। कैबिनेट में बदलाव नहीं करेंगे वोंग इससे पहले वोंग सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। अब वह प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री के रूप में सरकार का नेतृत्व करेंगे। राष्ट्रपति थर्मन शनमुगरत्नम ने वोंग को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। वोंग ने अपनी कैबिनेट में बड़े बदलाव न करने का संकेत दिया है। इसके पीछे उन्होंने सिंगापुर की निरंतरता और स्थिरता का हवाला देते हुए कहा है कि इस समय किसी भी व्यवधान से बचने की आवश्यकता है। अब सभी की निगाहें सिंगापुर में होने वाले अगले आम चुनाव पर टिकी हैं। बताया गया है कि नवंबर 2025 तक सिंगापुर में आम चुनाव होंगे और उसके बाद ही कैबिनेट में महत्वपूर्ण बदलाव की उम्मीद है। राष्ट्रपति थर्मन को वोंग की नेतृत्व क्षमता पर भरोसा राष्ट्रपति थर्मन का कहना है कि उन्हें वोंग की नेतृत्व क्षमता पर पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा कि सिंगापुर की आर्थिक और सामाजिक नीतियों को आकार देने में वोंग की भूमिका महत्वपूर्ण है। 1997 में संभाला था व्यापार और उद्योग मंत्रालय का कार्यभार वोंग को अप्रैल 2022 में पीएपी की चौथी पीढ़ी के नेता के रूप में नामित किया गया था। इसी दौरान उन्हें उप प्रधान मंत्री के रूप में पदोन्नति मिली थी। राजनीति में प्रवेश करने से पहले लॉरेंस वोंग ने 14 साल तक सिविल कार्यकर्ता रहे। साल 1997 में उन्होंने व्यापार और उद्योग मंत्रालय में कार्यभार संभाला। वोंग के नेतृत्व वाली सरकार एशिया के लिए निवेश पैदा करने वाले केंद्र के रूप में व्यापार संबंधित नीतियों को जारी रखेंगे। पीएम मोदी ने दी लॉरेंस वोंग को बधाई भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लॉरेंस वोंग को सिंगापुर के पीएम के रूप में कार्यभार संभालने पर बधाई दी है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है 'मैं हमारी रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हूं।

भारत चांद पर पहुंच गया, हमारे बच्चे गटर में गिरकर मर रहे, पाकिस्तानी सांसद ने दिल खोलकर की तारीफ

इस्लामाबाद, 16 मई (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के एक सांसद सैयद मुस्तफा कमाल ने भारत की दिल खोलकर तारीफ की है। पाकिस्तानी सांसद ने कहा कि एक तरफ खुले गटर कराची में बच्चों की जान ले रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ भारत चांद पर पहुंच गया है। पाकिस्तान की राजनीतिक पार्टी मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) के सांसद सैयद मुस्तफा कमाल ने वहां की संसद में अपने संबोधन में देश की सरकारों को आईना दिखाया। पाकिस्तानी सांसद ने भारत की जमकर तारीफ की पाकिस्तानी सांसद ने कहा कि आज जब दुनिया चांद की तरफ जा रही है, हमारे बच्चे अभी भी कराची में गटर में गिरकर मर रहे हैं। हमारे टीवी स्क्रीन पर जब हम खबरें देखते हैं कि भारत चांद पर पहुंच गया और उसके दो सेकेंड बाद ही खबर आती है कि कराची में खुले गटर में गिरकर बच्चे की मौत हो गई।

एमक्यूएम नेता ने कराची में ताजा पानी की कमी का जिक्र करते हुए कहा कराची पाकिस्तान में राजस्व का इंजन है। देश में दो बंदरगाह हैं और दोनों कराची में हैं। एक तरह से यह देश का गेटवे है। 15 वर्षों से कराची को ताजा पानी नहीं मिला है, जब भी पानी आता है तो तो उसे टैंकर माफिया कब्जा लेते हैं। पाकिस्तान में करीब ढाई करोड़ बच्चे स्कूल नहीं जा रहे सैयद मुस्तफा कमाल ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा सिंध प्रांत में करीब 70 लाख बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं और राष्ट्रीय स्तर पर यह आंकड़ा करीब 2.6 करोड़ है। कराची, सिंध प्रांत की ही राजधानी है। मुस्तफा कमाल ने कहा हमारे यहां कुल 48 हजार स्कूल हैं, लेकिन एक रिपोर्ट बताती है कि इनमें से 11 हजार स्कूल खाली पड़े हैं। देश में 2.62 करोड़ बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे। इस बात से देश के नेताओं की नींद उड़ जानी चाहिए। मौलाना फजलुर रहमान भी कर चुके हैं तारीफ सैयद मुस्तफा कमाल का यह बयान पाकिस्तान के ही एक अन्य वरिष्ठ नेता मौलाना फजलुर रहमान के उस बयान के बाद सामने आई है, जिसमें मौलाना फजलुर रहमान ने कहा था कि भारत और पाकिस्तान साथ आजाद हुए थे, लेकिन आज वे (भारत) महाशक्ति बनने का ख्वाब देख रहे हैं और हम दिवालियापन से बचने के लिए भीख मांग रहे हैं। मौलाना फजलुर रहमान ने वहां की संसद में भारत और पाकिस्तान की तुलना करते हुए कहा हम अपनी मर्जी से कानून भी नहीं बना सकते हैं। इस पार्लियामेंट के ऊपर हम सब फख्र करते हैं कि हम वीवीआईपी हो गए हैं।

विदेश में कम भारतीयों वाले कॉलेज चुनें, दुबई में भारतीय मूल के सीईओ के सुझाव, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

दुबई। दुबई में भारतीय मूल की सीईओ ने छात्रों से कम भारतीयों वाला कॉलेज चुनने का सुझाव दिया। उनके इस सुझाव ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया। श्रेया पत्तर वेंचर्स की सीईओ श्रेया पत्तर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर यह बयान दिया। उन्होंने कहा कि विदेशों में पढ़ने के लिए आने वाले भारतीय छात्र घरेलू भावना के साथ नहीं आते, बल्कि एक विषैले भारतीय पैटर्न के साथ आते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए श्रेया पत्तर ने कहा, अगर कोई भी भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए विदेश में जाने की सोच रहे हैं तो उन्हें यह जांचना चाहिए कि उस यूनिवर्सिटी में कितने भारतीय छात्र हैं। जिस यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्रों की संख्या जितनी अधिक होगी, आपकी सूची में उसका स्थान उतना ही नीचे होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, छात्रों का एक बड़ा भारतीय समुदाय विदेशों में घरेलू भावना के साथ नहीं आते, बल्कि एक विषैले भारतीय पैटर्न के साथ आते हैं। उनमें बहुत ड्रामा होता है, इसके अलावा व्यावसायिकता की कमी, अच्छे रोल मॉडल न होना, अपने जूनियर्स के प्रति जिम्मेदारी न होना, पीठ पीछे बुराई करना, भविष्य के प्रति कोई गंभीरता नहीं होना भी शामिल हैं। श्रेया पत्तर ने कहा, अगर आप देश के बाहर जाने की सोच रहे हैं तो यह सुनिश्चित करें कि आप इन लोगों की मानसिकता, दृष्टिकोण और ऐसे लोगों से दूर रहेंगे। आपको अपने आस-पास ऐसे लोगों की जरूरत नहीं होनी चाहिए, जो घर जैसा महसूस करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो आप विदेश न जाए। श्रेया पत्तर के बयान पर यूजर्स ने दी प्रतिक्रिया श्रेया पत्तर के इस पोस्ट को आठ लाख से भी ज्यादा लोगों ने देखा। इस पर यूजर्स ने प्रतिक्रिया भी दी। कुछ इससे सहमत हुए, जबकि कुछ ने आलोचना भी की। यूजर ने कहा, मैं आपसे पूरी तरह से सहमत नहीं हूं। मैं 2011 में एक अस्पताल में काम करने के लिए ऑस्ट्रेलिया गया था। वहां सबसे ज्यादा ईर्ष्यालु लोग भारतीय ही थे।

शुक्रवार के दिन किस देवी की पूजा करने से घर-परिवार में आती है खुशहाली

शुक्रवार का दिन देवियों को समर्पित है। हिंदू मान्यता अनुसार शुक्रवार का दिन सुख प्रदान करने वाली मां संतोषी , घर को धन-धान्य से भरने वाली माता लक्ष्मी और संकटों का नाश करने वाली देवी दुर्गा, मां काली की पूजा के लिए खास माना जाता है।

शुक्रवार व्रत और पूजन अलग-अलग वजहों से किया जाता है। आइए जानते हैं शुक्रवार को क्या करने से घर में खुशहाली, धन आगमन और संपन्नता प्राप्त होती है।

शुक्रवार को इन त्रिदेवियों की पूजा से चमकता है भाग्य ।

मां लक्ष्मी :- धन की देवी लक्ष्मी जी को प्रसन्न करने के लिए शुक्रवार को वैभव लक्ष्मी व्रत करने की सलाह दी जाती है। घर-परिवार में लक्ष्मी का वास बनाए रखने के लिए भी यह व्रत उपयोगी है। इसे स्त्री-पुरुष कोई भी कर सकता है। इसमें एक समय भोजन किया जाता है।

पूजा में लक्ष्मी जी को सफेद चंदन, सफेद फूल, खीर का भोग अर्पित करें। इस दिन लक्ष्मी श्री यंत्र को स्थापित कर उसकी नियमित रूप से पूजा करने से धन, व्यापार में वृद्धि होती है। वैभव लक्ष्मी व्रत 11 या 21 शुक्रवार तक करें। इसे किसी भी माह के शुक्ल पक्ष के शुक्रवार से शुरू करना चाहिए।

उपाय :- लक्ष्मी जी को प्रसन्न करने के लिए श्रीसूक्त का पाठ करें, सफेद चीजों का दान करें।

मां संतोषी :- संतोषी माता साधक के दुख और चिंताओं को दूर कर खुशहाली प्रदान करने वाली देवी मानी जाती है। इसकी कृपा प्राप्त करने के लिए 16 शुक्रवार के व्रत करने का विधान है। मां संतोषी को पूजा में गुड़ और चना विशेष रूप से चढ़ाया जाता है। इसमें खट्टी चीजों का सेवन वर्जित है। इसे भी शुक्ल पक्ष के शुक्रवार से आरंभ करना चाहिए।

उपाय :- श्री संतोषी देव्व्ये नमः का 108 बार जाप करें।

मां काली की पूजा :- संहार की अधिष्ठात्री देवी मां काली की पूजा शुक्रवार को अचूक मानी जाती है।

इनकी उपासना से शत्रु का विनाश, भय, रोग, दोष, जादू टोना आदि से मुक्ति मिलती है। मां काली की सामान्य रूप से पूजा करनी चाहिए।

इसके लिए लाल वस्त्र धारण करें, देवी के सामने दीपक और गुग्गल की धूप जलाए। पेड़े और लौंग का भोग अर्पित कर ॐ क्रीं कालिकायै नमः का 13 माला जाप करें।

उपाय :- आटे का दो मुंह वाला दीपक जलाकर काली चालीसा का पाठ करें।

मान-सम्मान के लिए चाणक्य ने दिए हैं 5 सूत्र

अपनाने पर मिलेगी सफलता

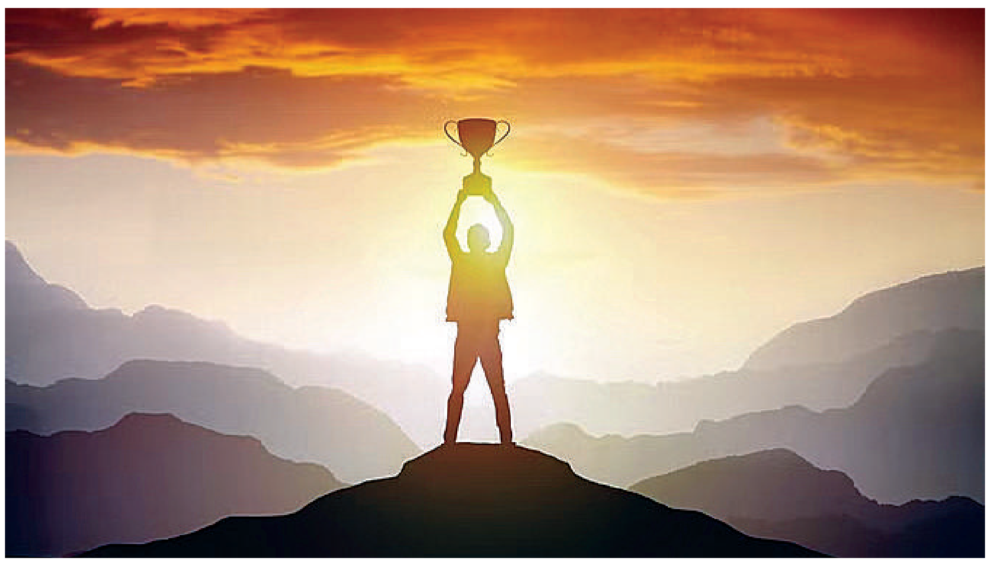

आचार्य चाणक्य एक योग्य शिक्षक के साथ-साथ एक महान अर्थशास्त्री भी थे। उन्होंने एक महान ग्रंथ की रचना की है, जिसे चाणक्य नीति के नाम से जाना जाता है। इस ग्रंथ में मनुष्य के जीवन से जुड़ी कई ऐसी बातों का जिक्र है, जिनका आज भी पालन किया जाता है। ये नीतियां युवाओं को मार्गदर्शित करने में सहायता करती है। इसके जरिए जीवन में कामयाबी हासिल करने में आसानी होती है और तरक्की के नए मार्ग भी खुलते हैं।

हर व्यक्ति समाज में मान-सम्मान पाना चाहता है। लेकिन कुछ आदतों के चलते वह अपनी छवि खराब कर लेता है, जो बाद में भविष्य को प्रभावित करती है। इसलिए जीवन में इन नीतियों का पालन करने की सलाह दी जाती है।

चाणक्य के अनुसार समाज में सम्मान बनाए रखने के लिए कभी भी अहंकार का भाव मन में नहीं होना चाहिए। इससे सफल व्यक्ति भी असफल हो जाता है। वहीं चाणक्य नीति ने मान-सम्मान प्राप्ति के लिए 5 सूत्र दिए हैं, आइए इसके बारे में जान लेते हैं।

अच्छी संगति

चाणक्य नीति के अनुसार व्यक्ति को हमेशा सही संगति में रहना चाहिए। आपकी संगत जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और इसका प्रभाव आपके व्यवहार में भी देखने को मिलता है। इसलिए गलत लोगों से सदैव दूरी बनाकर रखनी चाहिए।

वाणी में बनाएं रखें मधुरता

चाणक्य नीति के अनुसार व्यक्ति को हमेशा अपनी वाणी में मधुरता रखनी चाहिए।

ऐसे लोगों को समाज में भी काफी पसंद किया जाता है। वाणी ही आपकी बातों के भाव को बयां करती है, इसलिए इसमें हमेशा मधुरता बनाए रखें।

गलतियों से सीखें

अपनी गलतियों से सीखने वाला व्यक्ति हमेशा श्रेष्ठ होता है। यदि कोई व्यक्ति अपनी गलती से सीखता है, तो वह समाज के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनता है।

विनम्रता है श्रेष्ठ गुण

व्यक्ति को हमेशा अपने व्यवहार में विनम्रता रखनी चाहिए। ऐसे लोगों का हर जगह सम्मान किया जाता है। व्यवहार में विनम्रता होने के कारण यह लोग अपनी परेशानियों का निवारण आसानी से कर लेते हैं।

इन लोगों की सहायता करने के लिए हमेशा समाज के लोग आगे रहते हैं।

ज्ञानियों का साथ

व्यक्ति का ज्ञान उसके मान सम्मान को बढ़ाने में मदद करता है। चाणक्य के अनुसार व्यक्ति को हमेशा अपने ज्ञान में विस्तार करना चाहिए। ज्ञानी व्यक्ति का समाज में हमेशा सम्मान किया जाता है।

वैशाख पूर्णिमा पर पाना है मां लक्ष्मी की कृपा, तो घर लें आएं 5 खास चीजें

वैशाख पूर्णिमा मां लक्ष्मी की पूजा के लिए बहुत उत्तम दिन माना जाता है। धन की देवी की कृपा पाने के लिए वैशाख पूर्णिमा पर पूजा, पाठ के अलावा कुछ खास चीजों की खरीदारी कर घर लाएं।

वैसे तो पूर्णिमा मां लक्ष्मी को समर्पित है लेकिन वैशाख महीने की पूर्णिमा पर भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था इसलिए इस दिन का महत्व दोगुना हो जाता है।

वैशाख पूर्णिमा पर घर में सत्यनारायण की कथा करने वालों को मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

इस साल वैशाख पूर्णिमा 23 मई 2024 को है।

वैशाख पूर्णिमा पर बुद्ध की मूर्ति घर लाना बेहद शुभ होता है। वास्तु और फेंगशुई के मुताबिक बुद्ध को समृद्धि और खुशहाली का सूचक माना जाता है। इनकी प्रतिमा घर में होने से नेगेटिव एनर्जी दूर रहती है।

वैशाख पूर्णिमा के दिन कुबेर यंत्र घर में लाना धनदायक माना गया है।

पूर्णिमा पर कुबेर यंत्र लाकर इसकी विधिवत पूजा करें और फिर इसे धन स्थान या पूजा घर में रखें। इसके प्रभाव से धन की परेशानी दूर होती है।

पूर्णिमा का दिन वस्त्रों की खरीदारी के लिए अच्छा होता है। इस दिन गुलाबी या लाल रंग के कपड़े खरीदें। ये रंग मां लक्ष्मी को प्रिय है।

वैशाख पूर्णिमा पर एकाक्षी नारियल लाकर दुकान या जहां आप कार्य करते हैं वहां धन स्थान पर रखना चाहिए। मान्यता है इससे दरिद्रता दूर होती है। धन आगमन होता है।

चांदी का सिक्का, चांदी का हाथी या पीतल का कछुआ वैशाख पूर्णिमा पर खरीदना मां लक्ष्मी को प्रसन्न करता है। इनके घर में होने से कर्ज से मुक्ति मिलती है।

बुढ़वा मंगल 24 को, जानें महत्व और पौराणिक कथा

24 मई 2024, शुक्रवार से ज्येष्ठ माह आरंभ हो रहा है। हिंदू धर्म में ज्येष्ठ मास का विशेष महत्व है। इस महीने में हनुमान जी की पूजा का विशेष महत्व है। इस महीने के प्रत्येक मंगल को बुढ़वा मंगल या बड़ा मंगल कहा जाता है। ज्येष्ठ माह के मंगल को बजरंगबली की पूजा अर्चना करने से सभी प्रकार के दुख कष्ट दूर होते हैं, और घर में सुख समृद्धि का वास होता है। व्यक्ति पर विशेष कृपा होती है। आइए जानते हैं किस किस तिथि को पड़ेंगे ज्येष्ठ माह के बुढ़वा मंगल। जानिए पूजा विधि, तिथि और महत्व।

ज्येष्ठ माह कब से आरंभ?

प्रतिपदा तिथि आरंभः 23 मई, गुरुवार, सायं 07:23 बजे से

प्रतिपदा तिथि समाप्तः 24 मई, शुक्रवार सायं 07: 25 तक

ऐसे में उदया तिथि के अनुसार ज्येष्ठ माह 24 मई से आरंभ हो रहा है।

कब कब पड़ेंगे बुढ़वा मंगल

ज्येष्ठ माह में पहला बुढ़वा मंगल 28 मई, दूसरा मंगल 4 जून , तीसरा मंगल 11 जून और चौथा बड़ा मंगल 18 जून को पड़ेगा।

यह है बड़े मंगल का महत्व

ज्येष्ठ माह में पड़ने वाले मंगल का विशेष महत्व है। इस दिन हनुमान चालीसा, बजरंगबाण का पाठ करने और सुंदरकांड को पढ़ने से भक्तों को हनुमानजी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। यदि आपकी कोई मनोकामना अधूरी है तो बुढ़वा मंगल के दिन हनुमानजी के मंदिर में चोला चढ़ाने से आपकी सारी अधूरी इच्छाएं पूर्ण होंगी और आपको पुण्य की प्राप्ति होगी।

क्यों होती है बूढ़े हनुमान जी की आराधना?

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार बुढ़वा मंगल महाभारत काल और रामायण काल से जुड़ा हुआ माना जाता है।

महाभारत काल की कथा के अनुसार भीम को अपनी शक्तियों का काफी घमंड हो गया था। भीम का घमंड चूर-चूर करने के लिए हनुमानजी ने मंगलवार को बूढ़े बंदर का रूप धारण किया और भीम को हरा दिया। तभी से इस दिन को बूढ़ा मंगल के नाम से मनाया जाने लगा।

वहीं रामायण काल में एक बार सीता मां को खोजते हुए जब हनुमानजी लंका पहुंचे तो रावण ने बंदर कहकर उनका अपमान किया। रावण के घमंड को चकनाचूर करने के लिए भी हनुमानजी ने वृद्ध वानर का रूप धारण किया था। बजरंगबली ने विराट रूप धारण किया था और अपनी पूंछ से लंका को जलाकर लंकापति रावण का घमंड चकनाचूर किया था।

दीपिका पादुकोण के नाम एक और उपलब्धि

बनीं ये अंतरराष्ट्रीय सम्मान पाने वाली अकेली भारतीय स्टार

दीपिका पादुकोण अक्सर किसी न किसी वजह से चर्चा में रहती हैं। अब एक बार फिर वह सुर्खियों में हैं और वजह भी बेहद खास है। दरअसल, दीपिका ने एक बार फिर दुनियाभर में भारत का नाम रोशन किया है।दरअसल, अंतरराष्ट्रीय पत्रिका डेडलाइन ने 2024 के ग्लोबल डिसरप्टर्स की सूची जारी की है। इसमें दुनियाभर के वो सितारे शामिल हैं, जो मनोरंजन जगत में अपना खास योगदान दे रहे हैं। इस सूची में भारत से अकेली दीपिका शामिल हैं।दीपिका लोकप्रिय हॉलीवुड पत्रिका डेडलाइन की ग्लोबल डिसरप्टर्स 2024 सूची में शामिल होने वाली एकमात्र भारतीय सेलेब्रिटी हैं।उन्हें भारत की सरप्राइज सुपरस्टार बताया गया है, जो लगातार सीमाओं और मिथकों को तोड़ रही हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, दीपिका ने न केवल लगातार 2 वर्षों तक बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की है, बल्कि कई वैश्विक प्लेटफार्मों पर भारत का प्रतिनिधित्व भी किया है।प्रतिष्ठित सूची में ईवा लोंगोरिया, उमा थुरमन और ली सुंग-जिन जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारे भी शामिल हैं।दीपिका बाफ्टा अवॉर्ड्स, 2024 में बतौर प्रेजेंटर शामिल हुई थीं। दिसंबर, 2023 में वह एकेडमी म्यूजियम गाला में शामिल होने वाली पहली भारतीय अभिनेत्री बनी थीं।2023 में हुए 95वें ऑस्कर समारोह में भी दीपिका को बड़ी जिम्मेदारी मिली थी। ऑस्कर के मंच पर वह प्रेजेंटर के तौर पर नजर आई थीं।दीपिका कान्स फिल्म फेस्टिवल के जूरी सदस्यों की सूची में शामिल हो चुकी हैं। वह फीफा विश्व कप ट्रॉफी से पर्दा उठाने वाली पहली भारतीय बनी थीं।दीपिका इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। उन्होंने इस साल फरवरी में सोशल मीडिया पर यह ऐलान किया था कि वह मां बनने वाली हैं। उन्होंने यह भी बताया था कि सितंबर, 2024 में वह बच्चे को जन्म देंगी।दीपिका ने 2018 में रणवीर सिंह से शादी की थी। उन्होंने 2 रीति-रिवाजों से इटली के लेक कोमो में शादी रचाई थी। शादी के 6 साल बाद अब वे माता-पिता बनने के लिए बेहद उत्साहित हैं।दीपिका जल्द ही रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म सिंघम अगेन में पुलिस की वर्दी पहने धमाल मचाती नजर आएंगे।

चंदू चैंपियन का धांसू फर्स्ट लुक पोस्टर हुआ रिलीज

लंगोट में नजर आए कार्तिक आर्यन

कार्तिक आर्यन बॉलीवुड के मोस्ट पॉपुलर एक्टर हैं । फिलहाल कार्तिक अपनी अपकमिंग फिल्म चंदू चैंपियन को लेकर सुर्खियों में हैं। एक्टर की इस फिल्म का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। इन सबके बीच फैंस की एक्साइटमेंट को और ज्यादा बढ़ाते हुए फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्ट आज रिलीज कर दिया गया है। पोस्टर में कार्तिक पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में देखने नजर आ रहे हैं। फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर उम्मीद से परे है, जी हां! यह शॉकिंग और बेहद अनोखा है वैसा जैसा किसी ने भी नहीं सोचा था। पोस्टर में कार्तिक आर्यन एक रेसलर के लुक में दिख रहे हैं उन्होंने लाल रंगा लंगोट पहना हुआ है और वे जी जान लगाते हुए दौड़ते हुए नजर आ रहे हैं। पोस्टर फिल्म को बहुत ही मासी अपील देता है। कार्तिक आर्यन फर्स्ट लुक में बेहद कॉन्फिडेंट भी दिख रहे हैं। पोस्टर में आर्यन की मेहनत और फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन साफ नजर आ रहा है। इस पोस्टर पर लिखा है, एक आदमी जिसने सरेंडर करने से इनकार कर दिया कार्तिक ने अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर पोस्टर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा कि वह अपने करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण और खास फिल्म का पहला पोस्टर शेयर करते हुए बेहद एक्साइटेड और प्राउड हैं। फिल्म के इस धांसू फर्स्ट लुक पोस्टर के रिलीज होने के बाद फैंस में अब फिल्म के लिए एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर पहुंच गई है। वहीं कार्तिक आर्यन को लंगोट पहने रेस्लर के अवतार में देखना यकीन सरप्राइजिंग है और फर्स्ट लुक पोस्टर से यह पक्का हो जाता है कि वह एक एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी परफॉर्मेंस देने वाले हैं। ऐसे में कार्तिक आर्यन को चंदू चैंपियन में देखना बेहद दिलचस्प होगा। इस फिल्म की कहानी की बात करें तो ये मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर बेस्ड हैं। बता दें कि पेटकर एक स्वर्ण पदक विजेता हैं जिन्होंने 1970 के राष्ट्रमंडल खेलों और फिर 1972 में जर्मनी में आयोजित पैरालिंपिक में देश को गौरव कराया था। बता दें कि साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान द्वारा प्रोड्यूस चंदू चैंपियन 14 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

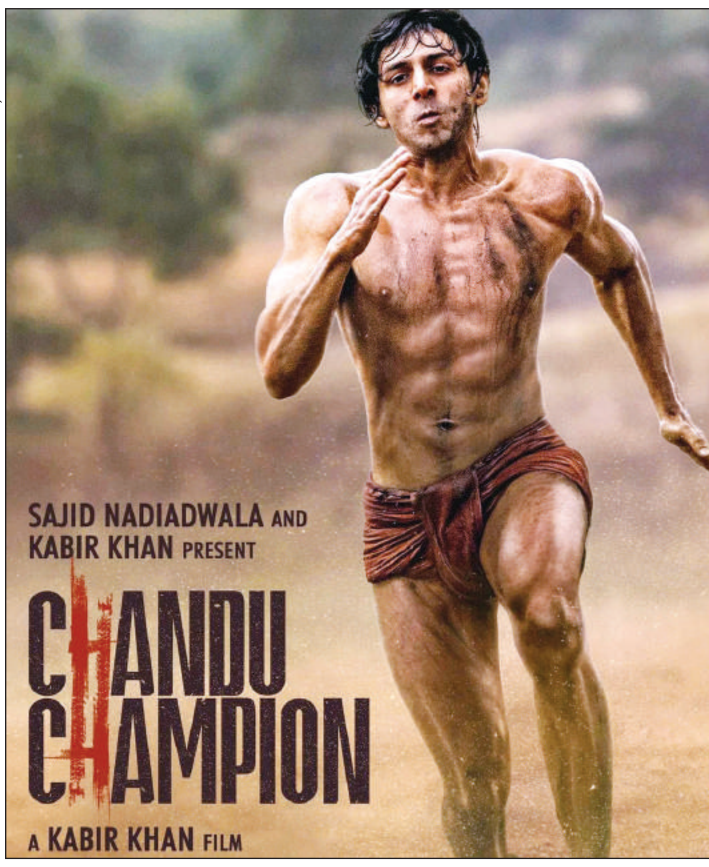

अभिनेत्री श्रिया रेड्डी तमिल वेब सीरीज थलाईमाई सेयालागम में राजनीति करती नजर आएंगी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक वसंतबालन द्वारा निर्देशित आठ-एपिसोड की वेब सीरीज थलाईमाई सेयालागम में तमिल अभिनेत्री श्रिया रेड्डी सत्ता की चाहत रखने वाली एक राजनेता की भूमिका में नजर आएंगी।श्रिया रेड्डी को हाल ही में सालार में देखा गया था। उन्होंने इसमें अपने दमदार अभिनय से फैंस का दिल जीत लिया था। श्रिया अब अपनी अगली राजनीतिक सीरीज थलाईमाई सेयालागम की रिलीज का इंतजार कर रही हैं।श्रिया रेड्डी निर्देशक के काम से बेहद प्रभावित हुईं और उन्होंने कहा, मैंने जितनी भी व्यावसायिक फिल्में की हैं, उसके बाद मैं फिर से अपनी जड़ों की ओर वापस आने के लिए तैयार हूं। वेयिल और कांचीवरम जैसी फिल्मों ने वास्तव में मेरे लिए एक नया माहौल तैयार किया।अभिनेत्री ने कहा, हमने इस विशेष शो को बहुत वास्तविक और बेहद स्वाभाविक रखा है। किरदार में ढलना एक निर्देशक की सबसे बड़ी संपत्ति है, इसलिए उन्होंने प्रत्येक कलाकार को किरदार में ढलने के लिए समय और स्थान दिया। वह हर चीज को यथासंभव वास्तविक चाहता थे।श्रिया रेड्डी ने कहा, जब तक उन्हें वह नहीं मिल जाता जो वह चाहते हैं, वह बस यही कहते हैं, क्या हम इसे आजमा सकते हैं क्या हम वह प्रयास कर सकते हैं अभिनेत्री ने आगे कहा कि उन्होंने कभी हार नहीं मानी।थलाईमाई सेयालागम एक महिला की सत्ता की खोज की कहानी को सामने लाती है। यह सीरीज दर्शकों को महत्वाकांक्षा और

विश्वासघात की मनोरंजक कहानी की ओर ले जाती है। साथ ही तमिलनाडु की राजनीति को उजागर करती है।रदान मीडिया वर्क्स की तमिल एक्ट्रेस राधिका सरथकुमार इस सीरीज का निर्माण कर रही हैं, जिसका प्रीमियर 17 मई से जी 5 पर होगा।इसमें किशोर, श्रिया रेड्डी, आदित्य मेनन और भरत मुख्य भूमिकाओं में हैं।

देवरा पार्ट 1 का पहला सिंगल फियरसॉन्ग 19 मई को होगा रिलीज

मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर की आने वाली फिल्म देवरा पार्ट 1 का पहला गाना फियरसॉन्ग 19 मई को रिलीज होगा।

मैन ऑफ मासेस एनटीआर जूनियर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म देवरा: पार्ट 1 को लेकर सुर्खियों में हैं।एनटीआर जूनियर अपने जन्मदिन, 20 मई के पूर्व अपने शंसकों को बेहतरीन रिटर्न गिफ्ट देने के लिए तैयार हैं। निर्माताओं ने सोशल मीडिया हैंडल पर घोषणा की है कि देवरा का पहला गाना फियरसॉन्ग 19 मई को रिलीज होगा।यह गाना संगीतकार अनिरुद्ध रविचंद्र द्वारा रचा गया है।

कोरटाला शिवा द्वारा निर्देशित यह फिल्म दो भागों में रिलीज होगी।युवासुधा आर्ट्स और एनटीआर आर्ट्स द्वारा निर्मित और नंदामुरी कल्याण राम द्वारा प्रस्तुत इस फिल्म में जूनियर एनटीआर के अलावा, जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 10 अक्टूबर 2024 को दशहरे के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

माया: द बर्थ ऑफ ए सुपरहीरो इमर्सिव प्रतियोगिता पुरस्कार की दौड़ में

भारत में कोलकाता की कलाकार पॉलोमी बसु निर्मित कलात्मक कृति माया: द बर्थ ऑफ ए सुपरहीरो 77वें कान फिल्म फेस्टिवल में उद्घाटन इमर्सिव प्रतियोगिता के शीर्ष पुरस्कार की दौड़ में है।

माया: द बर्थ ऑफ ए सुपरहीरो 14 मई को शुरू हुए प्रभावशाली फिल्म महोत्सव के आधिकारिक चयन में कई भारतीय प्रविष्टियों में से एक है। यह फिल्म ग्रामीण भारत में मासिक धर्म के दौरान महिलाओं से जुड़ी वर्जनाओं को चित्रित करने के लिए मिश्रित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता को परिलक्षित करती है।

यह फिल्म लंदन के एक टावर गांव में रहने वाली युवा आप्रवासी भारतीय लड़की माया की कहानी है, जिसे स्कूल में अपने साथियों के सामने पहली बार मासिक धर्म आने के बाद छींटाकशी की बदमाशी का सामना करना पड़ता है। माया के जीवन में एस समय बदलाव आता है , जब वह सपने में एक रहस्यमय सुपरहीरो से मिलती है, जिसे माया भी कहा जाता है जो भारतीय पौराणिक कथाओं में जादू की शक्ति को दर्शाता है।

मासिक धर्म को लेकर कलंक और शर्म जल्द ही युवा लड़की के लिए शक्ति और आत्मविश्वास में बदल जाती है।

छह साल पहले ब्रिटेन जाने से पहले कोलकाता के ला मार्टिनियर और सेंट जेवियर्स कॉलेज में पढ़ाई करने तथा ब्रिटिश कलाकार सीजे क्लार्क के साथ सह-लेखन और सह-निर्देशन करने वाली बसु कहती हैं, माहवारी के दौरान महिलाओं के साथ अछूतों की तरह व्यवहार किया जाता है। यह कहानी दर्शकों को शर्म से सशक्तिकरण की यात्रा पर ले जाती है। यह पश्चिमी समाज के भीतर स्त्री-द्वेष और पितृसत्ता की भी पड़ताल करता है, वर्जित विषय के बारे में एक इंटरैक्टिव अनुभव प्रदान करने के लिए आभासी वास्तविकता के माध्यम का उपयोग करता है।

प्रियदर्शन की थ्रिलर फिल्म में नेगेटिव किरदार निभायेंगे बॉबी देओल !

बॉलीवुड अभिनेता बॉबी देओल फिल्म निर्देशक प्रियदर्शन की आने वाली फिल्म में नेगेटिव किरदार निभाते नजर आ सकते हैं।

बॉलीवुड में चर्चा है कि प्रियदर्शन, सैफ अली खान के साथ फिल्म करने वाले हैं। कहा जा रहा है कि प्रियदर्शन की फिल्म थ्रिलर होगी।फिल्म में सैफ अली खान को एक अंधे शख्स का रोल निभाने का ऑफर दिया गया है। बॉबी देओल का हाल ही में साउथ की कंगुआ से नया लुक सामने आया था। अब वो एक और नयी फिल्म से जुड़ सकते हैं। बॉबी देओल को नेगेटिव किरदारों में खूब पसंद किया जा रहा है। चर्चा है कि प्रियदर्शन ने इस फिल्म के लिये बॉबी से भी संपर्क किया गया है। इसकी शूटिंग जुलाई से आरंभ होनी है। बॉबी देओल ने फिल्म करने में इंट्रेस्ट दिखाया है।

कहा जा रहा है कि प्रियदर्शन की फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार है।यदि चीजें आगे सही तरीके से बढ़ीं तो इस फिल्म की शूटिंग इसी साल जुलाई और अगस्त में की जाएगी। फिल्म को 40 दिनों में शूट करने का प्लान बनाया गया है।

मैडनेस मचाएंगे-इंडिया को हंसाएंगे की शोभा बढ़ाएंगे चंकी पांडे

बॉलीवुड के जानेमाने अभिनेता चंकी पांडे सोनी एंटरटेनमेंट के शो मैडनेस मचाएंगे-इंडिया को हंसाएंगे में शामिल होंगे।

इस रविवार, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का कॉमेडी शो, मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे चंकी पांडे की मेहमाननवाज़ी करके शीर्ष स्तर का मनोरंजन करने का वादा करता है। अनुभवी कॉमेडियन्स अपनी मज़ेदार हरकतों से घर में हंगामा मचाने के लिए तैयार हैं,।कुशल बद्रीके, गौरव दुबे और कावेरी प्रियम इसके लिये तैयार हैं।कुशल बद्रीके चंकी पांडे के प्रसिद्ध ऑन-स्क्रीन किरदार 'आखिरी पास्ता' की भूमिका निभाएंगे। कुशल शेफ की भूमिका में दिखेंगे जो किचन के डायनेमिक्स में मसालेदार ट्विस्ट देता है। यह एक्ट इतना अच्छा था कि चंकी पांडे और 'मैडनेस की मालकिन' हुमा कुरेशी उन्हें स्टैंडिंग ओवेशन देंगी।

कुशल बद्रीके ने कहा,आखिरी पास्ता की भूमिका निभाने का अनुभव थोड़ा घबराहट पैदा करने वाला था, खासकर यह जानते हुए कि असली आखिरी पास्ता, चंकी पांडे जी यह एक्ट देख रहे होंगे।

हालांकि, मैं यह जानकर रोमांचित था कि चंकी पांडे जी ने अपने प्रसिद्ध किरदार पर मेरे परफॉर्मेंस का आनंद लिया। गौरव दुबे और कावेरी प्रियम के साथ काम करके बहुत अच्छा लगा।वे बेहद प्रतिभाशाली कॉमेडियन्स हैं, और मंच पर हमारी केमिस्ट्री ने इस कहानी को और भी मज़ेदार बना दिया।

मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे इस रविवार रात 9:30 बजे, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर प्रसारित होगा।

अलाया एफ ने इंस्टाग्राम पर शेयर की स्टनिंग तस्वीरें

एक्ट्रेस की हॉटनेस ने यूजर्स को बनाया दीवाना

बॉलीवुड एक्ट्रेस अलाया एफ नेटिजेंस को इंप्रेस करने में कभी फेल नहीं होतीं। वे अक्सर अपने फैशन स्टेटमेंट के चलते लोगों की चर्चा का विषय बन जाती हैं। एक फैशन एक्सपर्ट के लिए उनके स्टाइल और ड्रेस में कोई खामी खोज पाना मुश्किल होता है। अब उन्होंने अपनी लेटेस्ट फोटोज से सभी का ध्यान खींचा है। बॉलीवुड एक्ट्रेस अलाया एफ अपने सोशल मीडिया पर हमेशा ही काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपने फैंस के साथ अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। हाल ही में, उन्होंने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह बेहद हॉट और खूबसूरत लग रही हैं। इन तस्वीरों में अलाया एफ ने सफेद रंग की ऑफ शोल्डर बॉडीकॉन ड्रेस पहनी हुई है और हल्का मेकअप किया हुआ है। वह कैमरे के सामने अलग-अलग पोज दे रही हैं और अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेर रही हैं। अलाया एफ की इन तस्वीरों को देखकर उनके फैंस क्रेजी हो गए हैं। तस्वीरों पर लाइक्स और कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। कई फैंस ने अलाया एफ की खूबसूरती की तारीफ की है, तो कुछ ने उनके हॉट लुक की तारीफ की है। अलाया एफ को भी ज्यादातर एक्ट्रेस की तरह सोशल मीडिया पर वक्त बिताना अच्छा लगता है। वे इंस्टाग्राम पर फैंस को अपने हॉट लुक्स और मजेदार पोस्ट से बांधे रखती हैं। अलाया एफ अपनी पहली फिल्म जवानी जानेमन के लिए फिल्मफेयर का बेस्ट फीमेल डेब्यू अवॉर्ड जीत चुकी हैं। अलाया एफ सोशल मीडिया के जरिए अपनी स्टाइलिश तस्वीरें और डांस वीडियो शेयर करती रही हैं। वे सोशल मीडिया पर अपने फैंस को फिटनेस के लिए प्रेरित भी करती हैं। एक्ट्रेस को इंस्टाग्राम पर 1। 1 मिलियन लोग फॉलो करते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने ख़राब मूड को शादीशुदा ज़िंदगी में तनाव का कारण न बनने दें। इससे बचने की कोशिश करें, नहीं तो बाद में पछताना पड़ेगा। बिन बुलाया कोई मेहमान आज घर में आ सकता है बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। आपको अपनी तरफ़ से सबसे बेहतर तरीक़े से बर्ताव करने की ज़रूरत है इस राशि वालों को आज के दिन अपने लिए समय निकालने की शख्त जरुरत है अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपको मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। जीवनसाथी की वजह से आपको बाहर जाना पड़ सकता है, जो बाद में आपकी झल्लाहट की वजह बनेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

घर पर तनाव का माहौल आपको नाराज़ कर सकता है। इसे दबाना आपकी शारीरिक समस्याओं में इज़ाफ़ा कर सकता है। शादी लायक़ युवाओं का रिश्ता तय हो सकता है। आपके प्रिय का प्यारा बर्ताव आपको ख़ास होने का अनुभव कराएगा; इन लम्हों का पूरा लुत्फ़ उठाएँ। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक–एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। इस राशि वालों को आज के दिन अपने लिए समय निकालने की शख्त जरुरत है अगर आप ऐसा नहीं करते तो आपको मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। जीवनसाथी से निकटता आज आपको ख़ुशी देगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आप ऐसे स्रोत से धन अर्जित कर सकते हैं, जिसके बारे में आपने पहले सोचा तक न हो। कोई दोस्त अपनी निजी समस्याओं के समाधान के लिए आपसे मश्वरा मांग सकता है। कार्यक्षेत्र की बात करें तो आपकी टीम का सबसे ज़्यादा खीझने वाला व्यक्ति काफ़ी समझदारी की बातें करता नज़र आ सकता है। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

गर्भवती महिलाओं को चलते–फिरते समय ख़ास ख़याल रखने की ज़रूरत है। अगर संभव हो तो ऐसे लोगों से दूर रहें जो धूम्रपान करते हैं, क्योंकि इससे पैदा होने वाले शिशु को नुक़सान हो सकता है। अपना कुछ समय दूसरों को देने के लिए अच्छा दिन है। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। जो लोग अब तक बेरोजगार हैं उन्हें अच्छी जॉब पाने के लिए आज और अधिक मेहनत करने की जरुरत है। मेहनत करके ही आप सही परिणाम पा पाएंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस–पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपके प्रतिद्वन्द्वियों को अपने ग़लत कामों का फल मिलेगा। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। किसी रिश्तेदार के यहा से कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। बच्चों की उनसे जुड़े मामलों में मदद करना आवश्यक है। प्यार का जज़्बा अनुभव के परे है, लम्बे समय से अटके फ़ैसलों को अमली जामा पहनाने में क़ामयाबी मिलेगी और नयी योजनाएँ आगे बढ़ेंगी। मुमकिन है कि आपके अतीत से जुड़ा कोई शख़्स आज आपसे संपर्क करेगा और इस दिन को यादगार बना देगा। मतभेदों की एक लम्बी श्रृंखला के पनपने के कारण आपको सामंजस्य बिठाने कें मुश्किल आएगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। आज आप कोई नई पुस्तक खरीदकर किसी कमरे में खुद को बंद करके पूरा दिन गुजार सकते हैं। वैवाहिक जीवन के लिहाज़ से यह बढ़िया दिन है। साथ में एक अच्छी शाम गुज़ारने की योजना बनाएँ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। आपका ज्ञान और हास–परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। विवाह–प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप–रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उदास और अवसादग्रस्त न हों। आपके पिता की कोई सलाह आज कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ करा सकती है. परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आज आप कुछ अलग क़िस्म के रोमांस का अनुभव कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आज आप अपने काम में प्रगति देखेंगे। वक़ील के पास जाकर क़ानूनी सलाह लेने के लिए अच्छा दिन है। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। पारिवारिक समारोह में नए दोस्त बन सकते हैं। हालाँकि अपने चयन में सावधानी बरतें। अच्छे दोस्त उस ख़ज़ाने की तरह होते हैं, जिसे सारी ज़िंदगी दिल के क़रीब रखा जाता है।अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे। अगर आप ऐसे अच्छे कामों में थोड़ा समय लगाएँ, तो काफ़ी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

यूं तो आज आर्थिक पक्ष अच्छा रहेगा लेकिन इसके साथ ही आपको यह ध्यान भी रखना होगा कि आप अपने पैसे को व्यर्थ में खर्च न करें। दूसरों की कमियाँ ढूंढने का ग़ैर–ज़रूरी काम रिश्तेदारों की आलोचना का रुख़ आपकी ओर मोड़ सकता है। बेहतर रहेगा कि आप अपनी यह आदत बदल दें। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन ऐसी चीज़ों को ख़रीदने के लिए बढ़िया है, जिनकी क़ीमत आगे चलकर बढ़ सकती है। अगर आप अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज़ हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं। भावनात्मक उथल–पुथल आपको परेशान कर सकती है। आपकी अन्दरूनी ताक़त कार्यक्षेत्र में दिन को बेहतर बनाने में मददगार साबित होगी। अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं क्योंकि आप उनको पर्याप्त समय नहीं दे पाते।

शुक्रवार का पंचांग

दिनांक : 17 मई 2024 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2081
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : नवमी प्रातः 08:50 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी रात्रि 09:18 तक
योग : व्याघात प्रातः 09:19 तक
करण : कौलव प्रातः 08:50 तक
चन्द्रराशि : सिंह उत्तर रात्रि 04:05 तक
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:53 , सूर्यास्त 06:38 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:32 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36 , सूर्यास्त 06:31 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : दुर्गा नवमी

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कमला बेनीवाल पंचतत्व में विलीन, राजकीय सम्मान नहीं दिए जाने पर विवाद शुरू

डोटासरा बोले– क्या दिल्ली के इशारे पर किया गया अपमान

जयपुर, 16 मई (एजेंसियां)। पूर्व राज्यपाल एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजस्थान में कांग्रेस की सबसे वयोवृद्ध नेता डा कमला बेनीवाल का गुरुवार को जयपुर में अंतिम संस्कार किया गया। गुजरात, मिजोरम एवं त्रिपुरा की राज्यपाल तथा राजस्थान की उपमुख्यमंत्री रही श्रीमती कमला बेनीवाल का अंतिम संस्कार शहर के लालकोठी श्मशान घाट पर किया गया जहां उनके पुत्र एवं पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल ने उन्हें मुखाग्नि दी और लोगों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी। अंतिम संस्कार में कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मंत्री लालचंद कटारिया, आमेर विधायक प्रशांत शर्मा, कांग्रेस जिला अध्यक्ष आर आर तिवारी सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अन्य लोग शामिल हुए।

इससे पहले उनके निवास पर प्रदेश के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिजनों को ढांढस बंधाया। इसी तरह श्री डोटासरा ने पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस के अन्य नेताओं कार्यक्रताओं ने भी श्रीमती कमला के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें अंतिम विदाई दी। श्रीमती कमला बेनीवाल के पार्थिव शरीर को कांग्रेस के झंडे में लपेटकर अंतिम विदाई दी। श्री डोटासरा ने सोशल मीडिया पर कहा कि डा कमला बेनीवाल के अंतिम संस्कार में उन्हें राजकीय सम्मान नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि क्या दिल्ली के इशारे पर दिवंगत सेनानी का अपमान किया गया। या यह मानवीय भूल हुई है। स्वतंत्रता सेनानी को आखिरी सम्मान न देना क्या उचित है। सरकार को जवाब देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि डा कमला बेनीवाल का बुधवार को यहां निधन हो गया था। वह करीब 97 वर्ष की थी।

बीकानेर में दर्दनाक सड़क हादसा दो भजन गायकों की मौत

श्रीडूंगरगढ़ में बाइक सवारों को सौ मीटर तक घसीटता ले गया कंटेनर

बीकानेर, 16 मई (एजेंसियां)। जिले के श्रीडूंगरगढ़ में कंटेनर की चपेट में आकर बाइक सवार दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। टक्कर के बाद कंटेनर दोनों बाइक सवार युवकों को काफी दूर तक घसीटते हुए ले गया। दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। श्रीडूंगरगढ़ थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार डाक से लदा कंटेंनर जयपुर से बीकानेर की तरफ आ रहा था। वहीं दोनों बाइक सवार शादी में बाइक से रतनगढ़ जा रहे थे। इस दौरान रास्ते में यह हादसा हो गया। पुलिस और सेवादारों की मदद से दोनों युवकों के शवों को श्रीडूंगरगढ़ की मोर्चरी में रखवाया।

हादसे में जान गंवाने वाले दोनों युवक भजन गायक थे। हरिराम नायक (30) पुत्र राजाराम नायक और सीताराम मेघवाल (40) पुत्र कानाराम मेघवाल की मौत हो गई। दोनों कुंतासर गांव के रहने वाले थे। दोनों गांव–गांव जाकर भजन गाते थे। इनकी भजन मंडली के ही एक सदस्य की शादी है, जिसमें शामिल होने के लिए दोनों बाइक पर रतनगढ़ जा रहे थे। रास्ते में कंटेनर ने इन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सहित कंटेनर में फंस गए और करीब सौ मीटर तक दोनों घसीटते गए। बाइक चकनाचूर हो गई और भजन गायकों ने मौके पर दम तोड़ दिया।

ग्रीष्मकालीन बाल–नाट्य एवं लोक–नृत्य कार्यशाला का आयोजन

उदयपुर, 16 मई (एजेंसियां)। बच्चों में निहित कला प्रतिभा को मुखरित करने तथा ग्रीष्मावकाश के सदुपयोग के उद्देश्य से पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर द्वारा शिल्पग्राम में लोक–नृत्य एवं बाल–नाट्य कार्यशाला का आयोजन आगामी एक से 20 जून तक किया जायेगा। केन्द्र निदेशक फुरकान खान ने बताया कि ग्रीष्मावकाश में बच्चों को रचनात्मक प्रवृति की ओर मुखरित करने तथा उनमें छुपी कलात्मक प्रतिभा को अभिव्यक्त करने के लिये मंच प्रदान करने के उद्देश्य से केन्द्र द्वारा एक जून से शिल्पग्राम में नौ से 16 वर्ष की आयु के बच्चों के लिये बाल–नाट्य एवं लोक–नृत्य कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया की वरिष्ठ रंगकर्मी एवं राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से स्नातक मनोहर तेली एवं वरिष्ठ लोक–नृत्य प्रशिक्षिका विजयलक्ष्मी आमेटा द्वारा बच्चों को बाल–नाट्य एवं लोक–नृत्य की बारीकियों के बारे में प्रशिक्षण दिया जावेगा। साथ ही कार्यशाला के दौरान बाल–नाट्य एवं लोक–नृत्य की कृतियॉं तैयार की जायेगी, जिनका प्रदर्शन समापन अवसर पर किया जायेगा। कार्यशाला का समापन 21 जून 2024 को दर्पण सभागार शिल्पग्राम में किया जायेगा।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म का एक आरोपी गिरफ्तार

करौली, 16 मई (एजेंसियां)। महिला थाना पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। आरोपी के ऊपर करौली एसपी ने पांच हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। आरोपी करीब दो माह से फरार चल रहा था और थाने के टॉप–10 वांटेड में शुमार है। करौली महिला थाना अधिकारी मंजू फौजदार ने बताया कि सदर करौली थाना क्षेत्र निवासी एक पिता ने 22 मार्च को अपनी नाबालिग पुत्री के अपहरण की एफआईआर दर्ज कराई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए थानाधिकारी ने एफआईआर दर्ज कर आरोपी और अपहता की तलाश शुरू की। अपहत नाबालिग बालिका को 22 मार्च को ही चार घंटे के अंदर दस्तयाब कर लिया गया। आरोपी अनिल मीना घटना के समय से ही फरार चल रहा था। आरोपी की तलाश के लिए अलग–अलग टीमें गठित की। तलाश के लिए आरोपी के गांव भांवरा थाना बामनवास, रिश्तेदारियों और संभावित स्थानों पर भी दबिश दी। साथ ही साइबर सेल करौली से भी मदद ली गई। आरोपी अनिल मीना पुत्र हरिकेश मीना उम्र 27 साल निवासी भांवरा थाना बामनवास जिला गंगापुर सिटी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को मुखबिर की सूचना पर सलेमपुर बस स्टैंड थाना कुडगांव से दस्तयाब किया। जिसे जांच के लिए डीएसपी अनुज शुभम के सामने पेश किया। डीएसपी द्वारा जांच के बाद पॉक्सो एक्ट में गिरफ्तार किया है। मामले में एक अन्य आरोपी आशीष मीणा की सरगर्मी से तलाश जारी है।

तेज रफ्तार कंटेनर ने कार को मारी टक्कर, चालक की मौत

अंबाला, 16 मई (एजेंसियां)। शहजादपुर बनोदी शुगर मील के निकट तेज रफ्तार कंटेनर की चपेट में आकर हवलदार बलविंद्र सिंह की मौत हो गई। हादसा इतना दर्दनाक था कि टक्कर लगने के बाद कंटेनर कार को काफी दूर तक घसीटता ले गया। गंभीर रूप से घायल होने पर बलविंद्र को नजदीकी अस्पताल में ले गए तो डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मृतक शहजादपुर थाने में हवलदार था।पुलिस को दी शिकायत में फतेहपुर गांव निवासी मोहित कुमार ने बताया कि वह टाइल बनाने की फैक्टरी में काम करता है। 15 मई को वह अपनी रिश्तेदारी धनाना गांव से वापस अपने गांव जा रहा था। जैसे ही वह महाराणा प्रताप चौक शहजादपुर पहुंचा तो उसकी

मुलाकात फतेहपुर निवासी चाचा बलविंद्र सिंह से हुई थी। जो हरियाणा पुलिस में है व शहजादपुर थाने में हवलदार है। बातचीत होने के बाद चाचा ड्यूटी के संबंध में नारायणगढ़ की तरफ जा रहे थे। वह भी उनके पीछे–पीछे जा रहा था। जैसे ही चाचा शहजादपुर बनोदी शुगर मील के पास पहुंचे तो एक तेज रफ्तार कंटेनर ने टक्कर मार दी व गाड़ी को काफी दूर तक घसीटता ले गया। गंभीर रूप से घायल होने पर चाचा को शहजादपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चाचा बलविंद्र को मृत घोषित कर दिया। कंटेनर चालक ने अपना नाम महेंद्रगढ़ के बदोपुर गांव निवासी अनिल कुमार बताया था।

फैक्टरी में जोरदार धमाके के साथ फटा बॉयलर, दो की मौत और 21 घायल

डेढ़ किलोमीटर तक सुनाई दी धमाके की आवाज, कई मकान क्षतिग्रस्त

सोनीपत, 16 मई (एजेंसियां)। जिले में कुंडली की दहिया कॉलोनी स्थित श्री गणेश फैक्टरी में बुधवार देर रात जोरदार धमाके के साथ बॉयलर फट गया। हादसे में कई मकान व साथ लगती फैक्टरी क्षतिग्रस्त हो गई। मलबे में दबने से दो लोगों की मौत हो गई है, जबकि छह माह की बच्ची समेत 21 लोग घायल हुए हैं। घायलों को कुंडली स्थित नवल अस्पताल और नरेला स्थित राजा हरीशचंद्र अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। मलबे में अभी कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। देर रात से ही दमकल कर्मचारी बचाव कार्य में जुटे हुए हैं।कुंडली की दहिया कॉलोनी के रिहायशी इलाके में कई फैक्टरियां चल रही है। बुधवार देर रात श्री गणेश फैक्टरी में जोरदार धमाके के साथ बॉयलर फट गया। बताया जा रहा है कि बॉयलर के फटने के दौरान धमाके की आवाज करीब डेढ़ किलोमीटर तक सुनाई दी। आसपास क्षेत्र में रहने वाले लोगों का कहना है कि उन्हें लगा जैसे भूकंप आ गया हो। धमाके के साथ बॉयलर फटने से फैक्टरी में आग लग गई थी। जिसकी सूचना दमकल विभाग को दी गई। जिसके बाद सोनीपत, राई व कुंडली क्षेत्र की दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। बताया

जा रहा है कि आग पर जल्द काबू पा लिया गया था। फैक्टरी के आसपास कई मकान व एक और फैक्टरी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में घायलों को कुंडली व नरेला स्थित अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। वहीं मलबे से दो शव भी निकाले गए हैं। जिनकी पहचान बिहार निवासी बृजेश व गुलाब के रूप में हुई है। आशंका जताई जा रही है कि अभी मलबे में कुछ और लोग भी दबे हुए हैं।घायलों में प्रदीप पटेल (30), दिनेश पासवान (45), रमेश (47), कीर्ति (18), पुष्पेंद्र (19), असंजना (21), संतोष (48), कपिल (18), अक्षय (10), राजपाल (23), सरोज (26) को दिल्ली के नरेला अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। वहीं अंतिमा (17), प्रियांशी (10), सुधा (29), बिजेंद्र (35), जोगेंद्र (18), पिंकी (18), जोगेंद्र (30), बिट्टी (30), सौरभ (22), लावण्या (छह माह) को कुंडली के नवल अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। सहायक मंडल अग्निशमन अधिकारी राजेंद्र सिंह दहिया ने बताया कि हादसे के दौरान मलबे में तीन लोगों के दबने की आशंका है। जिनमें से विभाग की रेस्क्यू टीम ने दो शवों को निकाल लिया गया है। विभाग की ओर से रेस्क्यू अभियान जारी है।

चुनाव से पहले भाजपा ने बदली अपनी रणनीति, अब मिशन मेरिट पर किया फोकस

चंडीगढ़, 16 मई (एजेंसियां)। हरियाणा लोकसभा की अधिकतर सीटों को जीतने के लिए भाजपा ने मतदान से चंद दिन पहले अपनी रणनीति बदल दी है। राम मंदिर और अनुच्छेद 370 जैसे केंद्रीय मुद्दों के यहां कमजोर पड़ने के बाद अब भाजपा स्थानीय स्तर के मुद्दों पर आ गई है। प्रचार को धार देने के लिए स्थानीय मुद्दों में खासकर पिछले नौ साल में बिना पर्ची और खर्ची के युवाओं को दी गई नौकरियों को भाजपा ने प्रमुख मुद्दा बनाया है। इसी मुद्दे को हथियार बनाकर भाजपा जहां अब कांग्रेस पर हमलावर हो गई है, वहीं लाखों उन युवाओं जिनको नौकरियां मिली है और लाखों वे युवा जिनको नौकरी की आस है और उनके परिवारों को साधने की कोशिश की जा रही है। अगले एक सप्ताह में भाजपा के नेता और कार्यकर्ता उन सभी 1.30 लाख युवाओं के घर दस्तक देने वाले हैं, जिनकी इस सरकार में सरकारी नौकरियां लगी हैं। सरकार के पास सभी युवाओं

और उनके परिवार का पूरा डाटा है।

इस खास अभियान के पीछे मकसद साफ है कि जिन युवाओं को बिना पर्ची और खर्ची के नौकरियां मिली हैं, उनको याद दिलाना है कि उनको नौकरियां भाजपा के मिशन मेरिट से मिली है। वहीं, जिन युवाओं और परिवारों में नौकरयां नहीं मिल पाई हैं, उनको संदेश देना कि बिना पहचान और सिफारिश के नौकरियां भाजपा ही दे सकती है। दूसरा, भाजपा नेताओं का मानना है कि घर में एक सरकारी नौकरी मिलने से कम से कम उसके परिवार व रिश्तेदारी के 10 वोट प्रभावित होते हैं। इसलिए भाजपा इस अभियान के जरिये 13 लाख से अधिक मतदाताओं को साधने की कोशिश में है। इनके अलावा हरियाणा कौशल रोजगार निगम में लगे एक लाख से अधिक कर्मचारियों के घर भी दस्तक देने की योजना है। अगर भाजपा इन मतदाताओं का साधने में कामयाब रहती है तो यह एंटी इंकमबेंसी का बड़ा तोड़ होगा। इनमें नई नियुक्तियां पाने वाले 13 हजार 133 युवा और ठेके पर काम कर रहे 1 लाख पांच हजार 747 युवा भी शामिल हैं।रणनीति के तहत पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के भाषण के मुद्दे अचानक से बदल गए हैं। मनोहर लाल सीधे नौकरियों के मुद्दे पर आ रहे हैं। रैलियों में वह सीधे जनता से पूछने लगे हैं कि पहले हरियाणा में नौकरियां बिकती थीं या नहीं। रेट भी बंधे हुए थे। क्लर्क से लेकर ऊपर के लेवल तक रेट तय थे। मनोहर लाल ने कहा कि पहले नौकरी के लिए युवा पिता की जमीन बिकवा देते थे। असंध के बल्ला और हिसार में हुई रैली में मनोहर लाल ने कहा कि हमने 1.30 लाख नौकरियां दीं, एक भी पैसा नहीं लगा। मनोहर बोले बेशक वह आज मुख्यमंत्री नहीं हैं, मगर यदि किसी ने पैसा लिया है तो बता देना गर्दन पकड़ कर पैसा वापस दिलवाएंगे।हरियाणा में शुरू से सरकारी नौकरी बड़ा मुद्दा रही है और इसे रुतबे के सिंबल पर देखा जाता है। हालांकि, बेरोजगारी दर पर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने–सामने हैं। जब से हरियाणा बना तभी से नौकरियों को लेकर आरोप लगते रहे हैं कि पार्टियों के कार्यकर्ताओं और नेताओं के जानकारों को नौकरियां दी गई हैं। किसी भी सूरत में हरियाणवी सरकारी नौकरी चाहता है। खासकर युवा सरकारी नौकरियों के लिए कुछ भी करने को तैयार रहे हैं। एक तो हरियाणा के युवा विदेशों में पलायन कर रहे हैं, दूसरा अन्य राज्यों में नौकरियों को लेकर भी प्रदेश के युवा पीछे नहीं हट रहे हैं। ये बात अलग है कि बाहरी राज्यों में पेपर लीक मामलों में भी हरियाणा के युवा पकड़े जा रहे हैं। कांग्रेस सरकार पर क्षेत्रवाद और जातिवाद के हिसाब से नौकरियां देने के आरोप लगते रहे हैं। मनोहर लाल के सीएम बनने के बाद मिशन मेरिट का नारा दिया गया। अब इस मिशन मेरिट के आधार पर भाजपा हरियाणा को फिर से फतह करने की तैयारी में हैं।

हासन यौन शोषण मामला

एसआईटी जांच सही दिशा में नहीं है: एचडी कुमारस्वामी

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने गुरुवार को आरोप लगाया कि सीएम सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली राज्य सरकार नहीं चाहती कि प्रज्वल रेवन्ना के खिलाफ यौन शोषण मामले में सच्चाई सामने आए, लेकिन देवेगौड़ा परिवार का नाम नष्ट हो। उन्होंने आरोप लगाया कि वे अपनी सरकार बचाने के लिए सत्ता का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन्होंने यह भी पूछा कि प्रज्वल रेवन्ना, जो तब उनके संपर्क में नहीं थे जब वह भारत में थे, अब विदेशी धरती से उनसे संपर्क क्यों करेंगे। मैसूरु में मीडियाकर्मियों से

बात करते हुए, जद (एस) के दूसरे कमान ने कहा कि प्रज्वल के मामले में जांच सही रास्ते पर नहीं है। कुमारस्वामी ने कहा कि विशेष जांच दल (एसआईटी) गंदे वीडियो प्रसारित करने के लिए जिम्मेदार लोगों का पीछा नहीं कर रहा है। मामले में बिना किसी समझौते के निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कुमारस्वामी ने कहा कि जांच अधिकारियों को महिलाओं की दुर्दशा को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि एसआईटी वकील देवराजेगौड़ा को गिरफ्तार कर पेन ड्राइव के बारे में जानकारी हासिल करने की कोशिश नहीं कर रही है, बल्कि जांच एजेंसी सरकार को गिरने से रोकने की कोशिश कर रही है।

डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार पर स्पष्ट रूप से निशाना साधते हुए कुमारस्वामी ने कहा व्हेल गृह मंत्री के ठीक बगल में है। अगर एसआईटी ईमानदारी से जांच करती है, तो व्हेल को दस मिनट में पाया जा सकता है। मांड्या विधायक ने कहा था कि वे बड़े व्हेल लोगों को गिरफ्तार करेंगे। एक सप्ताह के समय में जांच की हर जानकारी मांड्या जिले के विधायक को भेजी जा रही है, लेकिन गृह मंत्री को नहीं, वे उस व्यक्ति (कार्तिक जिसने पेन ड्राइव लीक किया था) को गिरफ्तार और पूछताछ क्यों नहीं कर पाए हैं। जो समाचार चैनलों को साक्षात्कार दे रहा है, अगर वे उसे गिरफ्तार कर लें तो व्हेल मिल जाएगी। सिद्धरामैया की 'हिट एंड रन केस' टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने पूछा क्या सीएम सिद्धरामैया में उस मामले की जांच करने का साहस है जो मैं देता हूं? या वह उसमें भी हेरफेर करेंगे?

रघुपति भट्ट ने दक्षिण पश्चिम स्नातक सीट के लिए निर्दलीय के रूप में दाखिल किया नामांकन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी के पूर्व भाजपा विधायक, रघुपति भट्ट ने गुरुवार को मैसूरु में कर्नाटक विधान परिषद के दक्षिण-पश्चिम स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया। इससे पहले दिन में, रघुपति भट्ट ने बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ मैसूरु के चामुंडी हिल्स में श्री चामुंडेश्वरी मंदिर का भी दौरा किया और देवी देवता का आशीर्वाद लिया।

नामांकन दाखिल करने के दौरान डॉ शिवचरण शेट्टी, भाजपा के वरिष्ठ नेता विश्वनाथ भट्ट, चेतन मंदाना, एम शंकर और अन्य उपस्थित थे। रघुपति भट्ट दक्षिण-पश्चिम स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए भाजपा के उम्मीदवार थे, लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिया गया। उन्होंने पार्टी नेतृत्व के फैसले के खिलाफ खुलकर अपना असंतोष व्यक्त किया और भाजपा पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा समर्थित एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में अपनी उम्मीदवारी की भी घोषणा की।

सीएम नीतीश कुमार पहुंचे दिवंगत सुशील मोदी के घर, कहा–

बहुत पुराना संबंध था, सच्चा साथी खो दिया

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दो दिन से अस्वस्थ थे। स्वस्थ होते ही वह अपने दोस्त और पूर्व उपमुख्यंत्री सुशील कुमार मोदी के घर पहुंचे। वहां उन्होंने सुशील मोदी के परिजनों से बातचीत की। साथ ही दिवंगत भाजपा नेता के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। मुख्यमंत्री ने दिवंगत सुशील मोदी के परिजनों से मिल कर उन्हें सहानुभूति देते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में हमलोग आपके साथ हैं। सीएम नीतीश कुमार के साथ मंत्री विजय कुमार चौधरी और सांसद संजय झा मौजूद थे। हालांकि, इस दौरान सीएम नीतीश कुमार ने मीडियो बातचीत नहीं की। बता दें कि सीएम नीतीश कुमार ने आज शिवहर में चुनावी संभा को संबोधित किया। उन्होंने जदयू प्रत्याशी के लिए चुनाव किया। शिवहर से लौटते ही सीएम नीतीश एयरपोर्ट से सीधे दिवंगत सुशील मोदी के आवास पर पहुंचे।

लेकिन, पूर्व उपमुख्यमंत्री के भाई राजकुमार मोदी से जब पत्रकारों ने नीतीश कुमार के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा बहुत ही पुराना संबंध उनके साथ है। हमने अपना एक सच्चा साथी खोया है। इससे पहले राजकुमार मोदी ने कहा कि वह (सुशील मोदी) बहुत ही ज्यादा पढ़े-लिखे और काफ्फी ज्ञानी थे। सभी विषयों पर विस्तृत ज्ञान था उनका। जीएसटी आज जो देश में लागू हुआ उसका मुख्य श्रेय उन्हीं को जाता। शायद वह उसकी पूरी हिस्ट्री लिखते। दूसरे देशों में जीएसटी की हिस्ट्री लिखते। लेकिन प्रभु की यही इच्छा थी। बहुत तेजी से उनका स्वास्थ्य

खराब हुआ।डॉक्टर ने बहुत कोशिश की। प्रधानमंत्री खुद उनके ट्रीटमेंट को मॉनिटर कर रहे थे। लेकिन, प्रभु की इच्छा के आगे मनुष्य बेबस और लाचार है।

लालू-नीतीश के रिश्तों को ठीक से समझना हो तो भी बहुत पीछे जाने की जरूरत नहीं। 2005 से नीतीश कुमार के साथ ही सुशील मोदी साये की तरह थे। जब प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी को भाजपा ने आगे किया था, तब नीतीश कुमार ने भाजपा से दूरी बना ली। येन-केन-प्रकारेण यह दूरी बनी तो 2014 के लोकसभा के बाद 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में भी कायम रही। भाजपा को इस चुनाव में भारी झटका लगा। कोई तारणहार नहीं नजर आ रहा था। नीतीश कुमार वापस लालू प्रसाद यादव के साथ हो लिए थे। पहली बार तेजस्वी यादव को डिप्टी सीएम की कुर्सी मिली थी। सब ठीक ही चल रहा था। लेकिन, फिर सुशील कुमार मोदी ने मिट्टी-मॉल घोटाले की फाइल ऐसी खोली कि नीतीश कुमार को अपने फैसले पर शक होने लगा। लगभग 50 दिनों तक सुशील मोदी ने ऐसा अभियान चलाया कि नीतीश कुमार का शक यकीन में बदल गया और 2015 में लिए महागठबंधन के लिए जनादेश को ठुकरा कर वह 2017 में वापस भाजपा के साथ आ गए।

फिर सब ठीक चल रहा था और 2020 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के साथ नीतीश कुमार को जनादेश मिला। इस जनादेश के बाद भाजपा ने अप्रत्याशित रूप से नीतीश कुमार को झटका दिया। भाजपा ने सुशील कुमार मोदी को उनका डिप्टी सीएम नहीं बनाया। उन्हें राज्यसभा भेज दिया। तभी से यह माना जा रहा था कि समन्वय का संकट होगा। यही हुआ भी, जिसके कारण नीतीश कुमार ने एक बार फ्फिर लालू प्रसाद यादव का रुख किया। वह भाजपा के साथ पुराने प्रारूप का संबंध कायम नहीं रख सके। महागठबंधन की सरकार बीच में ही बनी और फिर जब लोकसभा चुनाव की आहट शुरू हुई तो अपने जन्मदिन के आसपास सुशील कुमार मोदी ने नीतीश को वापस लाने का प्रयास अपने स्तर से शुरू किया। जनवरी 2024 में सुशील कुमार मोदी के जन्मदिन (5 जनवरी) के पोस्टरों में उन्हें 'बिहार भाजपा का संकटमोचक' बताया गया और 28 जनवरी को नीतीश कुमार फिर भाजपा के साथ आ गए। बस, सुशील कुमार मोदी की वापसी नहीं हुई। और, अब तो वह वहां चले गए- जहां से कोई वापस ही नहीं आता।

भाजपा ने कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा मतदाताओं को उपहार देने की शिकायत की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने बेंगलूरु विधान परिषद स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार रामोजी गौड़ा पर आपत्ति जताई है, जो चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर मतदाताओं को लुभाने के लिए उपहार बांट रहे हैं।

इसी संदर्भ में भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से शिकायत कर कांग्रेस प्रत्याशी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। यह उपहार एक निजी कूरियर एजेंसी के गोदाम में रखे गए हैं। प्रतिनिधिमंडल ने इन्हें जब्त करने के लिए अधिकारियों को निर्देश देने का अनुरोध किया है। प्रतिनिधिमंडल में विधायक एस. सुरेश कुमार, विधान परिषद सदस्य चलवादी नारायणस्वामी, बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष सीके राममूर्ति और अन्य महत्वपूर्ण लोग उपस्थित थे।

लोकसभा चुनाव के बीच जांच से हड़कंप

बिहार में एक नेता के आधा दर्जन ठिकानों पर आयकर की टीम का धावा

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

आयकर विभाग की टीम पूर्व वार्ड पार्षद और निवर्तमान पार्षद सीमा झा पति विजय कुमार झा के घर पर पहुंची है। आयकर विभाग के छह से अधिक अधिकारी पार्षद पति के घर को खंगाल रहे हैं। उनके दुकान, कार्यालय और कई अन्य जगहों पर छापेमारी चल रही है। आयकर विभाग की टीम विजय कुमार झा से सघन पूछताछ कर रही है। विजय कुमार झझ पर आय से अधिक संपत्ति, प्रॉपर्टी लेन-देन के आरोप लगे हैं।

बताया जा रहा है कि गुरुवार सुबह मालीघाट चौक स्थित नगर निगम वार्ड 41 की पार्षद सीमा झा के पति पूर्व पार्षद विजय झा ने जैसे ही घर का दरवाजा खोला

तो वह दंग रह गए। इनकम टैक्स की टीम अचानक घर के अंदर आ गई। घर में बाहर से आने वालों की इंट्री बंद कर दी गई है।

अलग-अलग टीम पुरानी बाजार स्थित सविता विवाह भवन, चूना भट्टी रोड स्थित सविता वृद्ध आश्रम, भारत माता चौक के टाइल्स मार्बल दुकान, कोठिया स्थित स्वामी विवेकानंद स्कूल में जांच करने पहुंची है। हालांकि इस मामले में इनकम टैक्स की ओर से कोई बयान नहीं दिया गया है।

मदरसे में बम धमाका : गेंद समझकर छात्र ने उठाया मौलाना ने की फेंकने की कोशिश तो हुआ विस्फोट

पटना (एजेंसियां)।

छपरा के गड़खा थाना क्षेत्र के मोतिराजपुर गांव स्थित एक मदरसा में अचानक ब्लास्ट हो गया। इसमें मदरसा के मौलाना और उनका छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। धमाके की गूंज आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने दोनों को सदर अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां से दोनों को बेहतर इलाज के लिए पटना के पीएमसीएच रेफर किया गया है। दोनों की मदरसा में ही रहते थे। इनकी पहचान मढ़ौरा थाना क्षेत्र के ओल्हनपुर गांव निवासी मौलाना इमामुद्दीन और 15 वर्षीय नूर आलम के रूप में हुई। नूर मुजफ्फरपुर जिले का निवासी है।

स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि

मदरसा में रह कर पढ़ाई कर रहे नूर आलम ने मदरसा के पीछे गेंद जैसे दिख रहे बम को हाथ में उठा लिया और अंदर आ गया। उसके बाद हाथ में बम देख मौलाना उसे अपने हाथ में लेकर फेंकना चाह रहे थे कि नीचे नूर आलम के पैर पर गिर पड़ा। इस घटना में नूर आलम के पैर एवं मौलाना के हाथ फट गया है। हालांकि कुछ लोग इस घटना को बम बांधे जाने की बात भी दबे जुबान बता रहे हैं।

बुधवार रात घटना के बाद जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया है। वहीं स्थानीय पुलिस इस मामले की छानबीन में जुट गई है। इस बम ब्लास्ट की पुष्टि सारण के पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव मंगला के द्वारा की गई है। पुलिस अधीक्षक डॉ गौरव मंगला ने बताया कि कि प्रथम दृष्टया बम ब्लास्ट पटाखा फैक्ट्री का प्रतीत हो रहा है। इसमें दो लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

इस मामले में गड़खा थानाध्यक्ष शशि रंजन के द्वारा बताया गया कि मोतीराजपुर गांव स्थित मदरसा परिसर में बम के फ्फटने की सूचना मिली है। जिसमें मदरसा के 40 वर्षीय मौलाना इमामुद्दीन एवं 15 वर्षीय नूर आलम बुरी तरह से जख्मी हुए हैं। जिनका उपचार किसी निजी अस्पताल में कराया जा रहा है। वहीं सूत्रों की मानें तो दोनों घायलों को निजी अस्पताल से पीएमसीएच रेफर किया जा चुका है।

एचडी रेवन्ना ने विभिन्न मंदिरों में की पूर्जा अर्चना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जमानत पर जेल से रिहा होने के बाद पूर्व मंत्री एचडी रेवन्ना ने राहत के लिए भगवान से प्रार्थना की है। अपने पिता और मां का आशीर्वाद लेने के बाद उन्होंने मंगलवार को मैसूरु की चामुंडी पहाड़ी पर देवी चामुंडेश्वरी की पूजा की। वहीं गुरुवार को उन्होंने जयनगर के विनायक मंदिर में पूजा की। एसआईटी ने उन्हें एक महिला के अपहरण के मामले में गिरफ्तार किया था। न्यायिक हिरासत में रहे रेवन्ना को मंगलवार दोपहर जेल से रिहा कर दिया गया क्योंकि जन प्रतिनिधियों की विशेष अदालत ने इस मामले में जमानत दे दी। रेवन्ना, जो बेंगलूरु में अपने घर आए कई प्रशंसकों से बात करते समय भावुक थे, सुबह विभिन्न मंदिरों में गए और पूजा की। भगवान के एक महान भक्त, रेवन्ना ने आरोप सुनने से पहले भी मंदिरों में जाने और प्रार्थना करने की प्रथा जारी रखी। इसी तरह, वे अब भी मंदिरों में जाते हैं और विशेष पूजा करते हैं।

कुछ कारणों से इस बार अपना जन्मदिन नहीं मना रहे: एचडी देवेगौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा ने कहा कि वह कुछ कारणों से अपना जन्मदिन नहीं मना रहे हैं। गौड़ा ने एक विज्ञप्ति में कहा, 18 मई को, मैं 91 साल का हो रहा हूं और अपने 92वें वर्ष में प्रवेश कर रहा हूं और इस अवसर पर, मैं अपने प्रशंसकों और जद (एस) पार्टी कार्यकर्ताओं को उनकी उपस्थिति में शुभकामनाएं देना चाहता हूं। उन्होंने सुझाव दिया कि सभी को मौजूदा विधान परिषद चुनावों में जेडीएस-भाजपा गठबंधन के उम्मीदवारों की जीत के लिए ईमानदारी से काम करना चाहिए।

50 जवानों को चुनाव ड्यूटी से लेकर जा रही बस गड्ढे में पलटी, 25 जख्मी में छह को गंभीर चोट

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले में देर रात फिर से एक बड़ा बस हादसा हो गया। जवानों को लेकर आ रही बस अनियंत्रित होकर पलटी और खड्डे में जा गिरी। दुर्घटना में करीब 20 से 25 जवान जख्मी हो गए हैं। इनमें छह-सात जवान गंभीर रूप से घायल हैं। घटना मुजफ्फरपुर-समस्तीपुर एनएच 28 के सुजावलपुर चौक के पास की है। घायलों को इलाज के लिए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज अस्पतालभेजा गया।

सकरा थाना क्षेत्र में सुजावलपुर एनएच 28 पर देर रात 11:10 बजे यह हादसा हुआ। घटना की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची सकरा थाना की पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल जवान को दुर्घटनाग्रस्त बस से निकाल इलाज के लिए पहले सकरा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया और फिर वहां से मेडिकल कॉलेज भेजा। घटना के बाद घंटों मौके पर अफरातफरी की स्थिति बनी हुई रही। सभी जवान चौथे चरण की मतदान ड्यूटी खत्म होने के बाद अगले चरण के चुनाव के लिए लौट रहे थे। इसी दौरान में सुजावलपुर के पहले अचानक बस चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और बस पास के एक खड्डे में पलट गई। बस में बिहार पुलिस बल के करीब 50 जवान थे।

इससे पहले, बुधवार को ही दिन के 12 बजे मुजफ्फरपुर की ओर आ रही एक असम पुलिस के जवानों से भरी हुई बस और ट्रक में आमने-सामने की टक्कर हो गई थी, जिसमें करीब 18 जवान घायल हो गए थे। छह से अधिक जवान गंभीर रूप में जख्मी हो गए थे, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए एसकेएमसीएच में भर्ती कराया गया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com